वर्ष 72 ▸▸ अंक 199 ▸▸ पृष्ठ 12
रीवा, शुक्रवार 18 अप्रैल, 2025
वैशाख पक्ष 06, विक्रम संवत् 2082
नगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

मनुष्य अपनी श्रेष्ठ अवस्था में सभी प्राणियों में सबसे श्रेष्ठ होता है; लेकिन जब वह कानून और न्याय से अलग हो जाता है, तो वह सबसे निकृष्ट बन जाता है।
- अरस्तु

नए वक्फ कानून पर सुनवाई : *सुप्रीम कोर्ट ने दूसरे दिन भी सीधे-सीधे कोई स्टे तो नहीं दिया, लेकिन कहा कि सरकार अगले सात दिन में जवाब दाखिल करे, लेकिन इस दौरान वक्फ काउंसिल या बोर्ड में कोई नियुक्ति नहीं होगी। अदालत से वक्फ घोषित संपत्ति डी-नोटिफाई नहीं की जायेगी।*

सरकार को सशर्त मोहलत

नई दिल्ली, जेएनएन। वक्फ अधिनियम 2025 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए सात दिन की मोहलत दी है, लेकिन इसके साथ कड़ी शर्तें भी लगाई हैं। अदालत ने साफ निर्देश दिया है कि अगली सुनवाई तक केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्डों में कोई नई नियुक्ति नहीं होगी, और पहले से अधिसूचित या पंजीकृत वक्फ संपत्तियों में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली पीठ ने स्पष्ट किया कि अदालत यथास्थिति बनाए रखना चाहती है, ताकि इस दौरान किसी भी पक्ष के अधिकारों पर आंच न आए।

सुप्रीम कोर्ट ने अब इस मामले की अगली सुनवाई 5 मई 2025 के लिए निर्धारित की है। तब तक केंद्र सरकार को अपना विस्तृत जवाब दाखिल करना है। कोर्ट के मुताबिक, यह मामला महज धार्मिक या कानूनी नहीं, बल्कि संवैधानिक संतुलन, ऐतिहासिक संपत्तियों की सुरक्षा और बहुलतावादी मूल्यों से भी जुड़ा हुआ है।

सुनवाई के दौरान न्यायालय ने दोहराया कि यदि न्यायिक प्रक्रिया चल रही हो, तो उस बीच में कानून या प्रशासनिक कदमों के जरिये स्थितियों को बदला नहीं जाना चाहिए। चीफ जस्टिस संजीव ■ शेष पृष्ठ 7 पर

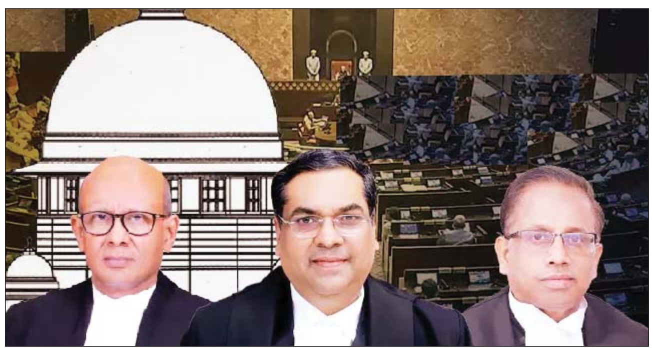

सुप्रीम कोर्ट की गंभीर टिप्पणियां

सीजेआई खन्ना ने कहा, 'हमने कुछ कमियों को इंगित किया है, लेकिन कुछ प्रावधानों में सकारात्मक बातें भी हैं। हम नहीं चाहते कि याचिका पर फैसला आने से पहले कोई ऐसा बदलाव हो, जिससे पार्टियों के अधिकारों पर प्रभाव पड़े।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि, 'इस्लाम के पांच साल के अभ्यास जैसे प्रावधानों पर हम अभी नहीं बोल रहे, लेकिन जब तक मामला लंबित है, तब तक किसी भी स्थिति में ऐसा बदलाव न हो, जिससे भविष्य में निर्णय का प्रभाव व्यर्थ हो जाए।'

पिछली सुनवाई में उठी थीं अहम संवैधानिक चिंताएं

याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलील दी थी कि वक्फ अधिनियम 2025 के संशोधन संविधान के खिलाफ हैं, और विशेष रूप से 'उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ' की मान्यता को हटाने से ऐतिहासिक मस्जिदों व धार्मिक स्थलों की वैधता पर प्रश्नचिह्न लग जाएगा। सिब्बल ने जामा मस्जिद, दिल्ली का उदाहरण देते हुए कहा था कि सैकड़ों साल पुरानी वक्फ संपत्तियों के दस्तावेज नहीं मिलते, क्योंकि वे अक्सर मौखिक तौर पर वक्फ की जाती थीं, और इनसे किसी प्रकार का सबूत मांगना उचित नहीं होगा। इस पर अदालत ने सरकार से पूछा कि - क्या सभी वक्फ-दर-उपयोगकर्ता संपत्तियां वक्फ नहीं मानी जाएंगी? क्या सरकार कलेक्टर के जांच तक वक्फ स्थिति को नकार सकती है? क्या संसद का कानून अदालतों के पूर्व निर्णयों को पलट सकता है? और क्या अब वक्फ बोर्डों और परिषदों में केवल मुसलमानों को ही सदस्य बनाया जाएगा?

तीन बिंदुओं पर रोक

अदालत ने सुनवाई में प्रस्ताव दिया था कि वह तीन बिंदुओं पर 'अंतरिम आदेश' पारित कर सकती है

- सभी वक्फ संपत्तियां, चाहे उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ हों या विलेख से, इस केस के लंबित रहने तक डि-नोटिफाई नहीं की जाएंगी।
- धारा 2ए में कहा गया है कि किसी संपत्ति को तब तक वक्फ नहीं माना जाएगा जब तक कलेक्टर इसका निर्धारण नहीं कर लेता, इसे लागू नहीं किया जाएगा।
- केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्ड के सभी गैर-पदेन सदस्य मुस्लिम होंगे, जब तक मामला लंबित है।

एसजी ने दिए आश्वासन

भारत सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को आश्वासन दिया कि

- धारा 9 और 14 के तहत केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्डों में कोई नई नियुक्ति नहीं होगी।
- कोई भी वक्फ संपत्ति, चाहे वह अधिसूचना से घोषित हो या पंजीकरण से, अगली सुनवाई तक डि-नोटिफाई नहीं की जाएगी।
- उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ की गई संपत्तियों पर भी यही स्थिति लागू होगी।

राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकती कोर्टः उपराष्ट्रपति

धनखड़ बोले- अनुच्छेद 142 न्यूक्लियर मिसाइल

नई दिल्ली, जेएनएन। राष्ट्रपति और राज्यपालों को विधेयकों को मंजूरी देने के लिए समय सीमा निर्धारित करने वाले सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के कुछ दिनों बाद उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने न्यायपालिका के लिए कड़े शब्दों का इस्तेमाल करते हुए कहा कि हम ऐसी स्थिति नहीं बना सकते जहां अदालतें राष्ट्रपति को निर्देश दें। उन्होंने यह भी कहा कि संविधान का अनुच्छेद 142 लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ एक परमाणु मिसाइल बन गया है। संविधान का अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को यह अधिकार देता है कि वह पूर्ण न्याय करने के लिए कोई भी आदेश, निर्देश या फैसला दे सकता है, चाहे वह किसी भी मामले में हो।

राज्यसभा के प्रशिक्षुओं के एक समूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'हमारे पास ऐसे न्यायाधीश हैं जो कानून बनाएंगे, जो कार्यपालिका का कार्य स्वयं संभालेंगे, जो 'सुपर संसद' के रूप में कार्य करेंगे और उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी, क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता।' उपराष्ट्रपति ने कहा, 'हम ऐसी स्थिति नहीं बना सकते जहां आप भारत के राष्ट्रपति को निर्देश दें और वह भी किस आधार पर? संविधान के तहत आपके पास एकमात्र अधिकार अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान की व्याख्या करना है। इसके लिए पांच या उससे अधिक न्यायाधीशों की आवश्यकता होती है।' हाईकोर्ट जज के घर से जले हुए नोटों के बंडल मिलने के मामले पर उन्होंने कहा, '14 और 15 मार्च की रात को नई दिल्ली में एक न्यायाधीश के निवास पर एक घटना हुई। सात दिनों तक, किसी को इसके बारे में पता नहीं था। ■ शेष पृष्ठ 7 पर

सुपर संसद के रूप में काम नहीं कर सकते न्यायधीशः धनखड़

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राष्ट्रपति द्वारा विधेयकों पर निर्णय लेने की समयसीमा निर्धारित करने संबंधी उच्चतम न्यायालय के हाल के फैसले पर चिंता जताई और कहा कि भारत ने ऐसे लोकतंत्र की कल्पना नहीं की थी, जहां न्यायाधीश कानून बनाएंगे, कार्यपालिका का काम स्वयं संभालेंगे और एक 'सुपर संसद' के रूप में कार्य करेंगे।

क्या है मामला

बीते सप्ताह उच्चतम न्यायालय ने पहली बार यह निर्धारित किया था कि राष्ट्रपति को राज्यपाल द्वारा विचारार्थ सुरक्षित रखे गए विधेयकों पर संदर्भ प्राप्त होने की तिथि से तीन माह के भीतर निर्णय लेना चाहिए।धनखड़ ने कहा, 'हाल ही में एक फैसले में राष्ट्रपति को निर्देश दिया गया है। हम कहां जा रहे हैं? देश में क्या हो रहा है? हमें बेहद संवेदनशील होना होगा। यह कोई समीक्षा दायर करने या न करने का सवाल नहीं है। हमने इस दिन के लिए लोकतंत्र का सौदा नहीं किया था। राष्ट्रपति को समयबद्ध तरीके से फैसला करने के लिए कहा जा रहा है और यदि ऐसा नहीं होता है, तो संबंधित विधेयक कानून बन जाता है।'

ऑफ बीट

कपल जो है बेशुमार दौलत का मालिक

ब्रिटेन के पूर्व पीएम ऋषि सुनक इन्फोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति के दामाद हैं। नारायण मूर्ति की बेटी अक्षता से ऋषि सुनक की शादी हुई है। इस कपल के पास बेशुमार दौलत है। दोनों ने रियल एस्टेट में काफी पैसा लगाया हुआ है। उनके पास कई प्रॉपर्टी हैं। कैलिफोर्निया में एक पेंटहाउस और नॉर्थ यॉर्कशायर में एक आलीशान हवेली है। 2022 में ऋषि और अक्षता की कुल संपत्ति लगभग 73 करोड़ पाउंड (लगभग 6945 करोड़ रुपए) आंकी गई थी।

विशेष सूचना

विचारों का जन्म...

(पढ़ें सम्पादकीय पेज पर)

IPL 2025 TATA IPL — आईपीएल में आज

पंजाब बनाम बेंगलुरू
समय : शाम 7.30 बजे से
प्रसारणः स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर
परिणामः मुंबई ने हैदराबाद को 4 विकेट से हराया।

खेल संघों के लिए आयोग नियुक्त करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को देश में खेल संघों से जुड़े मामलों की गहन जांच के लिए एक जांच आयोग नियुक्त करने का संकेत दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि खेल गतिविधियों के अलावा उनमें सभी तरह की चीजें हो रही हैं। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच दो राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ियों की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एकेएफआई) और इंटरनेशनल कबड्डी फेडरेशन के मामलों की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने पर विचार करने अनुरोध किया गया है। बेंच ने कहा, हम कबड्डी संघों के मामलों की गहन जांच के लिए जांच आयोग गठित करने के पक्ष में हैं, क्योंकि इन निकायों में खेल गतिविधियों के अलावा कई तरह की चीजें हो रही हैं। इसके बाद हम जांच आयोग का दायरा अन्य खेल संघों तक बढ़ाने की इच्छा रखते हैं। केंद्र के अतिरिक्त महाधिवक्ता के एम नटराज ने शीर्ष अदालत को बताया कि बेंच के 4 फरवरी के आदेश के अनुसार खिलाड़ियों को ईरान में टूर्नामेंट के लिए भेजा गया था, जहां उन्होंने स्वर्ण पदक जीता।

प्रदेश के किसानों के लिए नई नीति की घोषणा

पराली नहीं जलाई, तो मिलेगी प्रोत्साहन राशि

प्रति एकड़ 1500 से 3000 रुपए की राशि मिलेगी

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार पराली न जलाने वाले किसानों को एक सौगात देने की तैयारी में है। इसमें किसानों को खेतों में पराली नहीं जलाने समेत 5 शर्तें पूरी करने पर प्रोत्साहन के रूप में 1500 से 3000 रुपए की राशि प्रति एकड़ के हिसाब से दी जाएगी। सरकार ने यह फैसला कृषक कल्याण मिशन (अन्नदाता मिशन) के तहत लिया है। इस मिशन को सरकार ने पिछली कैबिनेट में ही मंजूरी दी है। इसमें किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ जलवायु अनुकूल खेती और फसलों का उचित मूल्य दिलाने की कोशिश की जाएगी। जानकारों का कहना है कि पराली जलाने से पर्यावरण, आम लोगों और जीव-जंतुओं को होने वाले नुकसान होता है। मिट्टी की उर्वरता कम हो जाती है। प्रदूषण और स्वास्थ्य पर असर होने के साथ ही मिट्टी की उर्वरता कम होने से भविष्य में पैदावार कम होने की संभावना भी बढ़ जाती है। जानकारों का कहना है कि किसानों को पराली की सफाई कराने में जुर्माने से ज्यादा राशि खर्च करनी पड़ती है। ऐसे में किसान जुर्माने की परवाह नहीं करता रहा है। लेकिन अब सरकार की इस नई योजना ने उन्हे ऐसी चिंता से मुक्त कर दिया है। साथ ही जागरुकता भी आएगी और प्रचलन में आने पर किसान पराली खत्म करने के दूसरे उपाय अपनाने लगेंगे।

ये शर्तें करनी होंगी पूरी

- पराली मुक्त खेती को अपनाना होगा
- कृषि ऋण समय पर भुगतान करना अनिवार्य होगा।
- तिलहन और दलहन के उत्पादन में उर्वरक का कम इस्तेमाल
- कीटनाशकों का कम से कम इस्तेमाल
- कम पानी के उपयोग वाली कृषि पद्धतियों को अपनाना होगा।

पराली जलाने पर सख्त कार्रवाई

प्रदेश में पराली जलाने को लेकर सख्त कार्रवाई के प्रावधान है। इसमें जुर्माना और जेल की सजा भी शामिल है। इंदौर जिले में प्रशासन ने खेतों में पराली जलाने की घटनाओं को लेकर सख्त कदम उठाते हुए पिछले दिनों किसानों पर तगड़ा जुर्माना लगाने के साथ ही खेत मालिकों के खिलाफ केस दर्ज किए हैं। चार दिनों में 770 किसानों पर कुल 16.71 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश भी जारी किया है।

आप नेता पाठक के घर पर सीबीआई का छापा

नई दिल्ली, जेएनएन। आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक दुर्गेश पाठक के घर गुरुवार को सीबीआई ने छापेमारी की है। सीबीआई के मुताबिक, यह कार्रवाई विदेशी फंडिंग से जुड़े मामले को लेकर हो रही है। सीबीआई ने बुधवार को आप के खिलाफ एफसीआरए के तहत केस दर्ज किया था। छापेमारी पर आप नेता मनीष सिसोदिया ने कहा है कि गुजरात चुनाव 2027 की जिम्मेदारी मिलते ही दुर्गेश पाठक के घर सीबीआई की रेड हुई है। ये कोई संयोग नहीं है, बल्कि भाजपा की साजिश है। सीबीआई का आरोप है कि विदेशों में रहने वाले 155 लोगों ने 55 पासपोर्ट नंबरों का इस्तेमाल कर 404 बार में पार्टी को 1.02 करोड़ का डोनेशन दिया। कई डोनर्स ने एक ही पासपोर्ट नंबर का इस्तेमाल किया।

लगातार तीसरे दिन ईडी के समक्ष पेश हुए रॉबर्ट वाड्रा, पूछताछ के बाद बोले

जो जवाब दे चुका हूं, बार-बार वही पूछ रहे

नई दिल्ली, जेएनएन। गुरुग्राम लैंड स्कैम मामले में कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश हुए। पूछताछ के बाद मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए वाड्रा ने कहा कि उनसे कोई नया सवाल नहीं पूछा गया, वही सवाल दोहराए गए जिनके जवाब मैं 2019 में दे चुका हूं। वाड्रा ने कहा, 'अगर कल पब्लिक हॉलिडे नहीं होता, तो मुझे अपना जन्मदिन ईडी ऑफिस में ही मनाना पड़ता। कल गुड फ्राइडे है और मैं अपना जन्मदिन परिवार के साथ मनाऊंगा, वरना वे मुझे बुलाते रहेंगे।'

वाड्रा ने पूछा कि भाजपा के किस मंत्री या सदस्य को ईडी ने तलब किया है? क्या भाजपा में सभी अच्छे हैं? क्या उनके खिलाफ कोई आरोप नहीं है? कई आरोप हैं। वाड्रा ने दावा किया कि उनके खिलाफ ईडी की कार्रवाई तब और तेज हुई जब उन्होंने अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचारों के बारे में आवाज उठानी शुरू की।

समन के जवाब में वाड्रा लगातार तीसरे दिन ईडी के समक्ष पेश हुए। वाड्रा ने इस कार्रवाई को राजनीतिक प्रतिशोध करार देते हुए सरकार पर विपक्ष की आवाज को निशाना बनाने के लिए जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया।

ईडी की निष्पक्षता पर सवाल

वाड्रा ने ईडी की निष्पक्षता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि गैर-भाजपा दलों के नेताओं के खिलाफ चुनिंदा कार्रवाई की जा रही है। वाड्रा ने कहा, 'यह राजनीतिक प्रतिशोध है। एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। यह गलत है। जब कोई पार्टी अच्छा प्रदर्शन कर रही हो, तो उन्हें परेशान किया जाए, तो एजेंसियों पर भरोसा कैसे होगा?' वाड्रा ने कहा, 'अगर मैं राजनीति में आता, तो भाजपा वंशवाद की बात करेंगे या ईडी का दुरुपयोग करेंगे। यह मुश्किल तब शुरू हुई जब कुछ दिन पहले मैंने अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचारों के बारे में सोशल मीडिया पर संदेश दिया।

त्रिभाषा विवादः अब महाराष्ट्र के स्कूलों में हिंदी अनिवार्य

अंग्रेजी-मराठी के साथ हिंदी भी पढ़ेंगे बच्चे

मुंबई, जेएनएन। महाराष्ट्र सरकार ने एक अहम फैसला लेते हुए राज्य के स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक हिंदी को अनिवार्य विषय बना दिया है। यह बदलाव खासतौर पर मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों के लिए लागू किया गया है, जहां पहले सिर्फ दो भाषाएं, मराठी और अंग्रेजी पढ़ाई जाती थीं।महाराष्ट्र सरकार ने फैसला लिया है कि राज्य के मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पढ़ने वाले कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों को तीसरी भाषा के रूप में हिंदी पढ़ना अनिवार्य होगा। पहले इन स्कूलों में केवल दो भाषाएं ही पढ़ाई जाती थीं, यानी मराठी और अंग्रेजी। अब राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत, महाराष्ट्र में तीन भाषा फॉर्मूला लागू किया जा रहा है। इस फॉर्मूले के अनुसार, छात्रों को तीन भाषाएं पढ़नी होंगी। एक उनकी मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा (जैसे मराठी), दूसरी अंग्रेजी और तीसरी अब हिंदी होगी।

सरकार ने यह भी बताया है कि राज्य के बाकी स्कूलों, जैसे उर्दू, गुजराती या अन्य माध्यम के स्कूल में पहले से ही तीन भाषाएं पढ़ाते हैं, क्योंकि वहां मराठी और अंग्रेजी अनिवार्य होती हैं।

यह है नई व्यवस्था

1. फाउंडेशनल स्टेज (5 साल): इसमें प्री-प्राइमरी (3 साल) + कक्षा 1 और 2 शामिल हैं।
2. प्रारंभिक चरण (3 साल): कक्षा 3 से 5 तक।
3. मिडिल स्कूल (3 साल): कक्षा 6 से 8 तक।
4. माध्यमिक शिक्षा (4 साल): कक्षा 9 से 12 तक।

स्पेस वॉर | मस्क, पेलंटियर और एंड्यूरिल की तिकड़ी ने बनाया ट्रंप का अरबों डॉलर का 'अंतरिक्ष कवच'

आयरन डोम की तर्ज पर अमेरिका बना रहा गोल्डन डोम

वाशिंगटन, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने नए कार्यकाल की शुरुआत के साथ ही एक बेहद महत्वाकांक्षी और विवादास्पद योजना पर काम शुरू कर दिया है। यह योजना है — 'गोल्डन डोम'। यह एक वैश्विक मिसाइल डिटेक्शन और इंटरसेप्शन सिस्टम है, जिसे अंतरिक्ष में तैनात किया जाएगा। इस योजना का उद्देश्य है- पूरी दुनिया में कहीं से भी आने वाली मिसाइलों को सेकंडों में नष्ट करना। यह पहली बार होगा जब अमेरिका अंतरिक्ष में ऐसे हथियार तैनात करेगा जो सीधे जमीन से लॉन्च की गई मिसाइलों को नष्ट कर सकते हैं।

पेंटागन की प्रतिक्रियाएं और चिंताएं

इस परियोजना में 180 से अधिक कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाई है, लेकिन ट्रंप प्रशासन ने सीधे अपने भरोसेमंद उद्यमियों को चुना। पेंटागन के भीतर कुछ अधिकारी इस बात को लेकर चिंतित हैं कि क्या इतनी बड़ी रक्षा प्रणाली को सब्सक्रिप्शन आधारित बनाना समझदारी है? अगर सिस्टम ■ शेष पृष्ठ 7 पर

क्या है 'गोल्डन डोम'?

यह योजना इजराइल की 'आयरन डोम' प्रणाली से प्रेरित है, लेकिन उसका एक विशाल और उन्नत संस्करण है। इसका उद्देश्य ऐसी अंतरिक्ष-आधारित सुरक्षा परत बनाना है जो अमेरिका की ओर आने वाली मिसाइलों को अंतरिक्ष से ही गिरा दे। इसमें तीन प्रमुख निजी कंपनियां एलन मस्क की स्पेस एक्स, सॉफ्टवेयर फर्म पेलंटियर और ड्रोन निर्माता एंड्यूरिल शामिल हैं। तीनों के संस्थापक ट्रंप समर्थक माने जाते हैं और मस्क तो 'चीफ ऑफ डीओजीई' के रूप में विशेष सलाहकार भी हैं।

तीन 'गोल्डीलॉक्स' विकल्प

रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ट्रंप को तीन विकल्प प्रस्तुत करने वाले हैं। इनमें छोटा डोम, जो सीमित भूभाग की सुरक्षा करेगा। मध्यम डोम जो वैश्विक निगरानी और चुनी हुई मिसाइलों को गिराने की क्षमता वाला होगा, और बड़ा डोम जिसमें पूरी पृथ्वी पर मिसाइल ट्रैकिंग और जवाबी हमला क्षमता शामिल होंगे।

कैसे काम करेगा 'गोल्डन डोम'?

- 1000 से अधिक सैटेलाइट्स पृथ्वी की कक्षा में लगाए जाएंगे, जो दुनिया भर में लॉन्च होने वाली मिसाइलों की निगरानी करेंगे।
- इनके साथ 200 'अटैक सैटेलाइट्स' होंगे, जो इन दुश्मन मिसाइलों पर लेजर या प्रिसिशन मिसाइलों से हमला करेंगे।
- यह सब 2026 तक चालू हो सकता है और 2030 तक पूरी प्रणाली सक्रिय होने की उम्मीद है।

आरसीबी को घरेलू मैदान पर पहली जीत की तलाश (पेज 11)

सरकारी स्कूल में प्रवेश की ऐसी डिमांड कि प्राइवेट स्कूलें भी हैरान

एडमिशन फार्म के लिए सुबह 6 बजे से स्कूल के सामने लाइन में खड़े हो जाते हैं अभिभावक

शासकीय पीके कन्या सीएम राइज स्कूल में प्रवेश के लिए मची है मारामारी

जागरण, रीवा। अभी तक प्राइवेट स्कूलों में ही प्रवेश के लिए मारामारी देखी और सुनी होगी। लेकिन रीवा के एक सरकारी स्कूल में भी ऐसे ही हालात हैं। सुबह 6 बजे से स्कूल के सामने सिर्फ फार्म लेने अभिभावकों की लाइन लग रही है। घंटों इंतजार कर रहे हैं। सरकारी स्कूल में एडमिशन के लिए मची यह होड़ देखकर प्राइवेट स्कूल संचालक भी हैरान हैं। ज्ञात हो कि सरकारी स्कूलों की स्थितियां काफी दयनीय हो गई है। अभिभावक सरकारी स्कूलों में बच्चों को पढ़ाना ही नहीं चाहते। सभी प्राइवेट स्कूलों की तरफ भी दौड़ लगा रहे हैं। ऐसे में पीके कन्या सीएम राइज स्कूल में एडमिशन के लिए मची मारामारी अभिभावकों का सरकारी स्कूलों के प्रति नजरिया बदल देगा। पीके स्कूल में एडमिशन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। फिलहाल यहां आवेदन दिए और जमा किए जा रहे हैं। पीके गर्ल्स स्कूल है। दो साल पहले ही इसे सीएम राइज घोषित किया गया है। इसके बाद से यहां का शिक्षा का स्तर सुधर गया है। रिजल्ट में तेजी से सुधार आ रहा है। करीब 53 करोड़ की लागत से नया भवन भी तैयार हो रहा है। प्राइवेट स्कूल को टक्कर देने में किसी मामले में पीके स्कूल पीछे नहीं है। यहां छात्रों को लाने और छोड़ने के लिए बसें भी उपलब्ध हैं। चार बसें संचालित हो रही हैं। सुरक्षा के घेरे में छात्राओं को बेहतर शिक्षा दी जा रही है। हर क्षेत्र में छात्राओं को पारंगत बनाया जा रहा है। यही वजह है कि यहां अभिभावक अपनी बेटियों को पढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। यहां फीस कम है और पढ़ाई भी बेहतर है। यही वजह है कि आवेदन लेने के लिए गुरुवार की सुबह 6 बजे से ही स्कूल के बाहर अभिभावकों और छात्राओं की लाइन लगी थी।

बढ़ी सूरज की तपन, 40 डिग्री पार पहुँचने वाला है दिन का तापमान

दोपहर को चलीं गर्म हवाएं, जिले में अब लू चलने की चेतावनी

जागरण, रीवा। जिले में पिछले 10-12 दिन से जमे बादल छट गए हैं। आसमान गुरुवार तक पूरी तरह साफ हो गया। आसमान साफ होते ही सूर्य की तपिश बढ़ गई है। लगभग पूरे जिले में गर्मी अब अपने तीखे तेवर दिखाने लगी है। गुरुवार सुबह 8 बजे के बाद से ही गर्म वातावरण का प्रभाव बढ़ गया, जिसके चलते दोपहर तक लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया। दोपहर के वक्त गर्म हवाएं भी चलती रहीं। इस लिहाज से अब इस सप्ताह जिले में लू चलने की चेतावनी दी गई है। इस बाबत मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है। अर्थात् इस अप्रैल माह में अब और भीषण गर्मी का सामना जिलेवासियों को करना पड़ सकता है। गौरतलब है कि इस बार मार्च के आखिरी दिनों में गर्मी एकाएक बढ़ी थी। अप्रैल के शुरुआती दो-तीन दिन भी बेहद गर्मी वाले रहे। फिर उसके बाद आसमान में बादलों के आने-जाने का सिलसिला शुरु हुआ। साथ में, कहीं-कहीं तेज हवाओं के साथ हल्की वर्षा या बूंदाबांदी हुई, जिसके चलते गत 14 अप्रैल तक लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली। अब इधर, एक-दो दिन से जिले में गर्मी का प्रभाव बढ़ने लगा है। गुरूवार को गर्मी अधिक होने से जिले के तापमान में भी कुछ वृद्धि हुई। बताया गया कि गुरुवार को दिन का तापमान बीते दिन से 2.5 डिग्री सेल्सियस अधिक 38.9 डि.से. दर्ज किया गया। वहीं, न्यूनतम तापमान गत दिवस की अपेक्षा 0.4 डि.से. की गिरावट के 23.6 डि.से. पर कायम हुआ। अब आगामी दिनों में जैसे-जैसे गर्मी बढ़ेगी, वैसे ही जिले का अधिकतम और न्यूनतम तापमान ऊपर की ओर उछाल मारेगा।

कलेक्ट्रेट में आयोजित जिला योजना समिति की बैठक में शामिल हुए प्रभारी मंत्री

पॉलीटेक्निक कॉलेज के नाम को मिली मंजूरी कल्पना चावला के नाम से जाना जाएगा

प्रभारी मंत्री ने पेयजल व्यवस्था पर दिया जोर, बसाहटों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

मंत्री ने कहा पंचायत सचिवों और रोजगार सहायकों की स्थानांतरण नीति शीघ्र होगी घोषित

जिला योजना समिति की बैठक में कई प्रस्तावों को दी गई मंजूरी

जागरण, रीवा

कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में जिला योजना समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिले के प्रभारी मंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने की। बैठक में शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज का नाम कल्पना चावला पॉलिटेक्निक कॉलेज करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। बैठक में मेसर्स गोकुलदास एक्सपोर्ट लिमिटेड बेंगलुरू के सहयोग से शासकीय कन्या महाविद्यालय के छात्रावास में सिलाई एवं कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र शुरू करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। बैठक में प्रभारी मंत्री ने कहा कि ग्राम पंचायत सचिवों तथा ग्राम रोजगार सहायकों के स्थानांतरण की नीति शीघ्र घोषित होगी। इसके अनुसार स्थानांतरण किए जाएंगे। बैठक में डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ला सहित जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में प्रभारी मंत्री ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत में इस अभियान के तहत जल संरक्षण के कार्य कराएं। जिन गांवों में गत वर्षों में पानी का संकट रहा, वहाँ हैण्डपंप तथा कुओं में रिचार्ज पिट प्राथमिकता से बनाएं। जल गंगा संवर्धन अभियान में शामिल जल संरक्षण कार्यों की तकनीकी और प्रशासकीय स्वीकृति तत्काल जारी करके निर्माण कार्य तेजी से पूरा कराएं। अभियान के तहत मनरेगा से मंजूर सभी अधूरे कार्य 15 मई तक पूरे कराएं। प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान से 50 हजार से अधिक खेत तालाबों का निर्माण कराया जाएगा। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि इस योजना से रीवा जिले ही नहीं पूरे विन्ध्य में बहुत अच्छा कार्य हुआ है। नए पात्र परिवारों को योजना का लाभ देने के लिए एक लाख 72 हजार परिवार चिन्हित किए गए हैं। प्रधानमंत्री आवास प्लस योजना से प्रदेश में 27 लाख गरीब परिवारों को आवास मंजूर किए गए हैं। इसके शेष 6 लाख 50 हजार आवास शीघ्र स्वीकृत किए जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र में गरीब परिवारों को पक्के आवास के लिए एसडीएम प्राथमिकता से जमीन उपलब्ध कराएं। इस योजना से मल्टी स्टोरी आवास भी बनाए जा सकते हैं। बैठक में विधायक सिरमौर दिव्यराज सिंह, विधायक मनगवां नरेन्द्र प्रजापति, भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता, प्रदेश महामंत्री राजेश पाण्डेय, समाजसेवी राजेश पाण्डेय तथा समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे। बैठक में पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह, आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवणे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, वन मण्डलाधिकारी, संयुक्त संचालक योजना अनिल दुबे, सभी एसडीएम, जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पीएचई बिगड़े हैंडपंपों को अभियान चलाकर ठीक करे

पेयजल की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि इस वर्ष जिले में औसत से कम वर्षा हुई है। जिले की सभी बसाहटों में पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करें। कार्यपालन यंत्री पीएचई बिगड़े हैण्डपंपों का अभियान चलाकर सुधार कराएं। जिन क्षेत्रों में पेयजल संकट की आशंका हो वहाँ वैकल्पिक स्त्रोत से पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करें। ग्राम पंचायतों के पास उपलब्ध राशि से स्पॉट सोर्स पर पानी की टंकी रखकर भी पेयजल की आपूर्ति कराएं। जहाँ जरूरत हो वहाँ तत्काल हैण्डपंपों में सिंगल फेज मोटर लगाकर पानी की आपूर्ति करें। जल जीवन मिशन की समूह नलजल योजना से जिन गांवों में पानी दिया जा रहा है उनमें पाइप की मरम्मत तथा अन्य कमियाँ दूर कर नियमित रूप से पानी की सप्लाई करें। बैठक में गत बैठक के पालन प्रतिवेदन को भी मंजूरी दी गई।

141 करोड़ से होगी नहर की सफाई

बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में 393 निर्माण कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति जारी कर दी गई है। इनमें से 255 कार्य प्रारंभ हो गए हैं। बैठक में बताया गया कि जिले में अपर पुरवा नहर तथा अन्य नहरों की साफ-सफाई के लिए 141 करोड़ रुपए का प्रस्ताव भेजा गया है। जिले में 67 एकल नलजल योजनायें ग्राम पंचायतों को हैंडओवर कर दी गई हैं।

जनप्रतिनिधियों ने भी उठाई आवाज

डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ला

बैठक में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि रीवा विधानसभा क्षेत्र के कई गांवों में ग्राम पंचायतें नलजल योजनाओं का सफलतापूर्वक संचालन कर रही हैं। जल संवर्धन और संरक्षण के कार्य में सामाजिक संगठनों तथा आमजनता की भी भागीदारी आवश्यक है।

गुढ़ विधायक नागेन्द्र सिंह

बैठक में विधायक गुढ़ नागेन्द्र सिंह ने ग्रामीण क्षेत्र में पानी का संकट दूर करने के लिए बाणसागर बांध की नहरों से तालाबों और नदियों में पानी छोड़ने का सुझाव दिया।

गिरीश गौतम, विधायक देवतालाब

विधायक देवतालाब गिरीश गौतम ने जिला योजना समिति के पुनर्गठन तथा जब तक मऊगंज जिले में जिला पंचायत का गठन नहीं हो जाता तब तक वहाँ के जिला पंचायत सदस्यों को रीवा की योजना समिति की बैठक में सदस्य के रूप में शामिल करने का सुझाव दिया। श्री गौतम ने नलजल योजना तथा पेयजल व्यवस्था के भी मुद्दे उठाए। विधायक सेमरिया अभय मिश्रा ने पेयजल व्यवस्था, बसामन मामा में तीन करोड़ 21 लाख रुपए की लागत से एनिकट निर्माण, कौआढान में सड़क निर्माण तथा जिला योजना समिति के पुनर्गठन के मामले रखे।

महापौर अजय मिश्रा बाबा

बैठक में महापौर रीवा नगर निगम अजय मिश्रा ने बाणसागर बांध की नहरों की साफ-सफाई तथा गाद निकालने का सुझाव दिया। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल ने ग्राम पंचायत सचिवों के स्थानांतरण का मुद्दा उठाया। समिति के सदस्य डॉ अजय सिंह ने मतदाता सूची का मुद्दा उठाया।

जिलापंचायत सदस्य धरने पर बैठे

जिला पंचायत सदस्य लालमणि त्रिपाठी सहित अन्य सदस्यों को जिला योजना समिति की बैठक में शामिल नहीं किया गया। इससे नाराज सदस्य कलेक्ट्रेट में धरने पर बैठ गए। कलेक्ट्रेट परिसर में ही बैठे रहे। इसके बाद प्रभारी मंत्री बैठक के बाद उनके पास पहुंचे और मुलाकात भी की। उनकी समस्याएं सुनी।

अमहिया सड़क 40 फीट चौड़ी है लेकिन दिन में 10 फीट बचती है, जाम से सब परेशान

सिरमौर चौराहा से अस्पताल चौराहा तक दिन भर में कई जगह लगता है जाम

जागरण, रीवा। शहर के सिरमौर चौराहे से लगाकर अमहिया मार्ग पर अस्पताल चौराहे तक दिनभर में कई बार जाम की स्थिति निर्मित होती है। जिसका कारण यहां किए जाने वाले निर्माण कार्य की निर्माण सामग्री सड़क किनारे ही डाल दी जाती है। इसके अलावा यहां स्कूल होने के चलते स्कूल लगने और छूटने के समय सड़क के किनारे वाहनों के खड़े होने से कई बार यहां जाम लग जाता है, जिससे यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कई बार तो मरीजों को ले जा रही एम्बुलेंस भी जाम में फंसी सायरन बजाती रहती है, लेकिन उसे भी निकलने के लिए जगह नहीं मिल पाती।

दुकानों का सामान सड़क पर

इसके साथ ही इस मार्ग में बार-बार जाम लगने का सबसे बड़ा कारण यहां के दुकानदार फुटपाथ से भी आगे तक अपनी दुकानों का सामान जमा देते हैं, उसके सामने अपने वाहन खड़े कर देते हैं, जिससे अच्छा-खासा चौड़ा मार्ग सिकुड़ जाता है, एक साथ दो वाहन निकलने पर यहां पर भी जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। कुछेक दुकानदारों से चर्चा करने पर दुकानदारों ने अपना नाम तो नहीं बताया लेकिन उनका कहना है कि जो दुकानदार अपनी दुकान का सामान दुकानों से निकालकर फुटपाथ, सड़क तक जमा देते हैं, उन पर कार्यवाही होना चाहिए, ये प्रशासन का काम है, किस प्रकार इस मार्ग में लगने वाले जाम को रोकना है। दूसरी बात इस मार्ग में जो भी निर्माण कार्य होते हैं, उनकी निर्माण सामग्री निर्माण करने वाला सड़क तक न फैलाएं, स्कूलों के सामने खड़े किए जाने वाले वाहनों को सड़क किनारे कतारबद्ध खड़ा करवाया जाए तो काफी हद तक लोगों को इस समस्या से छुटकारा मिल सकता है, लेकिन ये व्यवस्था करेगा कौन?

धान मिलिंग शुरू करने मिलर एसोसिएशन ने कलेक्टर को लिखा पत्र

जांच पूरी नहीं होने से नहीं दिया जा रहा धान का आवंटन, सभी मिल बंद

जागरण, रीवा। मिलर्स एसोसिएशन ने कलेक्टर को पत्र लिखकर मिलिंग कार्ड शुरू करने की मांग की है। संगठन अध्यक्ष दिलीप सिंह ने कहा कि जांच के लिए मिलिंग कार्य बंद कर दिया गया था, लेकिन आज तक जांच पूर्ण नहीं हुई, लिहाजा पिछले 20 दिनों से धान की मिलिंग बंद है। पत्र में बताया कि उन्हें पता चला है कि नान जिला प्रबंधक द्वारा उपार्जन के समय मिलिंग करने वाले मिलर्स को धान न देकर उपार्जन के बाद में मिलिंग कार्य शुरू करने वाले मिलर्स को धान प्रदान की मांग की जा रही है। इससे पूर्व में काम करने वाले मिलर्स बेकार हो जाएंगे और लाखों की क्षति उठाना पड़ेगी। ऐसी स्थिति में नान जिला प्रबंधक के पत्र पर विचार किया जाना उचित नहीं होगा।

20 दिन में जांच दल नहीं दे पाया जांच रिपोर्ट : प्रमुख सचिव खाद्य द्वारा जिले में जांच दल गठित कर प्रमुख रूप से 8 बिंदुओं जिनमें उपार्जित धान मात्रा, धान कमी मात्रा, मिलरवार धान उठाव मात्रा, मिलर्स को भुगतान की स्थिति, मिलरवार धान प्रदाय मात्रा, मिलरवार धान उठाव मात्रा, मिलरवार सीएमआर जमा मात्रा की विस्तृत जांच की जाकर जांच रिपोर्ट 1 सप्ताह के अंदर प्रस्तुत करने कलेक्टर को आदेशित किया गया था। लेकिन जिले में गठित जांच दल कमेटी लगभग 20 दिन व्यतीत होने के बाद भी जांच रिपोर्ट मप्र शासन को उपलब्ध नहीं करवाई गई। जिसके चलते जिले में स्थित समस्त राईस मिले बंद पड़ी हैं। मिल बंद होने से उपलब्ध ऑपरेटर, लेबर इत्यादि काम न मिलने से पलायन कर अन्यत्र जा रहे हैं। मिलर्स का आरोप है कि बुधवार को जिला प्रबंधक के माध्यम से धान उपार्जन के दौरान कार्यरत राइस मिलों को छोड़ धान उपार्जन के बाद प्रारंभ होनी वाली राइस मिलों को चालू करने प्रस्ताव तैयार कर कलेक्टर की अनुशंसा सहित पत्र प्रमुख सचिव खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग एवं प्रबंध संचालक मप्र स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पो. लि. भोपाल को प्रेषित किया जा रहा है। जिससे धान उपार्जन के दौरान कार्यरत रही संपूर्ण राइस मिलें बंद हो जाएंगी। श्रमिकों के सामने रोजी-रोटी की समस्या खड़ी हो जाएगी।

सीताराम विवाहोत्सव का दिव्य उत्सव कपसा में आज

रीवा। रीवा सेमरिया मार्ग में स्थित मणिमण्डप बिहारी मंदिर रामहर्षण कृपाधाम में श्री सीताराम विवाहोत्सव का दिव्य उत्सव कपसा में आज संपन्न होगा। इस विवाहोत्सव की दिव्य लीला को देखने विभिन्न तीर्थों से संतों का आगमन जारी है। कार्यक्रम के आयोजक बृजेन्द्र तिवारी सचिव अखिल भारतीय रामहर्षण मण्डल द्वारा जानकारी दी गयी है कि विवाहोत्सव का कार्यक्रम 17 से 19 अप्रैल तक संपन्न होगा। उत्सव दिव्य झांकी के बीच भगवान का पाटोत्सव, विवाहोत्सव एवं रामकलेवा के साथ संपन्न होगा। श्री सीताराम विवाहोत्सव रथ, घोड़े बैण्ड बाजों पटाखों के सुमधुर ध्वनि के बीच धूमधाम से संपन्न होगा। मैथिल परंपरा के साथ यह दिव्य विवाहोत्सव विद्वान आचार्यों के द्वारा एवं लीला व्यास आचार्य रामभिलाष त्रिपाठी के सानिध्य में पूर्ण होगा। लीला दर्शन में प्रेमीभक्तों वैष्णवों से अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर अपने जीवन को धन्य बनाने की अपील की गयी है।

न्यायालय के सामने बार-बार लगता है जाम

जागरण, रीवा। न्यायालय के सामने दिनभर में कई बार जाम की स्थिति निर्मित होती है, बुधवार दोपहर करीब एक बजे सड़क के दोनों ओर खड़े वाहनों के कारण जाम लग गया, दोनों से वाहनों के आ जाने से वाहन चालक हॉर्न बजाते रहे, लेकिन जो वाहन वहां खड़े थे उनके चालक न होने से काफी देर तक लोग जाम में फंसे रहे, जैसे-तैसे अन्य वाहन चालकों ने वाहनों को इधर-उधर करके रास्ता खुलवाया, तब कहीं जाकर जाम में फंसे लोगों को राहत मिली। शहर में यहां बेतरतीब वाहन खड़े कर दिए जाने से दिनभर में कई बार जाम लगता है। गुरुवार को भी कई बार यहां दोनों ओर वाहन फंसे देखे गए। रोजाना यही स्थिति निर्मित होती है।

कृषि विभाग की नलकूप योजना का लाभ सिर्फ 6 किसानों को मिला

किसानों का कहना उन्हें शासन की योजना का पता ही नहीं चलता, गांव में कोई आकर बताता ही नहीं

जागरण, रीवा। शासन द्वारा किसानों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, ताकि किसानों को समृद्ध बनाया जा सके, लेकिन धरातल में इन योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं के बराबर हो रहा है। गत वर्ष शासन द्वारा किसानों के लिए नलकूप योजना की शुरुआत की गई, जिसमें किसानों को 80 फीसदी अनुदान दिए जाने का प्रावधान है, लेकिन व्यापक प्रचार-प्रसार न होने से कई किसानों को इस योजना की जाकनारी ही नहीं है, जिसके चलते अब तक महज 6 किसान ही उक्त योजना का लाभ ले पाए हैं।

पता होता तो शासन की योजना का लाभ उठाते

किसानों ने बताया कि शहर में गिने-चुने किसान हैं, बाकी के किसान अंचलों में रहकर अपनी खेती-बाड़ी का कार्य करते हैं, लेकिन गांव में इन योजनाओं के बारे में किसानों को कोई जानकारी ही नहीं हो पाई। ग्राम पुरैनी निवासी किसान राजा शुक्ला ने बताया कि वे शुरू से ही खेती करते आ रहे हैं, लेकिन गांव में आज तक कोई भी शासन की योजनाओं के बारे में बताने नहीं आया। हमने अपने खर्च पर खेत में नलकूप खनन करवाया, पता होता तो शासन की योजना का लाभ उठाते, वैसे भी हमारे पास न तो अधिक भूमि है, न ही अन्य कोई कामकाज, खेती पर ही निर्भर हैं।

निरीक्षण तक करने नहीं आते

बनकुइयां के किसान लालू पटेल ने बताया कि उन्हें भी शासन की किसानों के लिए चल रही योजना के बारे में कोई जानकारी नहीं, खेती के साथ दूध का व्यवसाय करते हैं, लेकिन किसी से भी इन योजनाओं के बारे में हमें जानकारी नहीं मिली। गांव में तो बताने आते नहीं, शहर में आते भी हैं तो दूध बांटकर चले जाते हैं, लेकिन शहर में भी हमें किसानों के लिए चल रही योजनाओं की जानकारी नहीं मिल पाई। किसानों के लिए कई सुविधाएं दी जा रही हैं, ये सुना है, लेकिन मौसम की मार से फसल का नुकसान हो जाए तो जिम्मेदार निरीक्षण तक करने नहीं आते।

महिला कांग्रेस का प्रदर्शन, सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

रीवा। मध्य प्रदेश में महिलाओं बच्चियों के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटनाओं से दिनों दिन आक्रोश बढ़ता जा रहा है। घटनाओं को लेकर महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा के निर्देशन में मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष विभा पटेल के नेतृत्व में महिला कांग्रेस रीवा ने प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री के नाम अनुविभागीय अधिकारी राजस्व हुजूर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने के पहले महिलाओं ने हल्ला बोल प्रदर्शन किया कांग्रेस कमेटी की प्रदेश महासचिव कविता पांडे ने कहा है कि पूरे मध्य प्रदेश में महिलाओं बच्चियों के साथ जघन्य अपराध किये जा रहे हैं कोई देखने सुनने वाला नहीं है। महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष सीमा सिंह जरहा ने रीवा एवं मऊगंज जिले में महिलाओं के ऊपर बढ़ते हुए अपराधों के विषय में चिंता जाहिर करते हुए कहा कि यहां पर कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। वहीं शहर अध्यक्ष तारा त्रिपाठी ने कहा कि महिलाओं के ऊपर हो रहे दुष्कर्म के खिलाफ महिला कांग्रेस पूरे जिले में प्रदर्शन कर रही है फिर भी सरकार के कानों में जू तक नहीं रेंग रही है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रदेश महासचिव कविता पांडे, जिला अध्यक्ष सीमा सिंह जरहा, शहर अध्यक्ष तारा त्रिपाठी, उत्पीड़न प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष प्रभा सोहगौरा, प्रदेश सचिव ममता तिवारी, संगठन मंत्री प्राची शुक्ला, महामंत्री देवती साकेत , एडवोकेट अंकिता सिंह, तहरुन्निशा, सुंदरिया कोल, मोनिका सिंह, आशा त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

भू-माफिया ने नाला ही पाट दिया और प्लाटिंग कर बेच दिया

रीवा। भू-माफिया के हौसले बुलंद हैं। लगातार तेजी से अवैध कॉलोनियां बस रही हैं। इन पर रोक नहीं लग पा रही। भू-माफिया नदी, नालों को भी नहीं छोड़ रहे। इन्हें भी पाट कर अवैध प्लाटिंग की जा रही है। नया मामला पटवारी हल्का पड़रा ग्राम टेकुआ का सामने आया है, जहां नाला को ही पाट कर प्लाटिंग कर दी गई। अब इसकी बिक्री की जा रही है। इसकी शिकायत कमिश्नर रीवा संभाग रीवा से की गई है। अधिवक्ता बीके माला ने कमिश्नर रीवा संभाग रीवा से शिकायत में कहा है कि तहसील हुजूर अंतर्गत पटवारी हल्का पड़रा ग्राम टेकुआ में नाला ही गायब कर दिया गया है। कई गांवों का पानी निकासी टेकुआ की आराजी नंबर 122 व अन्य नंबर से होते हुए नाले का पानी नदी में समाहित होता है। यह नाला आराजी मप्र शासन राजस्व अभिलेख में दर्ज है। इस नाला से कई गांवों का पानी नदी तक पहुंचता था। काफी पुराना नाला है। यह गायब दिया गया है। ग्राम टेकुआ में भूमि खसरा क्रमांक 122 रकवा 0.1420 हेक्टेयर शासकीय मप्र शासन नाला की परिक्षेत्र में बिना टीएनसीपी के कच्ची अवैध प्लाटिंग की गई है। प्लाटिंग करने वालों ने योजनाबद्ध तरीके से मप्र शासन दर्ज नाला की भूमि को भी प्लाटिंग के रकवा में शामिल कर लिया है। उसका भी विक्रय किया गया है। लगातार प्लाट बेचे जा रहे हैं। भू-माफिया बिना राजस्व और टीएनसीपी की अनुमति के अवैधानिक कार्य कर रहे हैं। कमिश्र से इस मामले की जांच कराकर भूमि विक्रय पर रोक लगाने की मांग की गई है।

शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
कामता सोनोग्राफी सेन्टर (अल्ट्रासाउण्ड)
डॉ. रश्मी शुक्ला
M.D. (Radio Diagnosis) G.S.V.M. Medical College Kanpur
Ex. J.R. AIIMS New Delhi
Ex. Consultant Radiologist Alpha Imaging & MRI Kanpur
Ex. Consultant Radiologist Noble Hospital Kanpur
ए-ब्लॉक, समदड़िया सेन्टर प्वाइन्ट, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.) 07662-451599,9399312433

सिटी क्राइम मीटर (अप्रैल) दिन 17 | मामले 126

थाना	पंजीबद्ध अपराध
सिटी कोतवाली	25
सिविल लाइन	15
विश्वविद्यालय	09
चोरहटा	30
बिछिया	14
समान	21
अमहिया	12
योग	126

कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में पंच-सरपंच सम्मेलन का हुआ आयोजन

विकास कार्य में यदि कोई लापरवाही बरतेगा तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी : प्रभारी मंत्री

पंचायतें विकसित होंगी तभी विकसित रीवा का सपना साकार होगा: उप मुख्यमंत्री

जागरण, रीवा

पंचायतों में अब राशि की कोई कमी नहीं है। हम जिस तरह अपने परिवार का वित्तीय प्रबंधन करते हैं उसी तरह ग्राम पंचायत का भी वित्तीय प्रबंधन करना होगा। ग्रामीण विकास से जुड़े अधिकारी पंचायतों के विकास की मंशा से कार्य कर रहे हैं। इनमें यदि कोई लापरवाही बरतेगा तो उस पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। सरपंच और जनपद सदस्य अपनी कठिनाइयों से अवश्य अवगत कराएं। इन कठिनाइयों को दूर करके ही पंचायतों के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

उक्त बातें गुरुवार को जिले के प्रभारी मंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल ने कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में आयोजित पंच सरपंच सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। प्रभारी मंत्री ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने ग्राम पंचायतों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाकर पंच परमेश्वर की कल्पना की थी। राष्ट्रपिता की परिकल्पना में पंचायतों का कर्तव्य महत्पूर्ण था। पंचायत राज अधिनियम में कर्तव्यों के स्थान पर ग्राम पंचायतों के अधिकारों को बल दिया गया। पंचायत पदाधिकारी अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों पर भी ध्यान दें। विवाद और झगड़े से विकास के कार्य संभव नहीं हैं। ग्राम पंचायतों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर और प्रशासनिक व्यवस्था से समन्वय बनाकर ही पंचायतों का विकास होगा। ग्राम पंचायतों को गांव की साफ-सफाई, सड़कों के निर्माण, कचरा प्रबंधन, गंदे पानी की निकासी, स्वच्छ पेयजल व्यवस्था, शिक्षा के विकास, जल संरक्षण के कार्य तथा सामाजिक विकास पर ध्यान देना आवश्यक है। जब हम आम नागरिकों को सुविधाएं देंगे तो व्यवस्था बनाने के लिए टैक्स भी लगाना होगा। पंचायत पदाधिकारियों से मैं लगातार संवाद कर रहा हूँ। ग्राम पंचायत की वास्तविकताओं का मुझे पूरा एहसास है।

खर्च की सीमा बढ़ाकर 25 लाख कर दी गई है : प्रभारी मंत्री ने कहा कि पंचायतों को सशक्त करने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। सरपंचों की 15 लाख रुपए की सीमा को बढ़ाकर 25 लाख रुपए कर दिया गया है। 15वें वित्त आयोग में हर पंचायत को पर्याप्त राशि दी जा रही है। राज्य वित्त आयोग से ग्राम पंचायतों को 1400 करोड़ रुपए दिए गए हैं। इस वर्ष मुख्यमंत्री ने इसे बढ़ाकर 6 हजार करोड़ रुपए कर दिया है।

पुराने और जर्जर भवनों की जगह नए भवन बनाए जाएंगे : कोरोना काल में कार्यों के बंद होने के कारण मजदूरी और मटेरियल के अनुपात में असंतुलन हो गया है। इसे विकासखण्ड स्तर से निर्धारित करके ठीक किया जा रहा है। विकास के कार्य में राशि की कोई कमी नहीं है। भवन विहीन सभी ग्राम पंचायतों को बिना मांगे पंचायत भवन तथा सामुदायिक भवन दिया जा रहा है। जो पंचायत भवन 30 से 40 साल पुराने हो गए हैं उन्हें भी समिति से परीक्षण कराकर उसकी रिपोर्ट के अनुसार नया भवन दिया जाएगा। प्रभारी मंत्री ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में प्रत्येक पंचायत पदाधिकारी और आमजन सक्रिय भूमिका निभाएं। नदियों के उद्गम स्थल को स्वच्छ बनाएं। अपने गांव के नदी और तालाबों की भी साफ-सफाई अवश्य करें। हैण्डपंपों में रिचार्ज पिट बनवाएं जिससे उनके स्रोत में पानी की कमी न रहे। सम्मेलन के बाद प्रभारी मंत्री महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित पोषण आहार प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

हम सब मिलकर विकास का प्रयास करें: नीता कोल : अध्यक्ष जिला पंचायत नीता कोल ने सम्मेलन में कहा कि विवादों और नकारात्मक बातों को छोड़कर हम सब मिलकर पंचायतों और जिले के विकास के लिए प्रयास करें। मुख्यमंत्री जी ने कोलगढ़ी के जीर्णोद्धार तथा रीवा में कोल मंगल भवन देकर अनुसूचित जनजाति का मान बढ़ाया है। पंच-सरपंच सम्मेलन में सरपंच भमरा ने पंचायतों की कठिनाइयों तथा सरपंच अजगरहा भूपेन्द्र सिंह ने नलजल योजना की सफलता की बात रखी। सम्मेलन में विधायक सेमरिया अभय मिश्रा, विधायक मनगवां नरेन्द्र प्रजापति, कलेक्टर प्रतिभा पाल, पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य, सरपंच एवं बड़ी संख्या में पंचगण उपस्थित रहे।

10 हजार चिकित्साकर्मियों की भर्ती करेंगे: डिप्टी सीएम

समारोह में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि लंबे अंतराल के बाद पंच-सरपंचों से संवाद का स्वागत योग्य अवसर आया है। जिले के प्रभारी मंत्री जी की पहल से ग्राम पंचायतों के विकास को गति मिलेगी। ग्राम पंचायतों का विकास होगा तभी रीवा का विकास संभव है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव गांव के विकास के लिए पर्याप्त राशि प्रदान कर रहे हैं। रीवा जिले में केवल जल जीवन मिशन से ही तीन हजार करोड़ रुपए के निर्माण कार्य मंजूर किए गए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना तथा आवास प्लस का 98 प्रतिशत लक्ष्य पूरा हो गया है। जिले में लाखों गरीब परिवारों को इनसे पक्के आवास मिले हैं। बेसहारा गायों के लिए गौशालाओं का निर्माण कराया गया है। गौशाला में प्रत्येक गाय के लिए प्रतिदिन 20 रुपए की राशि बढ़ाकर 40 रुपए कर दी गई है। स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर करने के लिए 3500 डॉक्टरों और 10 हजार चिकित्सा कर्मियों की भर्ती इस माह अक्टूबर माह तक पूरी कर ली जाएगी। उप स्वास्थ्य केन्द्र तक टेलीमेडिसिन की सुविधा उपलब्ध हो गई है। पंचायत पदाधिकारियों की जो कठिनाइयाँ हैं, उन्हें हल करके पंचायतों के विकास का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा।

घर में अकेली महिला से छेड़छाड़ का प्रयास, विरोध की तो किया हमला

चोरी के इरादे से घुसे आरोपी ने वारदात को दिया अंजाम

जागरण, रीवा। रायपुर कर्चुलियान थाना क्षेत्र के हरिजन बस्ती में बीती रात चोरी के इरादे से घुसे आरोपी की उस समय नीयत बदल गई जब उसने घर में अकेली महिला को देखा। आरोपी महिला के साथ छेड़छाड़ करने लगा, जिसका महिला ने विरोध किया तो आरोपी ने उसके सिर पर पत्थर से हमला कर दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया वहीं महिला का शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उसे उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल ले आए। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक चोरी करने के इरादे से घर में घुसे चोर ने अकेली महिला के साथ छेड़खानी की घटना को अंजाम दिया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक रायपुर कर्चुलियान थाना क्षेत्र में रहने वाली वर्षा साकेत के साथ आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित महिला का पति बाहर रहकर नौकरी करता था। हालांकि महिला ने नामजद आरोपी का नाम बताया है, जिसके बाद पुलिस अब फरार आरोपी की तलाश कर सच्चाई का पता लगाने का प्रयास कर रही है। महिला के मुताबिक गांव का ही एक युवक चोरी करने की इरादे से घर में घुसा, जहां महिला अंदर के कमरे में सो रही थी, उसे अकेला देख आरोपी की नीयत बिगड़ गई और उसने छेड़खानी शुरू कर दी, इस बीच जब उसने विरोध किया तो आरोपी ने उसके सिर पर पत्थर से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गयी जिसे उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

आवश्यकता है
एक पद कम्प्यूटर ऑपरेटर की जिसको फोटो शॉप, क्वार्क एक्सप्रेस दक्ष कृतिदेव फॉण्ट में टाइप कर ले एवं बाद में कनवर्ट हो जाय। पुरुष/महिला टाइपिंग के लिए डिक्टेशन होने में अनुभवी होना चाहिए।
शीघ्र सम्पर्क करें :-
कार्मिक मैनेजर
मो. नं. : 9039922699

2.26 लाख रुपए की नशीली कफ सिरप पकड़ाई

3 आरोपी अर्टिका कार सहित गिरफ्तार 1162 शीशी नशीली कफ सिरप जब्त

जागरण, रीवा। रायपुर कर्चुलियान थाना क्षेत्र अंतर्गत जोगिनहाई टोल प्लाजा के पास गुरुवार को पुलिस ने घेराबंदी कर नशीली कफ सिरप की बड़ी खेप के साथ 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यूपी के बनारस से आरोपी नशीली कफ सिरप लेकर रीवा तस्करी के लिए ला रहे थे, जिन्हें मुखबिर की सूचना के बाद पुलिस ने धर दबोचा। आईजी रीवा जोन गौरव राजपूत ने अवैध नशे के विरुद्ध कार्रवाई के लिए पुलिस को कार्रवाई के निर्देश दिए हैं, जिसका असर अब दिखने लगा है। कुख्यात ड्रग माफिया के विरुद्ध कार्यवाही हेतु चलाये गये विशेष अभियान के तहत थाना रायपुर कर्चुलियान पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2 लाख 26 हजार रुपए की नशीली कफ सिरप जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। रायपुर पुलिस से हासिल जानकारी के मुताबिक सूचना मिली थी कि यूपी के बनारस से अवैध नशीली कफ सिरप की खेप एक आर्टिका कार में लेकर आरोपी रीवा आ रहे हैं। सूचना के बाद वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन पर पुलिस ने कार को घेराबंदी कर पकड़ा जिसकी तलाश लेने पर 03 आरोपियो से अवैध नशीली कफ सिरप का जखीरा पुलिस ने जब्त किया। कार के अंदर 05 प्लास्टिक की बोरियों में कुल 1162 शीशी बरामद हुई जिन्हें जब्त कर तीनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, साथ ही इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है।

ये आरोपी गिरफ्तार : पुलिस ने अर्टिका कार क्रमांक एमपी 17 जेड जी 2513 को जब्त कर आरोपी वीरेन्द्र कुमार नामदेव पिता चन्द्रमणि नामदेव 28 वर्ष निवासी हरदुआ थाना सेमरिया, रवि साकेत पिता बृजनाथ साकेत 19 वर्ष निवासी खारा थाना सेमरिया व अनिल साकेत पिता जागेश्वर साकेत 40 वर्ष निवासी ऐलहा थाना सेमरिया को गिरफ्तार किया है।

कई थानों की पुलिस की रही भूमिका : अवैध रूप से लाई जा रही ऑनरेक्स नशीली कफ सिरप के साथ आरोपियों को पकड़ने में समान थाना प्रभारी विकास कपीश, थाना प्रभारी उनि. महेन्द्र मिश्रा, गुढ़ थाना प्रभारी शैल यादव, अमहिया थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल, चाकघाट थाना प्रभारी घनश्याम मिश्रा के साथ साइबर सेल टीम आईजी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नौकरी दिलाने के बहाने छात्रों से ठगी का आरोपी गिरफ्तार

कार जब्त, मुख्य आरोपी निर्मल कुमार की तलाश जारी

पीड़ितों की शिकायत के बाद पुलिस ने की कार्रवाई

जागरण, रीवा। नौकरी दिलाने के नाम छात्रों से लाखों की ठगी करने वाले एक आरोपी मुनिराज विश्वकर्मा को समान थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है, साथ ही आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने एक कार भी जब्त की है। मामले का मुख्य आरोपी निर्मल कुमार अभी फरार है,जिसकी तलाश पुलिस द्वारा सरगर्मी से की जा रही है। घटना की शिकायत 13 अप्रैल को ठगी का शिकार हुए लोगों ने समान थाना पुलिस से की थी। पीड़िता लक्ष्मी विश्वकर्मा निवासी चिरहुला कॉलोनी थाना बिछिया ने बताया था कि मुनिराज विश्वकर्मा एवं निर्मल कुमार नौकरी दिलाने के नाम पर बेईमानी पूर्वक धोखाधड़ी कर करीब 11 लाख रुपए अलग-अलग लोगों से लिए हैं। छात्रा ने बताया था कि रोजगार दिलाने के नाम पर प्रमिला साकेत उसे टीआरएस कॉलेज के बाहर मिली और इसके बाद स्मार्ट वैल्यू कंपनी की उर्रहट स्थित ऑफिस में काउंसलिंग कराने के नाम पर नवंबर 2022 में ले गई थी, इसके बाद उससे ज्वाइनिंग करने के नाम पर 16 हजार रुपये मुनिराज विश्वकर्मा ने लिए जो स्मार्ट वैल्यू कंपनी में निर्मल कुमार के अधीनस्थ कार्य करते हैं। पीड़िता ने बताया कि मुनिराज विश्वकर्मा एस. पी. एस होटल रीवा में नौकरी दिलाने के लिए मीटिंग लिया करते थे जहां अन्य लड़कों व लड़कियों को ज्वाइनिंग फीस के नाम पर लाखों रुपए ठगे गए। पीड़ित छात्रों ने बताया कि मुनिराज विश्वकर्मा द्वारा कम्पनी का हेड ऑफिस जबलपुर में बताया गया था। फिलहाल समान पुलिस ने मुनिराज विश्वकर्मा को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि निर्मल कुमार की तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है।

मजबूत टिकाऊ उत्तम साइज
काशी विश्वनाथ / केसरवानी कार्पोरेशन
IST ईंट की पहचान | कोयले से पकी हुई ईंट
9415215523
9838933337
9598327051
नकली IST से सावधान
पता- इरादतगंज, रीवा रोड, घूरपुर, प्रयागराज 212111
(काशी विश्वनाथ फ्यूल्स, पेट्रोल पंप के पास- आईओसी)

मामूली विवाद में पति ने पत्नी का फोड़ा सिर

शराब की बोतल से किया हमला, हाथ भी फ्रैक्चर

रीवा। शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत ढेकहा मोहल्ले में मामूल विवाद में पति-पत्नी के बीच सिर फुटौव्वल हो गया। किराएदार के यहां महिला गई थी, इसी बात पर पति आगबबूला हो गया और उसने शराब की बोतल उसके सिर पर पटक दी। साथ ही उसके साथ मारपीट की जिससे उसका एक हाथ भी फ्रैक्चर हो गया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक पति नशे की हालत में पहुंचा और सावित्री के साथ मारपीट शुरू कर दिया। घायल महिला का उपचार संजय गांधी अस्पताल में चल रहा है। पीड़िता के भाई ने जानकारी देते हुए बताया कि उसकी बहन के साथ पति ने मारपीट कर घटना को अंजाम दिया है। बताया गया कि महिला अपने ही घर में किराए से रहने वाले किराएदार के कमरे में गई हुई थी, इसी बीच पति घर पहुंच गया और उसने कमरे में ताला लटकता पाया। इस बात पर नाराज पति ने नशे की हालत में हाथ में ली हुई बोतल को पत्नी के सिर में फोड़ दिया और उसके साथ मारपीट करते हुए उसका एक हाथ भी तोड़ दिया। फिलहाल अब पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

जिला बदर का आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

रीवा। अमहिया पुलिस ने जिला बदर के एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। पकड़ा गया आरोपी आदतन बदमाश है, जिस पर जिला दण्डाधिकारी ने उसे जिला बदर का आदेश दिया था, इसके बावजूद आरोपी शहर में रहकर चोरी छिपे वारदात को अंजाम दे रहा था। मुखबिर की सूचना के बाद अमहिया पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर धारा 14 म.प्र. राज्य सुरक्षा अधि 1990 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर न्यायालय में पेश किया, जहां से आरोपी को जेल भेजा गया है। पकड़ा गया आरोपी शिब्बू रावत पिता मनसुख लाल रावत 26 वर्ष निवासी कमसरियत मोहल्ला थाना अमहिया का रहने वाला है।

सट्टा पर्ची काटते युवक पकड़ाया

रीवा। अमहिया पुलिस ने सट्टा पर्ची काटते एक युवक को गिरफ्तार कर सट्टा अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। पुलिस ने मानस भवन के पास स्थित कचरा प्लांट के बगल में घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा। पकड़े गए आरोपी संतोष रैकवार पिता मोहन लाल रैकवार निवासी टोला के कब्जे से पुलिस ने 520 रुपए नकद, एक पेन व सट्टा पर्ची जब्त की है। पुलिस ने मामले में सट्टा एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर कार्रवाई की है।

चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ आज

रीवा। पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय के तत्वाधान में वेंकट भवन में 18 से 24 अप्रैल तक चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी में विश्व पटल पर श्रीराम विषय से संबंधित छायाचित्र प्रदर्शित किए जा रहे हैं। इस संबंध में पुरातत्व संग्रहालय अध्यक्ष ने बताया कि 18 अप्रैल को प्रातः 11 बजे प्रदर्शनी का शुभारंभ सैनिक स्कूल के प्राचार्य कर्नल अविनाश रावल द्वारा किया जाएगा। प्रदर्शनी 24 अप्रैल तक प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक खुली रहेगी। इसमें प्रवेश निःशुल्क है। आमजनता से चित्र प्रदर्शनी के अवलोकन की अपील की गई है।

वेतन मांगने पर सेठ ने कर्मचारी को पीटा

सिविल लाइन थाना में पीड़ित ने की शिकायत

जागरण, रीवा। दुकान में काम कर रहे कर्मचारी ने दुकान संचालक पर मारपीट का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित कर्मचारी ने आरोप लगाया कि वेतन मांगने पर सेठ आगबबूला हो गया और गाली गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की। फिलहाल सिविल लाइन पुलिस शिकायत के बाद पूरे मामले की जांच कर रही है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक शहर के क्रेजी गारमेंट्स में कर्मचारी काम करता था। टाइम पर सैलरी नहीं मिलने से वह काम छोड़ना चाहता था, अपना बकाया पैसा वह संचालक से मांग रहा था,जिससे नाराज दुकान संचालक ने उसके साथ मारपीट की। कर्मचारी ने दुकान संचालक के विरुद्ध थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि सैलरी मांगने पर दुकान संचालक सहित उसके भाई ने न सिर्फ उसके साथ मारपीट की बल्कि अभद्रता करते हुए उसे दुकान से बाहर निकाल दिया। पीड़ित कर्मचारी की शिकायत पर फिलहाल पुलिस ने प्राथमिकी रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के संबंध में अनिल तिवारी निवासी आनंद नगर बोदाबाग ने जानकारी देते हुए बताया कि वह शहर में संचालित क्रेजी गारमेंट्स नामक दुकान में बीते 10 वर्षों से काम कर रहा है। समय पर सैलरी नहीं मिलने के कारण वह काम छोड़ना चाहता था, ऐसे में उसने बीते दिवस दुकान पहुंचकर दुकान संचालक से हिसाब करने की बात कही, जिससे नाराज होकर दुकान संचालक में उसके साथ मारपीट की। पीड़ित कर्मचारी का आरोप है की दुकान संचालक नितिन बजाज द्वारा जब उसके साथ मारपीट की जा रही थी तो उनका भाई भी मौके पर पहुंच गया और उसने भी मारपीट की। शिकायत के बाद अब पुलिस पूरे मामले की विवेचना कर कार्रवाई कर रही है।

मिनर्वा द मेडिसिटी
मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, रीवा
जन्मजात बाल्य हृदय रोग एवं बाईपास सर्जरी
आयुष्मान कार्ड के तहत
निःशुल्क इलाज
फोर्टिस हॉस्पिटल के विशेषज्ञों द्वारा
विशेष सूचना
दिनांकः 18,19,20 अप्रैल 2025
कार्डियक सर्जरी
पुनः निःशुल्क उपलब्ध
असुविधा से बचने के लिए पूर्व में ही रजिस्ट्रेशन करवाएं
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैंड, रीवा (म.प्र.) 9893516364, 8770288324
टोल-फ्री नंबर:- 18008892250

विंध्य की एक मात्र महिला चर्म रोग विशेषज्ञ
समय- प्रतिदिन सुबह 10 से 2 एवं शाम 4 से 7 बजे तक रविवार अवकाश
डॉ. कोम्पल अग्रवाल
MBBS, MD (Dermatology & STD)
चर्म, सौंदर्य, नाखून, बाल, यौन, एवं कुष्ठ रोग विशेषज्ञ
अत्याधुनिक Laser द्वारा Hair Removal, Tatto Removal एवं Facial की सुविधा उपलब्ध
परामर्श:- दाद, खाज, खुजली, एक्जिमा, सोरायसिस, सफेद दाग, चेहरे की कील, मुहांसे, बालों का झड़ना, गंजापन, इत्यादि समस्त चर्म, नाखून, बाल एवं यौन संबंधी समस्याएं।
विशेष:- Co2 एवं MNRF LASER के द्वारा पिम्पल के गढ्ढे, दाग, झुर्रियाँ Stretch Marks, आदि के लिए इलाज की सुविधा
मो.-7247097637
परामर्श शुल्क 300/-
सौन्दर्य क्लीनिक शॉप नं. 86 तानसेन कॉम्पलेक्स कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम के सामने सिरमौर चौराहा रीवा (म.प्र.)

द हार्ट क्लीनिक
डॉ. शिरीष मिश्रा
M.D. मेडिसिन, .D.N.B. कार्डियोलॉजी,
कंसल्टेंट इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट
हृदय रोग विशेषज्ञ
पूर्व कंसलटेन्ट - मैक्स हॉस्पिटल & B.L.कपूर हॉस्पिटल, नई दिल्ली
प्रतिदिन रहेंगे उपलब्ध
परामर्श: हार्ट अटैक, सीने का दर्द, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, सांस फूलना, दिल की धड़कन अनियमित होना, चक्कर आना, स्टेंट, पेसमेकर, वॉल्व बायपास इत्यादि के मरीजों का फालो-अप, जन्मजात हृदय रोग।
जांच सुविधाएं- इकोकार्डियोग्राफी, टी एम टी, ई सी जी, होल्टर, ए बी पी एम, अत्याधुनिक पैथोलॉजी (खून एवं मूत्र जांच)
स्थान- आराध्या मेडिकल स्टोर
समदड़िया गोल्ड मॉल, शॉप नं. 27 मी एण्ड मोम्स के बगल में, बाल भारती स्कूल के सामने, सिरमौर चौक, रीवा (म.प्र.)
फोन न.- 07662 454917 मोबाइल न.: 9752244218
सभी दवाईयों पर 10% की विशेष छूट
व्यवस्थापक :- राहुल तिवारी निरंजन मेडिकल

छात्रों को क्वांटम यांत्रिकी और ऊष्मा गतिकी से कराया गया अवगत

पीएम एक्सीलेंस मॉडल साइंस में विशेष व्याख्यान का हुआ आयोजन

जागरण, रीवा। पीएम एक्सीलेंस शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय में दो दिवसीय विशेष व्याख्यान का गुरुवार को समापन हुआ। महाविद्यालय के भौतिकशास्त्र विभाग द्वारा यह आयोजन कराया गया, जिसमें विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय भौतिकी विषयों पर गहन जानकारी दी गई। इस श्रृंखला के पहले दिन का विषय ऊष्मागतिकी एवं सांख्यिकी भौतिकी विषय पर चर्चा हुई। जिसमें छात्रों को बताया गया कि यह भौतिकी की वह शाखा है, जो ऊर्जा के रूपांतरण, ऊष्मा और कार्य के आपसी संबंध, तापीय संतुलन, एंट्रॉपी और गैसों के व्यवहार पर आधारित होती है। व्याख्यान के दौरान बताया गया कि कैसे ऊर्जा संरक्षण का नियम, बॉयल-बॉट्ज़मैन वितरण, और कैनोनिकल एंसेम्बल जैसे सिद्धांत भौतिकी के साथ-साथ इंजीनियरिंग, मौसम विज्ञान, एयरोनॉटिक्स और यहां तक कि जैविक प्रक्रियाओं को भी समझने में सहायक हैं। व्याख्यान के दूसरे दिन गुरुवार को भी व्याख्यान हुआ, जिसका विषय क्वांटम यांत्रिकी रहा। इस व्याख्यान में छात्रों को बताया गया कि किस प्रकार क्वांटम सिद्धांतों के माध्यम से परमाणु एवं उप-परमाणु कणों के व्यवहार को समझा जाता है। इस व्याख्यान कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. भूपेंद्र कुमार तिवारी, सहायक प्राध्यापक, भौतिकशास्त्र विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक रहे। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्राचार्य प्रो. आर.एन. तिवारी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भौतिकशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. यश कुमार सिंह ने की।

स्व.शफकत खान मेमोरियल अंतर संभागीय क्रिकेट प्रतियोगिता

सागर एवं नर्मदापुरम की टीमों को पराजित कर रीवा सेमीफाइनल में

रीवा। मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की स्व.शफकत खान अंतर संभागीय क्रिकेट प्रतियोगिता (अंडर-18) के ग्रुप बी के मैच 16 एवं 17 अप्रैल को होशंगाबाद में खेले गये । इन दोनों मैचों में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुये रीवा की टीम ने अपनी पारी में 300 से ज्यादा रनों का स्कोर बनाते हुये सागर को 218 रनों से एवं नर्मदापुरम को 7 विकेटों के विशाल अंतर से पराजित कर ग्रुप में पहला स्थान बनाते हुये सेमी फाइनल में प्रवेश किया है। 16 अप्रैल को सागर के विरुद्ध खेले गये पहले मैच में रीवा ने 218 रनों की विशाल जीत दर्ज की थी। इस मैच में कप्तान हर्षित दुबे ने शानदार 172 रन बनाये जबकि आर्यन सिंह ने 76 रनों की पारी खेली थी । तेज गेंदबाज आयुष शुक्ला ने 5 विकेट लिये । इस मैच में बड़ी जीत के बाद 17 अप्रैल को घरेलू टीम नर्मदापुरम के खिलाफ मैच में भी रीवा ने उत्कृष्ट खेल दिखाते 7 विकेटों से जीत दर्ज की । इस मैच में आयुष शुक्ला ने 3विकेट लिये जबकि आकाश चौधरी एवं नीलेश मिश्रा ने 2-2 विकेट लिये। उसके बाद बल्लेबाजी में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुये आकाश चौधरी ने 73 रन व कप्तान हर्षित दुबे ने नाबाद 73रन बनाये । पहले मैच में हर्षित दुबे एवं आयुष शुक्ला ने संयुक्त रूप से मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाडी का पुरस्कार जीता वहीं आकाश चौधरी दूसरे मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गये । इन दोनों जीत के साथ रीवा ने ग्रुप बी में पहला स्थान बनाया व सेमीफाइनल में प्रवेश किया । रीवा का सेमीफाइनल मैच 20 अप्रैल को भोपाल के फेथ क्लब मैदान में चंबल अथवा भोपाल संभाग की टीम के साथ होगा ।

नोटिस अंतर्गत धारा 138 लिखित परकाम्य अधिनियम

अजीत सिंह पिता श्री महेन्द्र सिंह उम्र 39 वर्ष ग्रा.पो. बहेराडाबर थाना तह. जिला मऊगंज म.प्र. ... नोटिसतादा

बनाम

प्रमोद कुमार मिश्रा पिता उग्रभान मिरा उम्र 44 वर्ष निवासी ग्रा.पो. पटेहरा थाना मऊगंज तह. हनुमना जिला मऊगंज म.प्र. ...नोटिसग्रहीता

मेरा पक्षकार मेरे कार्यालय में उपस्थित होकर लैखिक एवं मौखिक जानकारी देते हुए नोटिस देने एवं सक्षम न्यायालय में मामाला प्रस्तुत करने हुतु अधिकृत किया है। तदानुसार आपकी ओर नोटिस सूचना भेजी जा रही है।

नोटिस के आधार निम्न है :

यह कि मेरा पक्षकार हाईवा वाहनों का रजिस्ट्रड स्वामी है एवं मटेरियल सप्लाई का कार्य करता है। आप नोटिस ग्रहिता शासकीय विभागों में ठेकेदारी का कार्य कारते हैं। आप द्वारा समय-समय पर आवश्यकतानुसार मेरे पक्षकार से मटेरियल लिया जाकर विभागों से बिल भुगतान पश्चात मेरे पक्षकार का भुगतान कर दिया जाता रहा है। आप द्वारा पुन: मेरे पक्षकार से 8,00,000 (आठ लाख) का मटेरियल लिया जाकर केनरा बैंक शाखा मऊगंज का चेक भुगतान हेतु दिया गया था जो चेक आपके खाते में राशि न होने से दिनांक 24.03.2025 को क्लियर नहीं हुआ, जिसकी सूचना आपको दूरभाष के माध्यम से दी गई, लेकिन आप द्वारा भुगतान में कोई रूचि नही दिखाई जा रही है। रजिस्टर्ड नोटिस भी आपके पते पर भेजी गई, किन्तु इस टीप के साथ वापस हो गई कि ''प्राप्तकर्ता'' घर पर नहीं मिले।

अत: दैनिक समाचार पत्र प्रकाशन के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि आप 15 दिवस के अन्दर मेरे पक्षकार की राशि अदाकर रशीद प्राप्त कर लेवे, अन्यथा आपके विरूद्ध सक्षम न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत किया जावेगा, नोटिस की द्वितीय प्रति मेरे कार्यालय मे रखी हुई है, किसी भी कार्यालयीन समय में देखी व पढ़ी जा सकती है।

नोटिसदाता
अरूण कुमार मिश्रा (अधिवक्ता)
अपर जिला एवं सत्र न्यायालय मऊगंज

RN 82216

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला रीवा (म.प्र.)

क्रमांक 56/विशेष विवाह/2025
रीवा, दिनांक 6/02/2025

इश्तहार

आवेदक पुष्पेन्द्र कोरी तनय श्री नीलेश कोरी, उम्र-24 वर्ष, निवासी-ग्राम त्योंधरी नं. 1, थाना व तहसील-अमरपाटन जिला सतना म.प्र. आवेदिका प्रीती कोरी पिता श्रीराम आशीष कोरी, उम्र-24 वर्ष, निवासी-ग्राम व पो.-पैपखरा, थाना चोरहटा, तहसील हुजूर जिला रीवा म.प्र. के द्वारा उपस्थित होकर विशेष विवाह अधिनियम 1954 के अन्तर्गत विवाह अनुष्ठान हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, आधार कार्ड की छायाप्रति, अंकसूची की छायाप्रति, निवास प्रमाण पत्र एवं 100/-रु. चालान प्रस्तुत किया गया है, जो विचाराधीन है। अत: उक्त विवाह अनुष्ठान के सम्बंध में जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति स्वत: अथवा अधिवक्ता के माध्यम से नियत तिथि को उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

पेशी दिनांक-19/5/25

विवाह अधिकारी
आर.एन. 82219 **जिला रीवा (म.प्र.)**

नाम सुधार सूचना

मैं रीता देवी पति स्व. श्री देवतादीन साकेत आयु 50 वर्ष निवासी ग्राम डाडी बजरंग सिंह, पो. फूल तह. नईगढ़ी जिला रीवा म.प्र. की स्थायी निवासी हूँ। मेरा आधार नं. 874966941056 है और शपथ पूर्वक कथन करती हूँ की मेरे पति देवतादीन साकेत के नाम से एच.डी.एफ.सी. इंसुरेंस में पॉलिसी नं. 23461055 है जिसमे नामनी के रूप में मेरा नाम श्रीमती रीता साकेत पति श्री देवतादीन साकेत दर्ज है जबकि मेरे आधार कार्ड, पेड कार्ड एवं बैंक खाता में मेरा नाम रीता देवी अंकित है जोकि सही एवं सत्य है। मेरे पति श्री देवतादीन का निधन 16.02.2025 को हो गया है। उक्त पॉलिसी की समस्त राशि मेरे बैंक खाते में ट्रांसफर कर दिया जाये।

श्रीमती रीता देवी

कार्यालय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण रीवा संभाग रीवा (म.प्र.)

दूरभाष 07662-256635 ई-मेल jddpirew-mp@nic.in
क्रमांक/प्रशिक्षण/2025/189 रीवा, दिनांक 15/04/2025

विज्ञप्ति/निविदा

रीवा संभाग अंतर्गत समस्त हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल में राज्य स्तर से प्राप्त निर्देशानुसार वर्ष भर शिक्षकों का आवासीय शिक्षक प्रशिक्षण संभाग स्तर पर दिया जाना है यह प्रशिक्षण आवसीय होंगे। अत: दरी, गद्दा, तकिया एवं अन्य सामग्री तथा भोजन एवं नाश्ता व्यवस्था हेतु पंजीकृत फर्मो से सीलबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। संबंधित फर्म विज्ञापन जारी दिनांक से दिनांक 05.05.2025 तक कार्यालय समय 6.00 बजे तक सीलबंद निविदा कार्यालय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण रीवा संभाग रीवा में प्रस्तुत कर सकते हैं। निविदा दिनांक 07.05.2025 को कार्यालय समय में गठित समिति के निगरानी में संबंधित फर्मों के समक्ष खोली जायेगी।

संयुक्त संचालक लोक शिक्षण
रीवा संभाग रीवा (म.प्र.)

रीवा के संदीप संतशरण द्विवेदी ने उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से की शिष्टाचार भेंट

रीवा। रीवा जिले के ग्राम मड़वा निवासी संदीप संतशरण द्विवेदी (सोनू) ने उप राष्ट्रपति भवन नई दिल्ली में भारत के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने उप राष्ट्रपति से न केवल आशीर्वाद प्राप्त किया, बल्कि उनके जीवन अनुभव और विचारों से अमूल्य मार्गदर्शन भी प्राप्त किया। श्री द्विवेदी ने बताया कि यह मुलाकात उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायक रही। उन्होंने उप राष्ट्रपति के समक्ष युवाओं की भागीदारी, सामाजिक उत्तरदायित्व, और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। उप राष्ट्रपति ने उन्हें समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने हेतु प्रेरित किया और जनसेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य करते रहने की शुभकामनाएँ दीं। इस भेंट के माध्यम से श्री द्विवेदी ने यह संदेश दिया कि यदि इच्छाशक्ति मजबूत हो और लक्ष्य स्पष्ट हो, तो कोई भी व्यक्ति देश के सर्वोच्च पदों तक पहुँचकर संवाद स्थापित कर सकता है। वे आगे भी सामाजिक जागरूकता, शिक्षा, और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में सक्रिय रूप से योगदान देने की योजना बना रहे हैं। ग्राम मड़वा और संपूर्ण रीवा जिले के लिए यह क्षण अत्यंत गर्व का है, जहाँ के एक युवा ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है।

नाम सुधार सूचना

मैं राघवेन्द्र कुमार साकेत पिता स्व. श्री देवतादीन साकेत आयु 28 वर्ष निवासी ग्राम डाडी बजरंग सिंह, पो. फूल तह. नईगढ़ी जिला रीवा म.प्र. का स्थायी निवासी हूँ। मेरा आधार नं. 234069425172 है और शपथ पूर्वक कथन करता हूँ की मेरे पिता श्री देवतादीन साकेत के नाम से एच.डी.एफ.सी. लाईफ इंसुरेंस में पॉलिसी नं. 20884927 है जिसमे नामनी के रूप में मेरा नाम राघवेन्द्र साकेत पिता श्री देवतादीन साकेत दर्ज है जबकि मेरे आधार कार्ड, पेड कार्ड एवं बैंक खाता में मेरा नाम राघवेन्द्र कुमार साकेत अंकित है जोकि सही एवं सत्य है। मेरे पिता श्री देवतादीन का निधन 16.02.2025 को हो गया है। उक्त पॉलिसी की समस्त राशि मेरे बैंक खाते में ट्रांसफर कर दिया जाये।

राघवेन्द्र कुमार साकेत

कार्यालय संयुक्त संचालक नगरीय एवं विकास रीवा संभाग रीवा (म.प्र.)

क्रमांक/यां.प्र./2025/687 **रीवा दिनांक 15/04/2025**

।। निविदा सूचना।।

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि, कार्यालय संयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन एवं विकास रीवा संभाग रीवा (म.प्र.) द्वारा मोबाइल टेस्टिंग लैब हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि (लाख में)	धरोहर राशि रुपये में	निविदा फर्म शुल्क	श्रेणी	समयावधि कार्यादेश से
1	2	3	4	5	6	7
1.	01 नग वाहन Mahindra Bolero Pickup 1.7 Ton किराये पर लगाया जाना है (रीवा संभाग हेतु) 01 नग वाहन Mahindra Bolero Pickup 1.7 Ton किराये पर लगाया जाना है (शहडोल संभाग हेतु) (कुल 02 नग वाहन)	6.00 लाख	6000.00 रु.	2000.00 रु.	-	15 दिवस के अंदर

शर्तें :- **1.** निविदा प्रपत्र का मूल्य वेवसाइट http: www.mptender.gov.in पर भुगतान करने के उपरांत निविदा (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगें। **2.** ऑनलाईन निविदा प्रपत्र 17.04.2025 से 05.05.2025 सायं 5.00 बजे तक खरीदे जा सकेगें। **3.** ऑनलाईन बिड सबमिट करने की अंतिम तिथि 05.05.2025 सायं 6.00 बजे तक है। **4.** निविदा दिनांक 06.05.2025 को दोपहर 12.00 बजे खोली जावेगी। **5.** रीवा एवं शहडोल संभाग हेतु टेण्डर आई.डी. 2025_UAD_417459_1 पर डाली जा सकती है। वाहन किराये पर 01 वर्ष के लिये रखा जाना है। अवधि बढ़ाई या घटाई जा सकती है। **6.** संबंधित निविदाकार को अपनी दरें GST (Goods & Services Tax) छोडकर प्रस्तुत करना होगा। **7.** समस्त दस्तावेज आनलाईन ही प्राप्त किये जायेंगे। **8.** निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत के सभी अधिकार कार्यालय प्रमुख को रहेंगे। **9.** वाहन किराये पर लगाए जाने हेतु निविदा में वाहन की दर प्रतिवाहन की दर से प्रस्तुत किया जावे।

नोट : **1.** निविदा मे किसी भी प्रकार के संशोधन की स्थिति में केवल ऑनलाईन संशोधन किया जायेगा समाचार पत्रों में नहीं।

संभागीय कार्यपालन यंत्री
नगरीय प्रशासन एवं विकास
रीवा संभाग रीवा (म.प्र.)

उप मुख्यमंत्री के निवास पहुंचे प्रभारी मंत्री

रीवा। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल के रीवा स्थित अमहिया निवास पहुंचकर पंचायत तथा ग्रामीण विकास मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने सौजन्य भेंट की। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री ने रीवा के विकास सहित अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उप मुख्यमंत्री ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर विधायक सिरमौर श्री दिव्यराज सिंह, विधायक मनगवां इंजी. नरेन्द्र प्रजापति, जिला अध्यक्ष नीता कोल, भाजपा अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र गुप्ता, पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी, पूर्व भाजपा अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह उपस्थित रहे।

सिंधी समाज कैलाश आहूजा को आज सम्मानित करेगा

रीवा। जिले के सिंधी समाज की सामाजिक व धर्मार्थ कार्यों की अग्रणी संस्था श्री झूलेलाल धर्मार्थ प्याऊ समिति जानकी पार्क रीवा के संरक्षक कैलाश आहूजा (खट्टू भाई) को उनके सामाजिक कार्यों के लिए 18 अप्रैल को शाम 5.00 बजे हेमू कलानी चौक पर सम्मनित किया जाएगा। उन्हें फलों से तौला जायेगा एव सभी फल गरीबों को वितरण किये जाएंगे। उनके प्रयासों से समिति द्वारा पिछले तीस वर्षों से नि:शुल्क प्याऊ, भगवान श्री झूलेलाल जयंती की शोभा यात्रा, बहराणा, झूलेलाल जी का छठी महोत्सव, नि:शुल्क आनंद मेला, पितृ तर्पण हेतु गया के लिए नि:शुल्क बस सेवा, गुरूनानक देव जी का छठी महोत्सव, समाज की सिंधियत को बढ़ाने के लिए बच्चों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन, संतजनों के अवतरण पर सेवा निष्काम भाव से कर रही है।

In The Court Of I Civil Judge Class-I, District, Court Rewa

Presiding Officre : अरुण सिंह

(आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम सक्सेशन प्रकरण क्रमांक)
(MJC SUC/0000031/2024)

राजकुमारी कोल...........आवेदक
बनाम
सेनानी 35वीं भार वाहिनी विसबल मण्डला...........अनावेदक

Process Id-/2025
पेशी दिनांक 07/05/2025

प्रेषिती- 1. हर आम व खास पता-जिला रीवा म.प्र. 2. आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजकुमारी कोल पता ने मृतक श्री सौखीलाल कोल निवासी बगदरा पो. मनकहरी अजिगरहा मार्ग सगरा रीवा जिला रीवा म.प्र. की राशि/संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 07 मई 2025 को नियत है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 07 मई 2025 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत, यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा। यह आज तारीख 07 अप्रैल 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मुहर

अरुण सिंह
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश
वरिष्ठ खण्ड रीवा (म.प्र.)

कृपया ध्यान दें:- यदि किसी कारणवश उक्त तिथ को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा। **आर.एन. 82218**

कार्यालय वनमंडलाधिकारी, वनमण्डल सा० रीवा (म.प्र.)

जयन्ती कुंज, झिरिया, रीवा
E-Mail- dfot.rwa@mp.gov.in , Phone- 07662- 251335

क्रमांक/भण्डार/ 3394 रीवा, दिनांक 15.04.25
प्रति,

ई-निविदा सूचना

मुख्य वन संरक्षक कार्यालय रीवा/वनमण्डल कार्यालय रीवा अन्तर्गत एवं विभिन्न परिक्षेत्रों में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए उपयोग होने वाली स्टेशनरी एवं कम्प्यूटर से संबंधित सामग्री की आपूर्ति हेतु ई-निविदा एम०पी० टेण्डर पोर्टल में www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है:-

Tender Sale Start Date -	16.04.2025	Time 02:00 PM
Bid Submission Start Date -	16.04.2025	Time 02:30 PM
Bid Submission Closing Date-	22.04.2025	Time 03.00 PM
Bid Opening Date -	23.04.2025	Time 04:00 PM

1. इच्छुक व्यापारीगण/संस्था ई-निविदा संबंधी संपूर्ण जानकारी www.mptenders.gov.in वेबसाइट पर प्राप्त करें। निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाईन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैश कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र प्राप्त हो सकेगा।
2. निविदा प्रपत्र शुल्क एवं एवं ई.एम.डी. की राशि ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त की जायेगी। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।
3. उक्त निविदा हेतु निर्धारित फार्म एवं विस्तृत शर्तों की जानकारी www.mptenders.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

G-11675/25

(लोकेश निरापुरे भा.व.से.)
वनमण्डलाधिकारी
वनमण्डल (सा.) रीवा

कार्यालय वनमंडलाधिकारी, वनमण्डल सा० रीवा (म.प्र.)

जयन्ती कुंज, झिरिया, रीवा
E-Mail- dfot.rwa@mp.gov.in, Phone- 07662- 251335

क्रमांक/भण्डार/ 3404 रीवा, दिनांक 16/04/25
प्रति,

ई-निविदा सूचना

वनमण्डल रीवा अंतर्गत वर्ष 2024-25 के लिए विभिन्न परिक्षेत्रों (रीवा, सेमरिया, सिरमौर, अतरैला, डभौरा, चाकघाट, मऊगंज एवं हनुमना) अंतर्गत शासकीय कार्यों के उपयोग हेतु/वन सुरक्षा/सघन गश्ती एवं वरिष्ठ अधिकारियों के वन भ्रमण हेतु मासिक किराये पर वाहन लेने बावत् ई-निविदा एम०पी० टेण्डर पोर्टल में www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है:-

Tender Sale Start Date -	16.04.2025	Time 02:30 PM
Bid Submission Start Date -	16.04.2025	Time 03:00 PM
Bid Submission Closing Date-	22.04.2025	Time 03.00 PM
Bid Opening Date -	23.04.2025	Time 04:00 PM

1. इच्छुक व्यापारीगण/संस्था ई-निविदा संबंधी संपूर्ण जानकारी www.mptenders.gov.in वेबसाइट पर प्राप्त करें। निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाईन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैश कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र प्राप्त हो सकेगा।
2. निविदा प्रपत्र शुल्क एवं एवं ई.एम.डी. की राशि ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त की जायेगी। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।
3. उक्त निविदा हेतु निर्धारित फार्म एवं विस्तृत शर्तों की जानकारी www.mptenders.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

G-11674/25

(लोकेश निरापुरे भा.व.से.)
वनमण्डलाधिकारी
वनमण्डल (सा.) रीवा

कार्यालय जेल अधीक्षक, केन्द्रीय जेल रीवा (म०प्र०)

प्रथम वार्षिक ई-निविदा आमंत्रण वर्ष 2025-26

केन्द्रीय जेल रीवा एवं सर्किल के अंतर्गत आने वाली जिला जेल -सीधी, शहडोल, उमरिया, सिंगरौली, अनूपपुर सब जेल ब्यौहारी, बुढ़ार, मऊगंज एवं त्योंथर में परिरुध्द बंदियों के उपयोग हेतु केन्द्रीय जेल रीवा में संचालित उद्योग इकाई के बुनाई अनुभाग पॉवर लूम /हैण्डलूम में कपड़ा निर्माण हेतु लगने वाले विभिन्न प्रकार के सूत क्रय करने हेतु प्रथम वार्षिक ई-निविदा वर्ष 2025-26 www.mptenders.gov.in पर दिनांक- 08/05/2025 को सायं 05:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इच्छुक व्यापारीगण ई-निविदा फार्म एवं ई-निविदा से संबंधित संपूर्ण जानकारी www.mptenders.gov.in वेबसाईट से प्राप्त करें। ई-निविदा सम्बंधी तिथि विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	विवरण	दिनांक/ समय	स्थान
1.	प्री- बिड मीटिंग	21/04/2025 प्रात: 11:00 बजे	केन्द्रीय जेल रीवा (म०प्र०)
2.	ई- निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि (निविदा फार्म का मूल्य रुपये 05.00 लाख तक रुपये 500.00 एवं रुपये 05.00 लाख से अधिक रुपये 1000.00 लेखा शीर्ष 0056 जेलें 800 अन्य प्राप्तियों में जमा की जावेगी।)	07/05/2025 सायं 05:00 बजे तक	www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है ।
3.	ई- निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	08/05/2025 सायं 05:00 बजे तक	www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है ।
4.	सेम्पल /नमूना जमा करने की अंतिम तिथि	09/05/2025 सायं 05:00 बजे तक	केन्द्रीय जेल रीवा (म०प्र०)
5.	तकनीकी निविदा एवं आवश्यक दस्तावेज खोलने की अंतिम तिथि	10/05/2025 प्रात: 11:00 बजे	www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है ।
6.	वित्तीय ई- निविदा खोलने की तिथि	13/05/2025 प्रात: 11:00 बजे	www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है ।

नोट:- व्यापारियों को सूचित किया जाता है कि ई- निविदा के नियम व शर्तों का पालन करना अनिवार्य है तथा निविदा की समस्त जानकारी www.mptenders.gov.in की वेबसाईट पर प्राप्त की जा सकती है ।

G-11678/25

जेल अधीक्षक
केन्द्रीय जेल रीवा (म०प्र०)

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरूरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

आवश्यकता है

दीपाली टाइल्स को रिसेप्सनिष्ट की योग्यता ग्रेजुएट टैली अनिवार्य वेतन 7000 रूपये प्रतिमाह शाप टाइम सुबह 10 से शांय 7:30 तक संपर्क सूत्र
मो. 9406752516, 8770797938
पता: न्यू बस स्टैण्ड टी.वी.एस. एजेन्सी के बगल में रीवा (म.प्र.)
RN 80567 (19.4)

आशीषाचार्य का आगमन आज

रीवा। सुप्रसिद्ध भागवताचार्य आशीषाचार्य महराज वृंदावनोपासक 18 व 19 को दो दिवसीय रीवा व सतना प्रवास पर आ रहे हैं। यहां वह अपने शिष्यों से मुलाकात करेंगे एवं सेमरिया भमरा में मिश्रा परिवार में शादी समारोह में सम्मिलित होकर आशीर्वाद प्रदान करने के पश्चात रात्रि सतना के लिए अपने निजी वाहन से रवाना होंगे।

कार्यालय अधिष्ठाता बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय शहडोल (म.प्र.)

E-mail – deanshahdol@gmail.com PH:- 07652-243000 Website- www.gmcshahdol.org
क्रमांक/169/ टेंडर/ बी.एम.जी.एम.सी./2025 शहडोल, दिनांक 03/04/2025

बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय शहडोल हेतु वाहन मासिक/ दैनिक किराये पर लिए जाने हेतु निविदा सूचना

बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय शहडोल में वाहन मासिक/दैनिक किराये पर लिए जाने हेतु निविदा MP E-TENDER के माध्यम से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है इच्छुक निविदाकार अंतिम दिनांक 28.04.2025 शाम 4.00 बजे तक MP E-TENDER के माध्यम से आनलाइन ई-निविदा जमा कर सकते हैं।

निविदा के संबंध में अधिक जानकारी एवं अपलोड करने की प्रक्रिया www.mptenders.gov.in पर उपलब्ध है।

G-11672/25

अधिष्ठाता
बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय
शहडोल (म.प्र.)

कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा, जिला-रीवा (म.प्र.)

।। निविदा सूचना।।

क्रमांक-561/ई-टेंडर/फायर शाखा/न.पा.नि./2025 रीवा, दिनांक 15/04/2025

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रर्यकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक एवं जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं emd	निविदा की अंतिम तिथि
1	2025_UAD_417072_1	Fabrication/Installation And Supply Work OF 01 NOS Quick Reaction Eire Vehlck.	18.70 लाख	5000/- 14025/-	16.05.2025 17:30 बजे तक

नोट : निविदा से सम्बंधित किसी भी प्रकार का संशोधन का प्रकरण ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

CHIEF OPERATING OFFICER
MUNICIPAL CORPORATION
REWA (M.P.)

कार्यालय जेल अधीक्षक, केन्द्रीय जेल रीवा (म०प्र०)

प्रथम वार्षिक ई-निविदा आमंत्रण वर्ष 2025-26

केन्द्रीय जेल रीवा में संचालित उद्योग इकाई में लगने वाले कच्चा माल एवं अन्य आवश्यक सामग्री क्रय करने हेतु प्रथम वार्षिक ई-निविदा वर्ष 2025-26 www.mptenders.gov.in पर दिनांक- 08/05/2025 को सांय 05:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदाकार ई- निविदा फार्म एवं ई- निविदा से सम्बंधित संपूर्ण जानकारी वेबसाईट www.mptenders.gov.in से प्राप्त करें। निविदा की कार्यवाही विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	विवरण	दिनांक/ समय	स्थान
1.	प्री- बिड मीटिंग	21/04/2025 प्रात: 11:00 बजे	केन्द्रीय जेल रीवा (म०प्र०)
2.	ई- निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि (निविदा फार्म का मूल्य रुपये 05.00 लाख तक रुपये 500.00 एवं रुपये 05.00 लाख से अधिक रुपये 1000.00 लेखा शीर्ष 0056 जेलें 800 अन्य प्राप्तियों में जमा की जावेगी।)	07/05/2025 सायं 05:00 बजे तक	www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है ।
3.	ई- निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	08/05/2025 सायं 05:00 बजे तक	www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है ।
4.	तकनीकी निविदा एवं आवश्यक दस्तावेज खोलने की अंतिम तिथि	10/05/2025 प्रात: 11:00 बजे	केन्द्रीय जेल रीवा(म०प्र०)
5.	वित्तीय ई- निविदा खोलने की तिथि	13/05/2025 प्रात: 11:00 बजे	www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है ।

नोट:-
1. ई-निविदा संबंधित समस्त कार्यवाही जेल अधीक्षक, केन्द्रीय जेल रीवा (म.प्र.) द्वारा की जावेगी।
2. निविदाकारों को सूचित किया जाता है कि ई-निविदा के नियम व शर्तों का पालन करना अनिवार्य है तथा निविदा की समस्त जानकारी www.mptenders.gov.in की वेबसाईट पर प्राप्त की जा सकती है ।

G-11658/25

जेल अधीक्षक
केन्द्रीय जेल रीवा (म०प्र०)

पीड़ित मानव सेवा के लिये अतुल जैन सम्मानित

रीवा। लायंस क्लब इन्टरनेशनल डि. 3233-सी द्वारा जबलपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ व म.प्र. के कांफ्रेन्स में रीजन चेयरमैन लायन अतुल जैन को पीड़ित मानव सेवा हेतु उत्कृष्ट कार्यों एवं एल.सी.आई.एफ. हेतु विशेष अनुदान के लिये अर्न्तराष्ट्रीय अध्यक्ष लायन फाइबिसिको ओलिविरा द्वारा प्रदत्त अंतर्राष्ट्रीय मेडिल व सेवेन स्टार रीजन चेयरमैन एवं सर्वश्रेष्ठ परिधान पुरुष प्रतिनिधि के सम्मान से सम्मानित किया गया। लायन अतुल जैन 40 वर्षों से समाज सेवा एवं 32 वर्षों से लायंस क्लब के माध्यम से पीड़ित मानव सेवा कार्य करने हेतु माइलस्टोन शेबरान मोनार्च के सम्मान से भी अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा जाना 309 के सम्मान से सम्मानित किया गया एवं पंडित लोकनाथ त्रिपाठी शताब्दी समारोह डियवार सहित कई सामाजिक संस्थाओं द्वार भी सम्मानित किये गये। लायन अतुल जैन ने सम्मान मिलने पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि किसी संस्था या व्यक्ति को मिला सम्मान उसके द्वारा की गई वर्ष भर की सेवा गतिविधियों का लेखा जोखा है, जो सम्मानित हुये व्यक्ति को गौरवान्वित करता है। सम्मान संस्था के प्रत्येक सदस्यों द्वारा किये गये कार्यों की सफलता एवं सफलता है एवं सफलता का श्रेय संस्था के सभी सदस्यों को जाता है। लायन अतुल जैन के सम्मानित होने पर लायन सुमित गुप्ता, लायन यूपी. सिंह, लायन संजय गुप्ता, लायन विनोद पाण्डेय, लायन डी.पी. सिंह परिहार, लायन राजेश गुप्ता, लायन अतुल अग्रवाल, लायन बी. के. थापर, लायन महेन्द्र सर्राफ, लायन पवन गुप्ता को बधाई दी।

श्रेणी में सुधार के लिए छात्रों को मिलेगा एक और अवसर

नई शिक्षा नीति के तहत स्नातक व स्नातकोत्तर के छात्रों को मिलेगी सुविधा

जागरण, रीवा

नई शिक्षा नीति की कमियों को एक-एक कर दूर किया जा रहा है। इसमें कुछ संशोधन भी सामने आए हैं। इसमें एक व्यवस्था विद्यार्थियों की श्रेणी सुधार के लिए रखी गई है। विद्यार्थी अपनी पिछली परीक्षा के रिजल्ट से संतुष्ट नहीं होने पर यूजी और पीजी में दोबारा से परीक्षा देकर श्रेणी में सुधार कर सकेंगे। इसके बाद अंकों की बढ़ोतरी होने पर दोबारा से अंकसूची जारी की जाएगी। यह व्यवस्था आगामी सत्र से शुरू कर दी जाएगी। नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों की शिक्षा को बेहतर बनाने और उनकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए तैयार की गई है। ऐसे ही कुछ तथ्य नीति में संशोधन कर जोड़े गए हैं। इससे विद्यार्थियों की मेरिट में सुधार हो सकेगा। इसके तहत अध्यादेश क्रमांक 14 (ए) और 14 (बी) को जारी किया गया है। अध्यादेश में प्रस्तावित बिंदु पांच में श्रेणी सुधार की व्यवस्था बताई गई है। इसके तहत कोई विद्यार्थी स्नातक (यूजी) के प्रथम वर्ष में किसी कारण पेपर में कुछ अंक कम लाता है और वह दूसरे वर्ष में पहुंच जाता है। वह प्रथम वर्ष के रिजल्ट से संतुष्ट नहीं है और उसे लगता है कि वह उक्त विषय का पेपर दोबारा देकर उसमें और अच्छे अंक हासिल कर सकता है, तो उसे इसके लिए श्रेणी सुधार के लिए विवि में आवेदन करना होगा। विवि से स्वीकृति मिलने के बाद विद्यार्थी द्वितीय वर्ष की परीक्षा के साथ प्रथम वर्ष में श्रेणी सुधार के लिए चयनित पेपर की भी परीक्षा दे सकेगा। इसमें वह बेहतर अंक हासिल कर लेता है, तो उसे द्वितीय वर्ष के साथ प्रथम वर्ष की अंक बढ़ोतरी वाली मार्कशीट दी जाएगी। यह व्यवस्था प्रथम और द्वितीय वर्ष के साथ तृतीय वर्ष तक लागू रहेगी। मतलब विद्यार्थी प्रथम और द्वितीय वर्ष के पेपर चयनित कर तीसरे वर्ष के साथ दे सकेगा। उन्हें अंतिम वर्ष में विवि द्वारा श्रेणी सुधार की अंक सूची दी जाएगी। रिजल्ट में विद्यार्थियों के अंक कम आते हैं, तो उन्हें दोबारा से अंकसूची नहीं दी जाएगी। उनकी पूर्व में जारी की गई अंकसूची ही

अस्तित्व में बनी रहेगी। यही व्यवस्था स्नातकोत्तर (पीजी) के सेमेस्टर प्रणाली में भी लागू रहेगी। अध्यादेश में व्यवस्था को वर्तमान सत्र से लागू करने का निर्णय लिया गया है, लेकिन विवि में उक्त व्यवस्थाएं होती नहीं दिखाई दे रही हैं। इसके कारण यह व्यवस्था आगामी सत्र से लागू हो सकेंगी।

बिना परीक्षण जारी हुए आदेश

विभाग ने नई शिक्षा नीति में सुधार के लिए अध्यादेश समिति का गठन किया था। समिति ने नई शिक्षा नीति का बारीकी से परीक्षण किया और इसमें सुझाव दिए गए। विभागीय अधिकारियों ने सुझाव को हटाकर उन्हें अमल में लाने के लिए सीधे आदेश जारी कर दिए। विगत सितंबर 2024 को जारी किए गए आदेश में स्पष्ट तौर पर लिखा गया है कि समिति द्वारा प्रस्तावित अध्यादेश 14 के मुख्य बिंदु, सुझाव एवं सारणी का विवरण। जबकि आदेश होने की दशा में विभाग को सुझाव को शामिल नहीं करना था। उन्हें आदेश के तहत ही जारी करना था। फिर भी विभाग द्वारा जारी आदेश हास्यपद बना हुआ है। जानकारों का कहना है कि विभाग को दोबारा से आदेश जारी कर सुझाव शब्द को हटाकर सीधे आदेश जारी करना चाहिए।

स्कूलों में नामांकन के मामले में रीवा संभाग प्रदेश में अव्वल, मंत्री ने थपथपाई अधिकारियों की पीठ

वीडियो कान्फ्रेंसिंग में सरकारी स्कूलों के इनरोलमेंट पर शिक्षा मंत्री ने की समीक्षा

जागरण, रीवा। सरकारी स्कूलों में छात्रों को प्रवेश दिलाने के मामले में रीवा संभाग प्रदेश में टॉप पर है। इस उपलब्धि पर प्रदेश के शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों की जमकर तारीफ की। जेडी, डीईओ, डीपीसी की पीठ भी थपथपाई। ज्ञात हो कि इस मर्तबा शैक्षणिक सत्र की शुरुआत 1 अप्रैल से ही हो गई है। सरकारी स्कूलों में प्रवेशोत्सव का आयोजन किया गया। लगातार चार दिनों तक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। अधिकारी से लेकर जनप्रतिनिधि तक विद्यालय पहुंचे। स्कूलों में छात्रों का अधिक से अधिक नामांकन कराने के लिए शिक्षकों को गांव गांव, गली गली दौड़ाया गया। शिक्षक भरी दोपहर छात्रों को स्कूल तक लाने में लगे रहे। अब इसका परिणाम सुखद सामने आया है। शिक्षकों की मेहनत का ही नतीजा है कि प्रदेश में रीवा संभाग के सभी जिले नामांकन के मामले में टॉप 10 में जगह बनाने में सफल रहे हैं। गुरुवार को स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने एनआईसी में सभी शिक्षा विभाग के अधिकारियों की वीसी बुलाई। इस वीडियो कान्फ्रेंसिंग में शिक्षा मंत्री ने रीवा संभाग और कमिश्नर की जमकर तारीफ की। रीवा संभाग में भी सतना जिला नामांकन के मामले में सबसे आगे हैं। सतना जिला शिक्षा अधिकारी टीपी सिंह को भी शिक्षा मंत्री ने बधाई दी। जेडी लोक शिक्षण संचालनालय केपी तिवारी को भी बेहतर कार्य के लिए शुभकामनाएं दी। वीसी में रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली जिला के जिला शिक्षा अधिकारी, डीपीसी, डाइट प्राचार्य, जेडी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यालय नगर पालिक निगम सतना (म.प्र.)

N.I.T क्र 02 (E.T)/ रा.शा / न.पा.नि/2025-26 सतना दिनांक 16.04.2025

//निविदा आमंत्रण सूचना//

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम सतना के क्षेत्रान्तर्गत धवारी आदिम जाति छात्रवास प्रथमतल की निर्मित दुकानों को मासिक किराए पर आबंटन हेतु लम्प-सम्प दर पर ऑनलाइन निविदा बुलायी जा रही है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	एन.आई.टी क्र व दि.	टे.क.	नाम/ स्थान	दुकान क्रमांक	साईज वर्गफिट	निर्धारित न्यूनतम मासिक किराया	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	02 /01 16.04.2025	2025_UAD _417224_1	धवारी आदिम जाति छात्रवास प्रथमतल की निर्मित दुकान	03	173.00	3,006/-	1000/-
2	02 /02 16.04.2025	2025_UAD _417225_1		08	173.00	3,006/-	1000/-

शर्तें :- 1. निविदा प्रपत्र वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर दिनांक 17.04.2025 समय 17:30 से दिनांक 16.05.2025 समय 17:30 बजे तक आनलाइन भुगतान करने पर प्राप्त हो सकेगा। 2. निविदा में संशोधन की सूचना वेबसाईट पर ही प्रकाशित की जावेगी, समाचार पत्र पर संशोधन की सूचना प्रकाशित नही की जावेगी।

सहायक आयुक्त
नगर पालिक निगम सतना म.प्र.

20 हजार विद्यार्थियों के लिए महज दो छात्रावास

किराये की छत तलाशने को मजबूर हैं छात्र

रीवा। छात्रहित का ढिंढोरा पीटने वाले उच्च शिक्षा विभाग ने जिले के छात्र-छात्राओं को छात्रावास की सुविधा से वंचित कर रखा है। विकास की एक लम्बी यात्रा कर चुके विभाग के पास रीवा जिले में मात्र दो छात्रावास है। जिसमें से एक जीडीसी का महिला छात्रावास और एक टीआरएस कॉलेज में है। ज्ञात हो कि जिले के 18 सरकारी कॉलेजों में 20 हजार से अधिक छात्र अध्ययनरत् हैं, जिन्हें विभाग ने छत मुहैया कराने के लिए अभी तक कोई सार्थक प्रयास नहीं किए। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए दूर गांव या दूसरे जिलों से रीवा पहुंचने वाले छात्र-छात्राओं के लिए यहां रहने की कोई सुविधा विभाग ने नहीं दी है। इसके चलते दूर से आने वाले गरीब छात्र-छात्राओं को किराये के मकानों का सहारा लेना पड़ता है, जहां छात्र-छात्राओं की मजबूरी का फायदा भी मकान मालिकों द्वारा उठाया जाता है। यही नहीं, रहने की सुविधा न मिलने के कारण कई हुनरमंद छात्र-छात्रा उच्च शिक्षा से महरूम हो रहे हैं। बता दें कि रीवा जिले में उच्च शिक्षा देने वाले 18 सरकारी कॉलेज विभाग ने स्थापित किये हैं। यानी नियमानुसार प्रत्येक कॉलेज के पास कम से कम एक-एक महिला एवं पुरुष छात्रावास अनिवार्य रूप से होना चाहिए। यह बात और है कि इनमें से कुछ सरकारी कॉलेजों के पास खुद का भवन ही नहीं है, छात्रावास सुविधा तो दूर की बात है।

आजाक विभाग के पास हैं 4 छात्रावास

बताया जाता है कि विभाग द्वारा देय जिले में एकमात्र छात्रावास के अलावा आजाक विभाग के लगभग 4 छात्रावास हैं, जिनमें केवल अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्रों को रहने की सुविधा है। ऐसी स्थिति में पिछड़ा वर्ग और सामान्य वर्ग के छात्र-छात्राओं को पढ़ने के लिए छत की तलाश करनी पड़ती है।

इन कॉलेजों में सर्वाधिक मांग

अधिकाधिक छात्र संख्या वाले कॉलेजों में सर्वप्रथम टीआरएस कॉलेज का नाम शामिल है, जिसमें बाहरी छात्र-छात्राओं की संख्या बहुत है। इसलिए उक्त कॉलेज को महिला एवं पुरुष छात्रावास की आवश्यकता है। ऐसे ही जीडीसी कॉलेज, मॉडल साइंस कॉलेज, न्यू साइंस कॉलेज एवं संस्कृत कॉलेज में विद्यार्थियों की संख्या को देखते हुए छात्रावास की सुविधा विभाग को प्राथमिकता के आधार पर देनी चाहिए।

श्री चित्रगुप्त मंदिर में हुई महाआरती

रीवा। श्री चित्रगुप्त मंदिर तरहटी में गुरुवार को आयोजित साप्ताहिक सामूहिक महाआरती के प्रमुख यजमान यूनियन बैंक ऑफ इंडिया क्षेत्रीय कार्यालय के उप महाप्रबंधक अजय खरे का श्री चित्रगुप्त अखाड़े के महंत डॉ.गोविन्द नारायण चित्रगुप्त ने सम्मान किया। इस अवसर पर प्राचार्य नवनीत खरे, रेंज ऑफिसर डॉ. गौरव सक्सेना, मंदिर के व्यवस्थापक वीरेंद्र श्रीवास्तव, मीरा श्रीवास्तव सहित काफी भक्त उपस्थित रहे।

विज्ञापन संख्या 28 / 2025
भारत सरकार, लोक उद्यम चयन बोर्ड
राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड
में
निदेशक (वित्त)
पद के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।
आवेदकों के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि **29/04/2025 (15:00 बजे तक)** है।
नोडल अधिकारियों द्वारा आवेदनों को लोक उद्यम चयन बोर्ड में अग्रेषित करने की अंतिम तिथि **08/05/2025 (17:00 बजे तक)** है।
जानकारी के लिए वेबसाइट **https://pesb.gov.in** में लॉग इन करें।

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, सतना (म. प्र.) 485334
(मध्य प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित)
NAAC 'A++' ग्रेड विश्वविद्यालय

प्रवेश सूचना : 2025–26 (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप)

विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर, स्नातक एवं डिप्लोमा के नियमित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एम.पी.ऑनलाइन माध्यम से आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं

कृषि संकायः प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेशः– स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमः एम.एस–सी. एजी (कृषि प्रसार, मृदा विज्ञान, सस्य विज्ञान, उद्यानिकी–सब्जी विज्ञान, जैवरसायन)

कला संकाय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमः एम. एस. डब्ल्यू., एम.एफ.ए.(पेंटिंग, एप्लाइड आर्ट, स्कल्पचर), एम.लिब.आई.एससी., एम.ए. (ड्राईग–पेन्टिंग), .एम.ए. (हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, राजनीति विज्ञान, इतिहास (संस्कृति व पुरातत्व), समाजशास्त्र, एप्लाईड–मनोविज्ञान, खेल एवं मनोविज्ञान, योग, एम.पी.ए. (तबला), स्नातक पाठ्यक्रमः बी.लिब.आई.एससी. बी.ए.(मानव चेतना और योग विज्ञान), बी.ए. (बी.ए.आनर्स/रिसर्च), बी.एस.डब्ल्यू., बी.एफ.ए.(पेंटिंग, एप्लाइड आर्ट, स्कल्पचर), बी.पी.ई.एस.(बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट), बी.पी.ए. (बैचलर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट–वोकल एवं तबला); डिप्लोमा/पी.जी. डिप्लोमा– पी.जी. डिप्लोमा. (योगा एण्ड नैचुरोपैथी) डिप्लोमा इन वास्तुशास्त्र, डिप्लोमा इन कर्मकाण्ड, डिप्लोमा इन ज्योतिष

विज्ञान और पर्यावरण संकाय– स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमः एम.एस–सी. (प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रिमोट सेंसिंग एण्ड जीआईएस, पर्यावरण विज्ञान आद्यौगिक रसायन, भौतिकी, एप्लाइड भूविज्ञान, गणित, कम्प्यूटर सांइस), स्नातक पाठ्यक्रमः बी.एस–सी., (बी–एस.सी. आनर्स/रिसर्च), बी.सी.ए., (बी.सी.ए. आनर्स/रिसर्च), बी.एस–सी (एवीएशन सांइन्स), बी.एस–सी. (एरोनॉटिकल सांइन्स), बी.सी.ए. डिप्लोमा/पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमः डी.सी.ए., पी.जी.डी.सी.ए.

ग्रामीण विकास और व्यवसाय प्रबंधन संकाय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमः एम.कॉम., एम.ए. ग्रामीण विकास, एम.बी.ए. (कृषि व्यवसाय प्रबन्धन), एम.बी.ए. (ग्रामीण प्रबन्धन),एम.बी.ए. (लघु व्यवसाय प्रबन्धन), स्नातक पाठ्यक्रमः बी.बी.ए. (बी.बी.ए. आनर्स/रिसर्च), बी.बी.ए. (बी.बी.ए. आनर्स/रिसर्च–एवीएशन एण्ड हास्पीटेलिटी), (बी.बी.ए. आनर्स/रिसर्च– एवीएशन मैनेजमेन्ट), (बी.बी.ए. आनर्स/रिसर्च–एअरपोर्ट मैनेजमेन्ट), बी.कॉम. (बी.कॉम. आनर्स/रिसर्च), बी.कॉम. (बी.आइ.एफ.ए.), पी.जी. डिप्लोमाः– पी.जी.डी.एम.– एल.एस.सी.एम. (लोजेस्टिक एण्ड सप्लाई चैन मैनेजमेन्ट, डिजिटल बैंकिग, ई.एक्स.आई.एम. (एक्सपोर्ट एण्ड इम्पोर्ट मैनेजमेन्ट), टी.एच.एम. (टूरिज्म एण्ड हास्पिटलिटी मैनेजमेन्ट), आई.आर.एम. (इन्सोरेन्स एण्ड रिस्क मैनजमेन्ट),

अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकायः– स्नातक पाठ्यक्रमः बी. टेक. (फूड टेक्नोलॉजी, एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग, इन्फॉरमेशन टेक्नोलोजी, सिविल इंजीनियरिंग), बी. टेक. लैटरल इण्ट्री (थर्ड सेमेस्टर में– फूड टेक्नोलॉजी, एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग, इन्फॉरमेशन टेक्नोलोजी, सिविल इंजीनियरिंग) डिप्लोमा : डिप्लोमा इन केबिन क्रू, डिप्लोमा इन एअर पोर्ट ग्राउन्ड आपरेशन, डिप्लोमा इन ड्रोन आपरेशन,

दीन दयाल उपाध्याय कौशल केंद्र–स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमः एम.वोक. (कृषि संचालन और प्रबंधन, खाद्य प्रसंस्करण और प्रौद्योगिकी) स्नातक पाठ्यक्रमः बी.वोक. (खाद्य प्रसंस्करण और प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा और सूचना प्रौद्योगिकी)

➢ राज्य/केंद्र स्तरीय निकाय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश– बी.टेक. (सूचना प्रौद्योगिकी, खाद्य प्रौद्योगिकी, सिविल इंजीनियरिंग, कृषि इंजीनियरिंग), एम.बी.ए. (कृषि व्यवसाय प्रबंधन, ग्रामीण प्रबंधन, लघु व्यवसाय प्रबंधन), बी.एड., एम.एड., बी.एल.एड., बी..एस–सी. (कृषि) आनर्स
➢ एन.टी.ए. के माध्यम से प्रवेशः– बी.ए.बी.एड., बी.एस.सी.बी.एड. बी.कॉम.बी.एड.

नोट–उपरोक्त सभी व्यावसायिक पाठ्यकमों में प्रवेश केन्द्रीय/राज्य स्तर के प्रवेश निकाय के माध्यम से किया जाता है। रिक्त सीटों को स्थानीय परामर्श द्वारा भरा जायेगा। बी.टेक. एवं एम.बी.ए. पाठ्यकमों की रिक्त सीटों में प्रवेश हेतु एम.पी. ऑन लाइन माध्यम से पंजीयन जारी रहेगा।

महत्वपूर्ण तिथियां एवं आवेदन शुल्क

• ऑनलाइन पंजीयन एवं आवेदन पत्र की लिंक ओपन की उपलब्धता	–17 अप्रैल, 2025
• आवेदन फार्म जमा करने की अंतिम तिथि	–25 जून, 2025
• सामान्य/ओबीसी अभ्यर्थियों के लिए आवेदन/पंजीकरण शुल्क	–रु 600.00
• मध्यप्रदेश के एससी/एसटी और सभी महिला अभ्यर्थियों के लिए आवेदन/पंजीकरण शुल्क	–रु 300.00
• एम.पी. आनलाइन पोर्टल शुल्क	–रु. 150.00

प्रवेश परीक्षा : एम.एस.सी.(कृषि) प्रवेश परीक्षा केंद्र : विश्वविद्यालय परिसर , दिनांक – 30 जुलाई 2025

निर्देश
- उम्मीदवार एमपी ऑनलाइन कियोस्क के माध्यम से या इंटरनेट का उपयोग करके एमपी ऑनलाइन पोर्टल https://mgcgv.mponline.gov.in के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।
- विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए निर्देश पात्रता , शुल्क आदि विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं (web: www.gramodayachitrakoot.ac.in)
- स्नातकोत्तर में प्रवेश All India Common Entrance Test (CUET) 2025 एवं विश्वविद्यालय में प्रचलित प्रवेश प्रकिया के माध्यम से भी किया जायेगा।
- अन्य जानकारी के लिए छात्र निम्नलिखित नंबर पर संपर्क कर सकते हैं 07670–265394, 9695574093

कुलसचिव

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

जाति जनगणना की लीक हुई रिपोर्ट पर उठ रहे सवाल

कर्नाटक में जाति जनगणना की लीक हुई रिपोर्ट ने राज्य की राजनीति में तूफान ला दिया है। ओबीसी आरक्षण बढ़ाने के प्रस्ताव और लिंगायत-वोक्कालिगा समुदायों की जनसंख्या के आंकड़ों पर विवाद के कारण सियासी समीकरण बदलने की आशंका है। इस रिपोर्ट के तथ्यों पर उठाए जा रहे सवालों को छोड़ दें, तो भी राज्य की कांग्रेस सरकार के लिए इसे स्वीकार करना आसान नहीं होगा। इससे सियासी और सामाजिक समीकरण पूरी तरह बदल जाएंगे, जिसका असर देश के बाकी राज्यों पर भी पड़ेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, कर्नाटक में अन्य पिछड़ा वर्ग की आबादी अनुमान से ज्यादा है। ओबीसी के लिए आरक्षण को 32 फीसद से बढ़ाकर 51फीसद और मुस्लिम समुदाय के लिए 4 फीसद से 8 फीसद करने की सिफारिश की गई है। लेकिन, सबसे ज्यादा विरोध हो रहा है लिंगायत और वोक्कालिगा समुदायों की ओर से, जिनकी जनसंख्या अनुमान से कम बताई जा रही है। कर्नाटक की राजनीति में ये दोनों जातियां बेहद प्रभावी हैं।

सामाजिक रूप से भी दोनों का खासा प्रभाव है।

कांग्रेस के सामने मुश्किल यह है कि वह जाति जनगणना का समर्थन करती रही है। राहुल गांधी कई मौकों पर कह चुके हैं कि जिसकी जितनी आबादी है, उसकी उतनी ही हिस्सेदारी होनी चाहिए। लेकिन, इस पर कांग्रेस के भीतर से ही विरोध के सुर उठ रहे हैं।

यह ऐसा मुद्दा है, जिसने जातीय आधार पर नेताओं की गोलबंदी कर दी है। वोक्कालिगा समुदाय से आने वाले डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने अपने धड़े के विधायकों के साथ मुलाकात की है ताकि कैबिनेट मीटिंग में सही ढंग से पक्ष रखा जा सके।

> **कर्नाटक में जाति जनगणना की लीक हुई रिपोर्ट ने राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है, जिससे कांग्रेस सरकार के लिए इसे स्वीकार करना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में सीएम सिद्धारमैया के सामने बहुत सारे सवाल होंगे।**

सिद्धारमैया और कांग्रेस के सामने अपनों को मनाने की ही नहीं, रिपोर्ट को विश्वसनीय दिखाने की भी चुनौती है। आरोप लग रहे हैं कि रिपोर्ट को वैज्ञानिक तरीके से नहीं तैयार किया गया है। कांग्रेस के ही एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि सर्वे टीम उनके घर नहीं पहुंची तो फिर रिपोर्ट कैसे तैयार की गई? यह भी कहा जा रहा है कि कई उपजातियों ने आरक्षण का फायदा लेने के लिए खुद को अलग कैटेगरी में दर्ज करा दिया। ये दोनों ही बिंदु गंभीर हैं और सरकार को इन्हें जरूर देखना चाहिए।

रिपोर्ट के आधार पर कर्नाटक में कुल आरक्षण करीब 75 फीसद तक हो जाएगा, सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित 50 फीसद की सीमा से कहीं अधिक। यानी, कानूनी अड़चन भी आ सकती है। ऐसे में कांग्रेस सरकार की राह बहुत मुश्किल होने वाली है।

प्रसंगवश

राजनीतिक रूप से संवेदनशील हो रहा हेराल्ड मामला

यहां से राजनीति नई करवट ले सकती है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 'नेशनल हेराल्ड' अखबार और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) मामले में जो आरोप-पत्र अदालत में दाखिल किया है, उसमें सोनिया गांधी को पहला और राहुल गांधी को दूसरा आरोपी बनाया गया है। गांधी परिवार के खिलाफ यह पहला आरोप-पत्र है। मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीज दोनों दिवंगत नेता हैं, फिर भी ईडी ने उन्हें आरोपी बनाया है। कांग्रेस ने इस कार्रवाई के खिलाफ देश भर में विरोध-प्रदर्शन शुरू किए हैं। धनशोधन कानून के मुताबिक, गांधी परिवार के नेताओं पर सजा की तलवार लटकी है, लेकिन दोनों नेता दिसंबर, 2015 से जमानत पर हैं। वह निर्णय भी विशेष अदालत का था। जब तक अदालत नया गिरफ्तारी वारंट जारी नहीं करती, तब तक जमानत पर तत्काल संकट नहीं है। इसके अलावा, ईडी जुलाई, 2022 में लगातार तीन दिनों में 11 घंटे सोनिया गांधी और लगातार 5 दिनों में करीब 50 घंटे तक राहुल गांधी से सघन पूछताछ कर चुका है, लिहाजा आरोप-पत्र दाखिल करने और अदालत के संज्ञान लेने के बाद गांधी नेताओं की गिरफ्तारी संभव और प्रासंगिक नहीं लगती। अलबत्ता आरोप-पत्र में 'अपराध से अर्जित आय' 988 करोड़ रुपए मानी गई है।

संबद्ध संपत्तियों का बाजार मूल्य करीब 5000 करोड़ रुपए आंका गया है। आरोप एजेएल की 2000 करोड़ रुपए की संपत्तियों पर कब्जे के लिए उसका अधिग्रहण, निजी कंपनी 'यंग इंडियन' के जरिए, मात्र 50 लाख रुपए में किए जाने का भी है। ईडी ने पीएमएलए की धारा 4 के तहत सजा भी मांगी है। इसमें 7 साल तक की जेल का प्रावधान है। बहरहाल इस मामले के तमाम ब्यौरे देश के सामने हैं। सवाल है कि करीब 13 साल के बाद एक आरोप-पत्र दाखिल क्यों किया गया? सघन पूछताछ के भी तीन साल गुजर चुके हैं, लिहाजा ऐसे अतिविशिष्ट मामले में जांच एजेंसियां इतनी लेट-लतीफी क्यों करती हैं? दरअसल कुछ सवाल ईडी की जांच की विश्वसनीयता और उसकी सजा-दर पर भी किए जा सकते हैं। करीब 96 फीसदी मामले विपक्षी नेताओं के ही खिलाफ क्यों दर्ज किए जाते हैं? गौरतलब यह है कि अशोक चव्हाण, नारायण राणे (दोनों महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री) सहित अजित पवार, प्रफुल्ल पटेल, हिमंता बिस्व सरमा, सुवेन्दु अधिकारी, नवीन जिन्दल सरीखे नेताओं की लंबी फेहरिस्त है, जो कभी गैर-भाजपा दलों में रहे और विभिन्न घोटालों में आरोपित हुए, लेकिन आज वे 'भाजपाई' हैं, लिहाजा तमाम आरोपों और जांच से मुक्त हैं। यह ईडी जैसी प्रमुख आर्थिक जांच एजेंसी की स्वायत्तता पर 'काला सवाल' है।

> **धनशोधन कानून के मुताबिक, गांधी परिवार के नेताओं पर सजा की तलवार लटकी है, दोनों नेता दिसंबर, 2015 से जमानत पर हैं। जब तक अदालत नया गिरफ्तारी वारंट जारी नहीं करती, तब तक जमानत पर तत्काल संकट नहीं है।**

विचारों का जन्म...

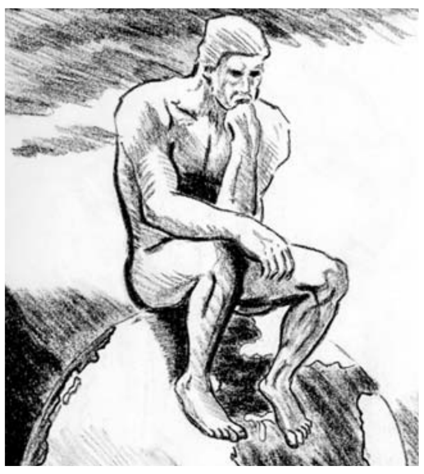

बड़ी विनम्रता और शालीनता के साथ मैं सब गुरुजनों से... सब प्रबुद्ध जनों से सविनय पूछना चाहता हूँ कि.... दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण... सबसे सशक्त वह कौन सा 'मंत्र' है... जिसे बिना वर्ण भेद के... जाति भेद के... राष्ट्र भेद के... सारे संसार की मानव जाति एक समान ग्रहण कर सकती है...

मैं यह बात इसलिए सभी ज्ञानीजनों से... गुरुजनों से.... सुधीजनों से... प्रबुद्धजनों से... पूछना और समझना चाहता हूँ कि... कहीं मेरी दृष्टि में कोई भ्रम न हो... मेरे ज्ञान में कहीं कोई चूक न हो... क्योंकि मेरी दृष्टि में विश्व का सबसे शक्तिशाली सर्वश्रेष्ठ मंत्र है... 'विचार'... इसी विचार से जन्म लेते हैं... दुनिया भर के तमाम मंत्र और मज़हब... भले ही उनकी जातीयता और राष्ट्रीयता कुछ भी हो ...

मेरी दृष्टि में जब-जब अवतार इस धरती पर जन्म लेते हैं... तब- तब कोई महान 'विचार' ही अवतार बनकर जन्म लेते हैं... अवतार के रूप में मनुष्य का शरीर तो नगण्य है... महत्वपूर्ण तो अवतार के रूप में वह 'विचार' हैं... जो अवतारी पुरुष के शरीर से प्रगट होते हैं... वास्तव में तो 'ईश्वर' किसी 'विचार' को ही... अवतार बना कर जन्म देता है... और... उसके निमित्त... किस मनुष्य का विशेष शरीर ईश्वर द्वारा बनाया जाता है...

मेरी दृष्टि में जब प्रभु श्री 'राम' का अवतार हुआ तो... वह अवतार सिर्फ 'रामावतार' ही नहीं बल्कि मर्यादा का... सत्य का... 'शौर्य' के विचारों का अवतार हुआ था... जब 'कृष्ण' का अवतार हुआ तो... प्रेम का अवतार हुआ... अहंकार की समाप्ति का अवतार हुआ... अर्थहीन प्रतिज्ञाओं के अन्त का अवतार हुआ... कर्म की व्याख्या का... आत्मा के दर्शन का ... जीवन-मृत्यु बंधनों से मुक्त हो मोक्ष प्राप्ति के निमित्त गीता के ज्ञान जैसे महान विचारों का अवतार हुआ...

अगर विचार न हों... कर्म न हों... और सिर्फ नाम का ही महत्व हो तो... लाखों करोड़ों भारतीय 'राम' और 'कृष्ण' का नाम माता-पिता से लिए हुए सड़कों पर घूम रहे हैं... पर न तो उनमें शील है... न सत्य है... न मर्यादा है... न ही हैं उनमें राम और कृष्ण जैसे उन्नत विचार...

ठीक इसके विपरीत अगर प्रभु श्री 'राम' का नाम... उनके 'गुरु वशिष्ठ 'राम' के अतिरिक्त कुछ और रख देते... परन्तु 'विचार' और गुण उस शरीर में प्रभु 'श्री राम' के जैसे ही मर्यादित... सत्य और शौर्यवान होते तो क्या... संसार उस नाम की भी पूजा... भगवान 'श्री राम' की ही भाँति नहीं करता...?

महत्वपूर्ण 'नाम' और 'शरीर' नहीं... महत्वपूर्ण 'विचार' होते हैं... जो शरीर को ढालते हैं अपने अनुरूप और देते हैं उस नाम को तेजस्विता ... ओजस्विता... तथा अमर कीर्ति... जो नाम उन विचारों को धारण करने वाले शरीर को मिला होता है ... कीर्ति उसी की अमर होती है... जिसके विचारों में बुलन्दी होती है... सत्य होता है... प्रेम होता है... मर्यादा होती है... मानवता होती है...

विचारों के कुछ ऐसे
महामंत्र हैं
जो सीधे-सीधे कहे नहीं जा सकते
यह कहे भी जावें तो
समझे नहीं जा सकते
या समझे भी जावें तो
उनमें निहित काव्य खो जाता है
और काव्य ही विचारों की आत्मा होता है....

जब 'बुद्ध' इस विश्व में अवतरित हुए तो... 'विचारों' की करुणा उनके रूप में प्रगटी... जब 'महावीर' उत्पन्न हुए तो... अहिंसा के 'विचारों' ने जन्म लिया प्रभु महावीर के रूप में... अगर 'विचारों' का जन्म पीड़ा के रूप में बाल्मीकि और वियोग के रूप में 'तुलसी' बनकर न जन्मा होता तो... फिर भला कहाँ लिखी गई होती प्रभु श्री राम की अमर कीर्ति की काव्य गाथाएं 'रामायण' और 'रामचरित मानस' के रूप में...

अगर 'मीरा' के रूप में 'चिर वियोगिन' भक्ति के 'विचार' न जन्मे होते... तो कौन बताता संसार को भक्ति और वियोग का निश्छल संगम... अगर अंध विश्वासों पर प्रहार करने वाले विचार 'कबीर' के रूप में न जन्म लेते तो... हिन्दुओं और मुसलमानों के सोये हुए जमीर को कौन झकझोरता... कौन तोड़ता उनके अंध विश्वासों को... अगर 'गाँधी' के रूप में 'अहिंसा से स्वराज' के विचार न जन्मते तो... कौन दिलाता आजादी इस हिन्दुस्तान को ... बिना किसी बड़े खून खराबे के... यदि 'डॉ. अंबेडकर' के रूप में दलितों-पिछड़ों के संरक्षण के 'विचार' न जन्मते तो... कौन सा संविधान पनाह देता देश के करोड़ों पिछड़ों को... अगर 'डॉ. हेडगेवार' के रूप में गैर राजनैतिक संगठनों से भारत राष्ट्र सेवा के 'विचार' न जन्मते तो कहाँ से खड़ी होती इतनी बड़ी जमात बिना राजनीति की कालिख में डूबे... देश सेवा करने वाले स्वयंसेवकों की ...

करना होगा समय के साथ समझौता
व्यर्थ है
परम्पराओं की दुहाई
छोड़ना होगा दुराग्रह
करना होगा नए संविधान पर हस्ताक्षर...
जिसमें दी गई है
व्यक्ति को विचारों की स्वतंत्रता
पर नहीं थोप सकता वह
किसी अन्य पर अपने विचार
एकता में अनेकता
सृष्टि का मूलाधार....

मैं पूछना चाहता हूँ कि... यदि इन सभी अवतारों व महापुरुषों को... इनके माता-पिता और गुरुजनों ने... इनके वर्तमान नाम से हटकर कुछ और अलग-अलग नाम इन्हें दे दिये होते... बजाय उन प्रसिद्ध नामों के... जिनसे हम उन्हें जानते हैं... तो क्या... इन महापुरुषों को उनके विचारों और विचारों से जनित कर्मों के कारण कुछ कम आदर और श्रद्धा मिलती...? नहीं ना...! आदर आदमी के नाम का नहीं... बल्कि... उसके विचारों और उन विचारों से जन्मे कर्मों का होता है...

संसार भर की सारी शक्ति... दुनिया भर के तमाम मंत्रों की ताकत... सारी सद्इच्छाएँ... मनुष्य के नाम में नहीं... उसके विचारों में निहित हैं ... 'ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सम्मति दे भगवान'... सम्मति सदा विचारों से आती है... सम्मति आ गई तो फिर इससे कोई फर्क नहीं पड़ता... कि उस अनंत को आप ईश्वर कहो... या... फिर कहो उसे अल्लाह...

मनुष्य को जीवन में कभी निराश नहीं होना चाहिए... उसे अपने जीवन में आयी हर निराशा को... अपने विचारों की ताकत से काट देना चाहिये...

नर हो न निराश करो मन को
जग में रह कर कुछ काम करो
यह जन्म हुआ है किस लिए
जग में रह कर कुछ नाम करो....

कभी यह मत सोचो कि... तुम्हें ईश्वर ने हीन बनाया... साधन हीन या श्री हीन बनाया है... बल्कि ईश्वर ने तो तुम्हें दुनिया की सबसे बड़ी ताकत... 'विचारों की ताकत' दी है... जरूरत है तो उन विचारों की श्रेष्ठता अपने अंदर जगा कर... पुरुषार्थ की ताकत पैदा करने की ...

तुम मानव हो... बुद्धि के पुंज हो... निराश मत हो अपने को संभालो...

हर मनुष्य को 'ईश्वर' ने कुछ न कुछ अच्छा कर्म करने के ही लिए अपनी बनाई इस दुनिया में जन्म दिया है... दुनिया में जन्मा हर व्यक्ति महान पुरुष बन सकता है... यदि वह अपने अंतर्मन में सोई हुई विचारों की शक्ति को जगा ले तो वह भी अपना नाम भी अमर कर सकता है... विचारों की सबसे बड़ी शक्ति है... जहाँ से एक 'विचार' खत्म हो... वहाँ से... दूसरा... उससे भी श्रेष्ठ 'विचार' उत्पन्न कर लेना... जहाँ से एक 'शब्द' समाप्त हो... वहाँ से नवीन शब्द खड़ा कर देना... सद्-विचार मनुष्य की शक्ति को कभी क्षीण नहीं होने देते... हमेशा मानवीय जीवन को गति देते रहते हैं... यही है विचारों की श्रेष्ठता ...

अपूर्व आनंद है... विचारों में
अलौकिक होती है अनुभूति विचारों में
सदा से बंद देवलोक के कपाट
खुल जाते हैं विचारों से ....
युगों से छाए बुद्धि के अंधकार को
विचारों का सूर्य प्रकाशित कर देता है
सुषुम्ना में सुसुप्त चैतन्यता की कली
फूल बन खिल उठती है.....
प्राणों की अंतर वीणा का
अनहद नाद बज उठता है
फिर नृत्य करती है, श्वांस -प्रति-श्वांस
और गीत गाता है, तन का अणु-अणु....
प्रभु ने तुम्हें दिए विचार
उसकी अनुकम्पा अपरम्पार...

इस 'विचार-चक्र' के माध्यम से मैं जगाना चाहता हूँ... विचारों की ज्योति... विचारों की क्रॉंति... विचारों की साधना... विचारों की ज्वाला... विचारों की तपस्या... अपने हर पढ़ने वाले पाठक के मनो-मस्तिष्क में... तपस्या एक जन्म में नहीं होती... वह चिरन्तर है ... पुरातन है... जन्म-जन्मान्तरों की संगिनी है....

अपने पूर्वजों की तपस्या से उपजे हमारे सनातन भारतीय संस्कारों के बीजों को हमें... पाश्चात्य संस्कृति के हाथों बेच नहीं देना चाहिये... अपितु अपने वर्तमान जीवन में हमें सतत् वैचारिक तपस्या करके... उसे और अधिक समृद्ध तथा शक्तिशाली करना चाहिये ... तभी हमारे पूर्व जन्मों के संग्रहित विचारों की... तेजस्वनी तपस्या वर्तमान जीवन में फलित होगी ...

महाकवि कालीदास की पंक्तियाँ हैं- **'क्लेशः फलेन हि पुनर्नवतां विधत्ते'**... अर्थात् तपस्या जिसका स्वभाव हो जाये... उस मानव के अंतर से ... नयी-नयी खोजें आविष्कृत होती हैं...

प्रभु ने हमें जन्म ही विचार करने के लिये दिया है... कोई भी आदमी... कभी भी... कैसे भी... दीन-हीन या कमजोर नहीं हो सकता... जब तक उसके पास विचारों की पवित्र चिदग्नि है... विचार ही परमात्मा का सबसे बड़ा वरदान है हम मनुष्यों को... विचारों में तो इतनी शक्ति और तेज है कि विचारों से ही देवी- देवताओं तक का जन्म होता है... आद्यशक्ति परमेश्वरी पराम्बिका माँ भगवती को देवी भागवत 'चिदग्नि कुण्ड सम्भूताये' उद्बोधित कर वन्दन करती है... अर्थात मानस में विचारों के अग्नि रूपी कुण्ड (मस्तिष्क) से जो प्रगट हुई है... वह है आद्यदेवी पराम्बिका... परमेश्वरी...

(श्री मदनमोहन के लेखों, पुस्तकों, कविताओं की बेवसाइट)
https://adhyatmsanatandharma.com

अनसुलझी कड़ियों से कई जवाब मिलने की उम्मीद

आतंकवादी से पूछताछ

मुंबई में 26 नवंबर, 2008 को हुए आतंकवादी हमले में वांछित तहव्वुर हुसैन राणा आखिरकार भारत पहुंच ही गया है, जहां उससे इन दिनों सघन पूछताछ चल रही है। वैसे तो, राणा के दिल्ली पहुंचने का मार्ग फरवरी में ही खुल गया था, जब प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने उसके प्रत्यर्पण की घोषणा की थी। इस हमले में 18 सुरक्षाकर्मियों सहित 166 लोग मारे गए थे और 300 से अधिक घायल हुए थे। दरअसल, इस आतंकवादी हमले के तुरंत बाद की कहानी में कई कड़ियां गायब थीं। ऐसा समझा जा रहा है कि राणा से पूछताछ में मिली जानकारियों से ये कड़ियां जुड़ सकेंगी।

उदाहरण के लिए, 23 फरवरी, 2009 को काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस में अमेरिकी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के तत्कालीन निदेशक रॉबर्ट एस मुलर के लंबे संबोधन में हमले के तुरंत बाद अमेरिका द्वारा दिए गए सहयोग का विवरण तो सामने आया, लेकिन इसमें पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय साजिश पर कोई चर्चा नहीं हुई। इस साजिश का खुलासा बहुत बाद में प्रोपब्लिका के सेबेस्टियन रोटेला और अमेरिकी विश्वविद्यालय के स्टीफन टैंकेल ने अमेरिकी अदालत में राणा और डेविड कोलमैन हेडली पर मुकदमे के दौरान किया। दूसरे, 9/11 के बाद गठित आतंकवादी हमलों पर राष्ट्रीय आयोग के विपरीत, 26/11 के बाद दिवंगत राम प्रधान की अध्यक्षता में महाराष्ट्र सरकार द्वारा गठित उच्च स्तरीय दो सदस्यीय समिति को आतंकवादी हमले की जांच करने का अधिकार नहीं था। समिति को केवल इस बात की व्यवस्थागत जांच करनी थी कि पुलिस हमले से सफलतापूर्वक क्यों नहीं निपट सकी। दिलचस्प बात तो यह है कि इस तरह के खूंखार हमले-जिसे कत्लेआम कहना ज्यादा मुनासिब होगा-की जांच महज राज्य पुलिस के जिम्मे छोड़ दी गई। पता नहीं केंद्र में उस वक्त बैठे हुक्मरानों की इस बात के पीछे क्या मंशा रही होगी!

> **आखिर एफबीआई 26/11 हमलों के पीछे पाकिस्तान की साजिश को स्वीकारने से क्यों बचती रही? इतने खूंखार हमले की जांच राज्य सरकार के जिम्मे क्यों सौंपी गई? नियोजित हमले का नरीमन हाउस जैसी जगह से क्या संबंध है? तहव्वुर राणा से पूछताछ में साजिश की ऐसी ही कई अनसुलझी कड़ियों के जवाब मिलने की उम्मीद है।**

रवींद्र दुबे

हालांकि, 1993 और 1994 में अमेरिकी वार्ताकारों के साथ आतंकवाद पर भारतीय खुफिया टीमों ने वार्षिक चर्चा की थी, लेकिन इन हमलों के बारे में कुछ और जानने के लिए भारत के विदेशी संपर्कों का उपयोग करने के लिए 26/11 समिति को कोई मंजूरी नहीं दी गई थी। इसे मुंबई पुलिस पर छोड़ दिया गया था, जिसके पास अपने निष्कर्षों तक पहुंचने के लिए कोई विदेशी संपर्क नहीं थे। इस उच्च स्तरीय समिति के दोनों सदस्य इस बात पर हक्के-बक्के रह गए कि कैसे 'नरीमन हाउस' के नाम से जानी जाने वाली एक नामालूम-सी जगह को 26/11 की रात को हथियारों से लैस आतंकवादियों ने पहले निशाने के रूप में चुना था। स्थानीय कोलाबा पुलिस से पूछताछ करने पर पता चला कि यह एक ऐसी जगह थी, जहां अज्ञात विदेशी, ज्यादातर इस्राइल के हीरा व्यापारी, एक ऐसे रेबाई (यहूदी) के घर ठहरते थे, जिसे बहुत कम लोग जानते थे। फिर, उक्त समिति के दोनों सदस्यों ने विदेशियों के पंजीकरण के प्रभारी उपायुक्त स्तर के एक वरिष्ठ अधिकारी से पूछताछ की, जिन्होंने उन्हें बताया कि स्थानीय इस्राइली वाणिज्य दूतावास ने भी नरीमन हाउस (चबाड हाउस) को अपनी सूची में शामिल करने के लिए प्राथमिकता वाले आतंकी लक्ष्य के रूप में नहीं माना था।

॥गीता॥

श्लोक : यदा संहरते चायं कूर्मोऽ ङ्गनीव सर्वशः।
इन्द्रियाणीन्द्रियार्थेभ्यस्तस्य प्रज्ञा प्रतिष्ठिता॥

भावार्थ : कछुवा अपने अंगों को जैसे समेट लेता है। वैसे ही यह पुरुष जब सब ओर से अपनी इन्द्रियों को इन्द्रियों के विषयों से परावृत्त कर लेता है, तब उसकी बुद्धि स्थिर होती है।

जीवन दर्शन

सर्वात्मभाव है अहंकार से मुक्त होने का रहस्य

क्या कोई ऐसा दृष्टिकोण हो सकता है जिससे हम हर व्यक्ति में स्वयं को देख सकें? क्या यह संभव है कि किसी अपरिचित की पीड़ा हमें अपनी सी लगे? किसी पशु का भय, किसी वृक्ष की सूखी शाखा, किसी नदी का सूखना- क्या ये सब हमारे भीतर कुछ अनुभव करा सकते हैं? सर्वात्मभाव का बीज श्रद्धा में है, इसका पुष्प करुणा है और इसका फल शांति है।

बहुत समय पहले की बात है। एक घने वन में एक अद्वितीय स्वर्ण हिरण रहता था, जिसका नाम रुरु था। उसकी कांति स्वर्ण के समान थी और उसका हृदय करुणा से परिपूर्ण। एक दिन, एक मनुष्य नदी में डूब रहा था। रुरु ने उसे देखा और बिना किसी भय के, अपनी जान की परवाह किए बिना, उसे बचाया। उस व्यक्ति ने रुरु से वादा किया कि वह उसकी उपस्थिति किसी को नहीं बताएगा।

किन्तु कुछ समय बाद, उस व्यक्ति ने लोभवश राजा को रुरु की जानकारी दे दी, यह सोचकर कि वह इनाम प्राप्त करेगा। राजा ने रुरु को पकड़ने के लिए सैनिक भेजे। जब रुरु को यह

ज्ञात हुआ तो वह स्वयं राजा के पास गया और पूरी घटना सुनाई। राजा उसकी करुणा और सत्यनिष्ठा से प्रभावित हुआ और उस व्यक्ति को दंडित करने का आदेश दिया। परंतु रुरु ने राजा से उस व्यक्ति को क्षमा करने की प्रार्थना की। राजा ने रुरु की बात मानी और उस व्यक्ति को क्षमा कर दिया।

यो मां पश्यति सर्वत्र सर्वं च मयि पश्यति।
तस्याहं न प्रणश्यामि स च मे न प्रणश्यति।। (भगवद्गीता 6.30)

अर्थात, जिसने मुझे हर जगह देखा और हर वस्तु को मुझमें देखा- उसके लिए मैं कभी विलीन नहीं होता और वह मुझसे कभी दूर नहीं होता। यह श्लोक सर्वात्मभाव का मूल है। सर्वात्मभाव का अर्थ है समस्त सृष्टि को अपने आत्म का ही प्रतिबिंब देखना। यह उस अद्वितीय अनुभव का संकेत है, जहां आत्मा की सीमित पहचान समाप्त हो जाती है और हम सबको एक ही चेतना के रूप में महसूस करते हैं। इसे आज भी हम अपनी जीवन के विभिन्न क्षणों में अनुभव कर सकते हैं। कल्पना करें, जब एक मां अपने शिशु की पीड़ा में बेचैन हो जाती है, जब एक डॉक्टर अपने रोगी के दर्द को अपने शरीर में महसूस करता है, जब एक साधक ध्यान में डूबकर श्वासों की गहरी गति से पूरी सृष्टि की धड़कन सुनने लगता है- तब वह सच्चे अर्थों में सर्वात्मभाव का अनुभव करता है।

संक्षिप्त खबरें

सीबीआई जांच हो चुकी, फिर भी इन्वेस्टिगेशन का स्वागतः दिग्विजय

विसं, भोपाल। राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा है कि भाजपा सरकार के शासनकाल में सरला मिश्रा मामले की सीबीआई जांच हो चुकी है। फिर भी इन्वेस्टिगेशन होगी, तो उसका स्वागत है, इसमें किसी भी तरह की कोई दिक्कत नहीं है। बहुचर्चित सरला मिश्रा मामले की फिर से जांच के आदेश के बाद प्रदेश की सियासत ने करवट बदलनी शुरू कर दी है। इस मामले में गुरुवार को पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने नए सिरे से जांच का स्वागत किया है। हालांकि पूर्व विधायक शैलेन्द्र पटेल ने कहा कि भाजपा की सरकार कांग्रेस नेताओं पर दुर्भावना पूर्वक दवाब बना रही है। इस तरह के जितने भी पुराने मामले हैं, जिसमें पहले जांच हो चुकी है, उन्हें फिर से निकाला जा रहा है। लेकिन कांग्रेसी इससे डरने वाले नहीं है।

मप्र राजपत्रित अधिकारी संघ के जिला सचिव बने गोयल

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ ने भोपाल जिला सचिव के पद पर होशियार सिंह (एचएस) गोयल की नियुक्ति की है। गुरुवार को जारी आदेश के अनुसार आबकारी विभाग के संभागीय उड़नदस्ता में तैनात सहायक जिला आबकारी अधिकारी और वर्तमान में जिला आबकारी नियंत्रक गोयल को तत्काल प्रभाव से अपनी नई जिम्मेदारी संभालने को कहा गया है। प्रांताध्यक्ष इंजीनियर डीके यादव समेत संघ के अन्य पदाधिकारियों ने एचएस गोयल को इस नियुक्ति पर बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की है।

केन्द्रीय मंत्री आज भोपाल में कार्यशाला का करेंगे शुभारंभ

विसं भोपाल। केन्द्रीय वन केन्द्रीय वन-पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव शुक्रवार को भोपाल प्रवास पर रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के साथ केन्द्रीय मंत्री दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ करेंगे। मध्यप्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में वन पुनर्स्थापन, जलवायु परिवर्तन और समुदाय-आधारित आजीविका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर होने वाली इस कार्यशाला में कई विषय विशेषज्ञ मौजूद रहेंगे।नरोन्हा प्रशासन अकादमी, भोपाल में आयोजित होने वाली कार्यशाला में विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों में वनों की भूमिका पर मंथन होगा। कार्यशाला में प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, डॉ. राहुल मूँगीकर बैंगलुरू के प्रो. रमेश विशेषज्ञ वक्तव्य भी देंगे।

सीआरपीएफ के रहते शांति का भरोसा पक्काः शाह

केंद्रीय रिजर्व बल के स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए शाह, सीएम यादव भी रहे मौजूद

विशेष संवाददाता, भोपाल। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि देश में कहीं भी आशांति होती है और जब उन्हें जानकारी मिलती है कि केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल तैनात है, तो मुझे भरोसा हो जाता है कि हम शांति कायम हो जाएगी। उनका यह भरोसा इसलिए मजबूत है, क्योंकि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल अपना सर्वोच्च प्रदर्शन करती है। शाह शुक्रवार को नीमच में सीआरपीएफ के 86वें स्थापना दिवस को बतौर मुख्यअतिथि संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद रहे। शाह ने कहा कि सीआरपीएफ ने अपनी स्थापना से अब तक 2264 जवानों ने अलग-अलग मोर्चो पर देश की सुरक्षा के लिए बलिदान दिया है। अब जब देश 2047 तक सर्वोच्च बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तो मैं शहीदों के परिवारों को यह कहना चाहता हूं कि इसमें आपके परिवारजन के बलिदान का बड़ा योगदान है। सीआरपीएफ ने जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटने के बाद शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न कराए। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक जहां जरूरत होती है, सीआरपीएफ के जवान सदैव कर्तव्य पथ पर तत्पर रहते हैं। शाह ने कहा कि सीमा क्षेत्रों से लेकर अंदरूनी इलाकों तक देश की सुरक्षा में सीआरपीएफ के योगदान को कोई भुला नहीं सकता। हमारी सरकार द्वारा सीएपीएफ कर्मियों को आयुष्मान कार्ड और आवास योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। सीआरपीएफ में अब महिलाओं की भी भर्ती हो रही है। उनके लिये भी आवास सुविधा विकसित की जा रही है। सीआरपीएफ को आधुनिक बनाए रखने के लिये केन्द्र सरकार की ओर से उत्कृष्ट सुविधा प्रदान की जा रही है। सीआरपीएफ को 2708 वीरता पदक प्राप्त हुए हैं, जो अद्भुत वीरता के परिचायक हैं।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते अमित शाह और मोहन यादव।

स्थापना दिवस पर शौर्य का प्रदर्शन करते सीआरपीएफ के जवान।

आठ टुकड़ियों ने किया मार्च पास्ट

स्थापना दिवस पर केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने परेड का निरीक्षण कर सलामी ली। परेड में सीआरपीएफ की 8 टुकड़ियों ने मार्च पास्ट किया। शाह ने कहा कि आज की परेड जवानों में नई ऊर्जा का संचार करेगी। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री ने वीरता पदकों के लिए चयनित जवानों को सम्मानित कर विशिष्ट सेवाओं के लिये सुरक्षा बल के जवानों को पुरस्कृत भी किया। समारोह में कोबरा, आरएएफ वैली क्यूएटी और डॉग स्क्वॉड जैसी विशेष इकाईयों द्वारा प्रभावशाली एवं आकर्षक प्रदर्शन किया गया। केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने सीआरपीएफ परिसर स्थित शहीद स्मारक पर पुष्प-चक्र अर्पित कर वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। सीआरपीएफ के स्थापना दिवस समारोह की परेड के बाद केन्द्रीय गृहमंत्री शाह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ सीआरपीएफ कैम्प नीमच के परिसर में ''राष्ट्र सेवा में समर्पित सीआरपीएफ के विभिन्न आयाम चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

प्रदेश के शत प्रतिशत बच्चे स्कूल में लें प्रवेश

स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह ने दिए निर्देश

विशेष संवाददाता, भोपाल। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों का प्रयास होना चाहिये कि प्रदेश के शत-प्रतिशत बच्चों का स्कूल में नामांकन हो। इसके लिये उन्होंने टीम वर्क के साथ काम करने के निर्देश दिये। सिंह गुरुवार को मंत्रालय में वीडियो कॉन्फ्रेंस से विभागीय अधिकारियों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विभाग के जो अधिकारी-कर्मचारी श्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे, उनका सार्वजनिक रूप से सम्मान किया जायेगा। कार्य के प्रति गैर-जिम्मेदार रहने वाले अधिकारी और कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जायेगी। मंत्री ने कहा कि अप्रैल अंत तक स्कूल जाने योग्य बच्चों का नामांकन हो जाये, यह सुनिश्चित किया जाये। स्कूलों में मध्यान्ह भोजन व्यवस्था की जानकारी भी ली। अतिथि शिक्षकों की पदस्थापना के लिये जल्द पोर्टल शुरू किये जाने के भी निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अतिथि शिक्षकों की आवश्यकता की मैपिंग का कार्य जल्द पूरा किया जाये। उन्होंने विभाग के हॉस्टल्स का निर्धारित टाइम टेबल बनाकर निरीक्षण व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये,साथ ही कहा कि गर्ल्स हॉस्टल में सुरक्षा के इंतजामों की नियमित तौर पर समीक्षा की जाये। मंत्री सिंह ने कहा कि जिला और राज्य स्तर के अधिकारियों के बीच संभागीय अधिकारी कड़ी के रूप में काम करते हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी अपने कार्य क्षेत्र का निरंतर दौरा करें। कार्यालयों में लंबित पेंशन और अनुकम्पा नियुक्ति संबंधी प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता के साथ किया जाये।

लोकायुक्त ने पकड़े रिश्वतखोर बीआरसी और ग्राम सहायक

मुख्य संवाददाता, भोपाल। लोकायुक्त पुलिस की भोपाल यूनिट ने नर्मदापुरम जिले के केसला ब्लॉक में पदस्थ स्कूल शिक्षा विभाग के ब्लॉक स्रोत समन्वयक (बीआरसी) कृष्णकुमार शर्मा को 5 हजार की घूस लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। बीआरसी ने कुल चार स्कूलों के कंटेन्जेंसी फंड और मध्यान्ह भोजन के ऑडिट के लिए कुल 15 हजार की रिश्वत मांगी थी। केसला के सोमुखेड़ा प्राथमिक शाला में पदस्थ शिक्षक देवेंद्र पटेल ने इसकी शिकायत लोकायुक्त पुलिस को दी थी। गुरुवार को प्लान के तहत कृष्णकुमार शर्मा ने जैसे ही पहली किस्त के रूप में अपने ऑफिस में लिए, वैसे ही उसे पास मौजूद टीम ने रंगे हाथ धर दबोचा। घूस लेते पकड़ाए बीआरसी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया गया है।

पीएम आवास के लिए घूस मांग रहा ग्राम सहायक पकड़ाया

गुरुवार को ही लोकायुक्त पुलिस की इंदौर यूनिट ने धार जिले के बदनावर तहसील की ग्राम पंचायत सांगवी में पदस्थ रोजगार सहायक मदन लाल डामर को भी रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। मदन लाल ने गांव के ही रहने वाले अनिल निनामा और उसकी माँ को पीएम आवास की किस्त के तहत मिलने वाली 25-25 हजार की राशि जारी करने के एवज में 15 हजार की डिमांड की थी। शिकायत मिलने के बाद लोकायुक्त पुलिस के कहे अनुसार अनिल ने मदन को तीन किस्तों में पैसे देने की बात कही। गुरुवार को जैसे ही मदन लाल ने घूस की पहली किस्त के रूप में 5 हजार रुपए लिए, वैसे ही उसे रंगे हाथ पकड़ लिया गया। रोजगार सहायक के खिलाफ मामला कायम कर लिया गया है।

पंचायत सचिवों के लिए बनेगी स्थानांतरण नीति

विशेष संवाददाता भोपाल। प्रदेश में जल्द ही ग्राम पंचायत सचिवों तथा ग्राम रोजगार सहायकों के स्थानांतरण की नीति शीघ्र घोषित की जाएगी, जिसके आधार पर स्थानांतरण किए जाएंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने यह घोषणा की है। मंत्री पटेल ने कहा कि पंचायत और ग्रामीण विकास के कार्यों में पारदर्शिता लाना चाहती है। हमने कई अहम फैसले लिए हैं, जिसके परिणाम कुछ समय बाद दिखाई देने लगेंगे। जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन करें। जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत में इस अभियान में जल संरक्षण के कार्य कराएं। गत वर्षों में जिन गांवों में पानी का संकट रहा, वहां हैंडपंप तथा कुओं में रिचार्ज पिट प्राथमिकता से बनाएं। अभियान में शामिल जल संरक्षण कार्यों की तकनीकी और प्रशासकीय स्वीकृति तत्काल जारी करके निर्माण कार्य तेजी से पूरा कराएं। अभियान के तहत मनरेगा से मंजूर सभी अधूरे कार्य 15 मई तक पूरे कराएं। प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान से 50 हजार से अधिक खेत तालाबों का निर्माण कराया जाएगा।

सरकार ने संभागीय अधिकारियों से मांगी प्रदेशभर में रिक्त पड़े पदों की जानकारी

पदोन्नत से पहले रिक्त होने वाले पदों को भरने की तैयारी में जुटी सरकार

विशेष संवाददाता, भोपाल। राज्य सरकार पदोन्नत से पहले रिक्त होने वाले पदों को भरने की तैयारी में जुट गई है। इसके लिए सरकार ने अपने संभागीय अधिकारियों के माध्यम से रिक्त पदों की इस माह के अंत तक जानकारी मांगी है। गौरतलब है कि शासन स्तर पर अधिकारी कर्मचारियों को पदोन्नत करने की तैयारी की जा रही है। लेकिन इससे पहले सरकार रिक्त होने वाले पदो को भरने की तैयारी पूरी करना चाहती है। इसी क्रम में सरकार ने अपने सभी संभागीय अधिकारियों के माध्यम से रिक्त होने वाले पदों के बारे में जानकारी मांगी है। विशेषकर जलसंसाधन,उच्च शिक्षा विभाग,जनजाति कार्य विभाग, लोकनिर्माण विभाग सहित दूसरे विभागों से अप्रैल के अंतिम सप्ताह तक पूरी जानकारी भेजने को कहा गया है। इधर जानकारों का कहना है कि सरकार कुछ विभागों में रिक्त होने वाले पदों को प्रतिनियुक्ति से भरने की तैयारी में है। इनमें जनजातीय कार्य विभाग प्रमुख है। जहां पर नए तकनीकी सेटअप के आधार पर रिक्त पदों की भरपाई प्रतिनियुक्ति के आधार पर की जाएगी।

ये मांगी है जानकारी

उच्च शिक्षा विभाग से जिन पदों के बारे में पूछा है, उनमें मुख्य लिपिक, मुख्य लिपिक कम लेखापाल, हॉस्टल प्रबंधक और इससे नीचे के पदों के जानकारी मांगी गई है। इसी तरह चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियो के मामले में प्रयोगशाला, फर्राश, बुक लिफ्टर और उनसे नीचे के कर्मचारियों की भी सूची मांगी गई है। इसी तरह उच्च शिक्षा विभाग ने अपने सभी महाविद्यालयों के प्राचार्यो से पूछा है कि उनके कॉलेज में कर्मचारियों के कितने पद रिक्त है। ये जानकारी एक हफ्ते में ही देने को कहा गया है,जिससे उन रिक्त पदों पर समीक्षा कर उनकी भर्ती प्रक्रिया शुरु की जा सके।

हाउसिंग बोर्ड की सीईओ को हटाया

सरकार के वित्त विभाग ने मध्यप्रदेश गृहनिर्माण मंडल की वित्त अधिकारी अल्पना ओझा को पद से हटा दिया है। यह कार्रवाई उनके खिलाफ लोकायुक्त में शिकायत होने पर की गई है। जानकारी के अनुसार बीते दिसम्बर माह में अल्पना ओझा के खिलाफ लोकायुक्त में शिकायत की गई थी। इस पर लोकायुक्त द्वारा हाउसिंग बोर्ड के आयुक्त एंव सचिव से इस मामले में पत्र लिखकर जवाब मांगा था। बताया गया है कि इसी सिलसिले में वित्त विभाग ने गुरुवार को अल्पना ओझा को हटाए जाने का आदेश जारी कर दिया। उन्हें संयुक्त संचालक कार्यालय कोष एवं लेखा अटैच किया गया है।

वायरल वीडियो पर सियासत पूर्व सीएम बोले-छेड़छाड़ हुई

सारंग ने कहा- दिग्विजय सिंह का कबूलनामा आया सामने

विशेष संवाददाता, भोपाल। सरकार के मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह का वीडियो जारी कर निशाना साधा, तो भाजपा ने वीडियो में दिग्विजय सिंह के बयान को उनका काबूलनामा बता दिया। इस पर पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने कहा कि उनके बयान में छेड़छाड़ की गई है। गौरतलब है कि सूबे के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह का वीडियो साझा करते हुए कहा कि दिग्विजय सिंह का कबूलनामा सामने आ गया है। उन्होंने स्वयं कहा है कि बाबरी मस्जिद शहीद हुई व उसके बाद उन्होंने ही दंगे-फसाद करवाए. आज यह वीडियो वायरल हुआ है। इससे यह सुनिश्चित हुआ है कि जो हम पहले से कहते हैं कि हर दंगा-फसाद के पीछे कांग्रेस है, अब दिग्विजय सिंह ने स्वयं इस बात को स्वीकार कर लिया है कि उन्होंने उस समय कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष होने के नाते दंगे करवाए थे। इससे शर्मनाक और कुछ नहीं हो सकता। हालांकि दैनिक जागरण इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। सारंग ने कहा कि कांग्रेस को जवाब देना पड़ेगा, बताना पड़ेगा कि उनके वरिष्ठ नेता कह रहे हैं कि उन्होंने दंगे-फसाद कराए. वे कह रहे हैं कि बाबरी मस्जिद शहीद हो गई। वह पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं। पाकिस्तान परस्ती की बात करना, सनातन के विरोध में बात करना, भगवा आतंकवाद जैसी शब्दावली का इस्तेमाल कर सनातन को बदनाम करना और हर धर्म को धर्म से लड़ाना और जाति को जाति से लड़ाने की राजनीति करना, अब तो मन की बात और षड्यंत्र सामने आ गया है। अब कांग्रेस को सिंह पर कार्रवाई करनी चाहिए। इधर दिग्विजय सिंह ने वीडियो के कुछ हिस्सों से छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यह देश मुझे दंगे-फसाद के खिलाफ और समाज में सद्भाव बढ़ाने के लिए जानता है। मैंने कहा था कि उस दौरान 15 दिन तक पीसीसी के दफ्तर में सोया था, हमारा प्रयास था कि दंगा-फसाद न हों। उनकी इस बात को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। उन्होंने दावा किया कि वीडियो से एक शब्द 'न को हटा दिया गया। यही बात भाजपा के लायक बन गई। उन्होंने कहा कि मस्जिद को मैंने शहीद कहा है क्योंकि जब किसी पूजा स्थल को जबरदस्ती गिराया जाए तो उसे और क्या कहेंगे।

थोकबंद किए तबादले, 450 पुलिसकर्मी इधर से उधर

भोपाल। मप्र पुलिस में गुरुवार को थेकबंद तबादले किए गए। पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) से जारी सूची के अनुसार 1 इंस्पेक्टर, 34 सब इंस्पेक्टर(एसआई), 13 सहायक उप निरीक्षक (एएसआई), 55 प्रधान आरक्षक और 343 आरक्षकों के ट्रांसफर किए गए हैं। पुलिस मुख्यालय ने सागर में पदस्थ 2 स्टेनोग्राफरों के भी जिले के भीतर ही एक से दूसरे स्थान पर तबादले किए हैं। तबादला सूची के अनुसार दमोह में पदस्थ कार्यवाहक निरीक्षक आनंद सिंह ठाकुर को दमोह पदस्थ किया है। पीएचक्यू ने संबंधित जिलों के एसपी को इन सभी पुलिसकर्मियों को समय सीमा में रिलीव कर नई पदस्थापना पर भेजने के निर्देश दिए हैं।

फेरबदल : एमपी-सीजी के 25 आईआरएस अफसरों का ट्रांसफर

प्रिंसिपल चीफ कमिश्नर, प्रिंसिपल डायरेक्टर का तबादला

मुख्य संवाददाता, भोपाल। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को आयकर विभाग और सीबीडीटी में पदस्थ आईआरएस अफसरों के थोकबंद तबादले किए हैं। इसमें मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में तैनात 17 अफसरों को ट्रांसफर किया गया है। इसके साथ ही मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में तैनात 8 अफसरों को एक विंग से दूसरी विंग में भेजा गया है। तबादला आदेश के तहत मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ रीजन के जो अधिकारी इधर से उधर हुए हैं, उनकी तबादला सूची के अनुसार भोपाल में पदस्थ पीसीआईटी अंजू अरोरा को एक विंग से दूसरे जोन में भेजा गया है। इसके अलावा पीसीआईटी इंदौर राहुल रमन को भी इंदौर में ही दूसरी विंग में भेजा गया है। लिस्ट के मुताबिक सुनील कुमार सिंह को रायपुर में एक विंग से दूसरे विंग में, जबकि दिल्ली में तैनात ओएसडी किशोर बी को भोपाल पीसीआईटी सेंट्रल बनाया गया है। ओएसडी प्रदीप हेडाऊ का तबादला इंदौर में सीसीआईटी के पद पर हुआ है। वित्त विभाग द्वारा जारी लिस्ट के अनुसार राजाराम शाह को दिल्ली से पीसीआईटी उच्जैन, माया माहेश्वरी को पीआर एडीजी भोपाल से पीसीआईटी मुंबई, सुखवीर चौधरी को पीसीआईटी गुवाहाटी से पीसीआईटी ग्वालियर और मुनीश कुमार को पीसीआईटी रायपुर तथा श्रुजनी मोहंती को एडीजी भोपाल पदस्थ किया गया है। आदेश के मुताबिक कोलाकलूरी रवि किरन अब पीडीआईटी रायपुर होंगे, जबकि राम तिवारी सीआईटी रायपुर, शिंदे सुधाकर नामदेव डीआईटी भोपाल और रघुनाथ सीआईटी भोपाल बनाए गए हैं। इसके अलावा सीबीडीटी के जिन अफसरों का ट्रांसफर किया गया है, उनमें अनूप सिंह का भोपाल, योगेश कुमार शर्मा का ग्वालियर, श्रवण कुमार मीना का रायपुर से जबलपुर, विजय कुमार सिंह का इंदौर से अहमदाबाद तबादला हुआ है। लिस्ट के अनुसार भारती महाजन सिंह और राजेश कुमार की पदस्थापना भोपाल में ही रखते हुए उनकी विंग बदल दी गई है।

नर्सिंग घोटाले के कारण 70 स्टाफ की विभागीय जांच शुरू

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। मप्र के चर्चित नर्सिंग घोटाले में राज्य शासन ने बड़ी कार्रवाई की है। इस घोटाले से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े 70 के करीब कर्मचारियों, अधिकारियों व नर्सिंग कॉलेजों की फैकल्टी के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश जारी हो गए हैं। इसी बीच भोपाल में जीएमसी के नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य राधिका नायर को शासन ने उनके पद से हटा दिया है। उनकी जगह अधीक्षिका लीला नलवंशी को प्राचार्य पद का प्रभार सौंपा है। शासन ने यह कार्रवाई एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार की शिकायत पर की है। परमार ने बताया कि हम शुरू से ही सरकारी नर्सिंग कॉलेज में काम करने वाले कर्मचारियों की भूमिका को संदिग्ध बता रहे हैं। उन्होंने वर्तमान चिकित्सा शिक्षा आयुक्त तरूण राठी की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए हैं। एक वर्ष पूर्व तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा आयुक्त ने 110 नर्सिंग स्टाफ और डॉक्टरों को कारण बताओ नोटिस जारी किए थे, लेकिन वर्तमान आयुक्त द्वारा केवल 70 के लगभग लोगों के विरुद्ध ही आरोप पत्र जारी किए गए हैं। यह कहीं न कहीं गंभीर दोषियों को बचाने का प्रयास प्रतीत होता है। रवि परमार ने बताया कि नर्सिंग घोटाले में जिनको नोटिस जारी हुए थे उनमें जीएमसी के पूर्व प्राचार्य रोसी शाहुल समेत प्रोफेसर में डॉ जितेंद्र महावर, डॉ हरिसिंह मकवाना, डॉ संदीप कुमार मर्सकोले, डॉ वीरेंद्र धुर्वे वहीं नर्सिंग स्टाफ में रजनी नायर, प्रियदर्शनी डेहरिया, दीपिका कुंभारे, राजश्री मालवीय शामिल हैं लेकिन इन पर अभी तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई। गांधी मेडिकल कॉलेज की नर्सिंग प्राचार्य राधिका नायर को पद से हटाए जाने पर परमार ने कहा कि केवल पद से हटाना पर्याप्त नहीं है।

पृष्ठ एक की खबरों का शेष

सरकार को सशर्त ...

खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि अदालत कानूनों को आसानी से स्थगित नहीं करती, लेकिन जब कोई मामला विचाराधीन हो, तब संबंधित पक्षों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यथास्थिति बनी रहे। अदालत ने कहा कि केंद्र सरकार तो यह आश्वासन दे सकती है, लेकिन राज्य सरकारों की ओर से भी ऐसा ही भरोसा जरूरी है, तब मेहता ने सुझाव दिया कि अदालत निर्देश दे सकती है कि यदि कोई राज्य नियुक्ति करता है, तो वह शून्य मानी जाए।

केंद्र का जवाबः यदि पंजीकृत हैं तो वक्फ बने रहेंगेः एसजी तुषार मेहता ने जवाब में कहा कि अगर संपत्ति पंजीकृत है, तो उसे वक्फ माना जाएगा और ऐसे किसी वक्फ को शून्य घोषित नहीं किया जाएगा। अदालत ने इस पर राहत जताई, लेकिन दोहराया कि केवल पंजीकरण के आधार पर ही वक्फ की स्थिति नहीं जानी जा सकती।

राष्ट्रपति को आदेश ...

हमें अपने आप से सवाल पूछने होंगे। क्या देरी समझने योग्य है? क्षमा करने योग्य है? 21 मार्च को एक समाचार पत्र द्वारा खुलासा किया गया, कि देश के लोग पहले कभी नहीं हुए इतने स्तब्ध थे। वे किसी तरह के लिंबो में थे, इस विस्फोटक चौंकाने वाले खुलासे पर गहराई से चिंतित और परेशान थे।'

आयरन डोम की तर्ज ...

का मालिक अमेरिका नहीं होगा, तो क्या भविष्य में इसकी लागत और विकास पर सरकार का नियंत्रण रहेगा?

इतिहास की परछाइयांः क्या यह 'स्टार वार्स 2.0' है?

यह प्रस्ताव 1980 के दशक में रोनाल्ड रीगन द्वारा शुरू की गई स्ट्रेटेजिक डिफेंस इनिशिएटिव एसडीआई की याद दिलाता है, जिसे 'स्टार वार्स' के नाम से जाना गया था। वह परियोजना कभी धरातल पर नहीं उतर सकी। अब ट्रंप की यह योजना उस अधूरी विरासत को पुनर्जीवित करने की कोशिश लगती है- पर आधुनिक टेक्नोलॉजी और निजी कंपनियों की बदौलत।

तकनीक और सत्ता का गठजोड़

ट्रंप प्रशासन का यह कदम दिखाता है कि कैसे राजनीति, तकनीक और पूंजी एक साथ मिलकर रणनीतिक निर्णय ले सकते हैं। पेलंटियर जैसी कंपनियां पहले से ही डेटा निगरानी के लिए मशहूर हैं, और अब वे अंतरिक्ष सुरक्षा में भी कदम रख रही हैं। एंड्यूरिल जैसे स्टार्टअप्स, जो ड्रोन से लेकर ऑटोमेटेड वार टेक्नोलॉजी में अग्रणी हैं, अब अमेरिका की रक्षा नीति में सीधा हस्तक्षेप कर रहे हैं।

आयोजन | जल प्रबंधन पर दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला में गिरते हुए जल स्तर पर जताई चिंता

32 फीसदी घरों के नलों में अभी तक नहीं पहुंचा पानीः सीएस

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। समुदाय आधारित सतत जल प्रबंधन पर भोपाल में दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन जल निगम, पीएचईडी एवं पानी के मुद्दे पर काम करने वाले स्वैच्छिक संगठनों (समर्थन, वाटरएड और परमार्थ) द्वारां किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन उपस्थित थे। उन्होंने उपस्थित समुदाय, ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति, ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि एवं जमीन पर कार्य करने वाली स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में 68 फीसदी घरों में नल से जल पहुंच चुका है और बहुत ही जल्द शेष घरों में भी पानी पहुंचाया जाएगा। उन्होंने स्वीकार किया कि अभी भी 32 फीसदी घरों में नल से पानी पहुंच सका है। 2026 तक इस लक्ष्य को पूरा कर लिया जाएगा। सीएस अनुराग जैन ने कहा कि हवा के बाद पानी हमारे जीवन की सबसे बड़ी जरूरत है, लेकिन लगातार नीचे गिरता जल स्तर बड़ी चिंता का विषय है। उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश के 52 हजार गांवों में से 27 हजार गांव समूह जल प्रदाय योजना में शामिल हैं। नल जल योजनाओं की निरंतरता एवं जल स्रोतों के स्थायित्व में समुदाय की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने मंदसौर जिले में समुदाय की भागीदारी से निर्मित किए गए तालाबों एवं स्टाप डेमों का उदाहरण भी साझा किया। उन्होंने कहा कि नल जल योजनाओं का हेंडओवर लेते समय सरपंचों को जिम्मेवारी लेनी होगी कि गलत रिपोर्ट न दें और यह देखें कि उनके गांव में सभी घरों को शुद्ध एवं पर्याप्त पानी मिल रहा है, तभी हस्ताक्षर करें। यदि कोई कमी है जिसमें सुधार की जरूरत है तो स्पष्ट टीप लगाकर हस्ताक्षर करें।

85 से 90 फीसदी नल कनेक्शन

प्रमुख सचिव पीएचईडी पी नरहरि ने कहा कि अधिकांश गांव में 85 से 90 फीसदी नल कनेक्शन हो चुके हैं। एकल ग्राम योजना के गांवों में जो घर नल कनेक्शन से वंचित हैं उन्हें दिसम्बर 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य है। जबकि समूह जल प्रदाय योजना में जो घर नल कनेक्शन से वंचित है उन्हें 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि ठेकेदारों के द्वारा योजनाओं के हस्तांतरण के बाद चुनौतियां बढ़ जाती हैं, जिसकी जिम्मेवारी समुदाय एवं ग्राम पंचायतों को लेनी ही होगी। पीएस नरहरि ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत सभी घरों को नियमित पानी मिलता रहे इसके लिए ग्राम पंचायत को बड़ी जिम्मेदारी सौंपने के लिए नीति तैयार की जा रही है, जिसे हम जल्द साझा करेंगे। उन्होंने कहा कि इस दो दिवसीय संवाद से जो भी मुद्दे और अनुसंशायें निकलेंगी उन पर गम्भीरता से विचार किया जायेगा।

कोई घर नल कनेक्शन से न छूटे

वाटरएड के सीईओ माधवन ने कहा सभी को यह जिम्मेवारी लेनी होगी कि एक भी बसाहट या घर नल कनेक्शन से वंचित न रहे। उन्होंने जिला जल एवं स्वच्छता मिशन को सशक्त बनाने पर जोर दिया। हेंडओवर की प्रक्रिया को और अधिक मजबूत बनाने पर जोर देते हुए कहा कि इसे और औपचारिक बनाने के लिए पंचायतों के साथ अनुबंध किया जाये एवं क्रियान्वयन से जुड़े सभी आवश्यक दस्तावेज जैसे डीपीआर, बिल व्हाउचर, गारंटी बारंटी कार्ड और संचालन हेतु पंचायतों से जुड़ी जिम्मेवारियां सौंपी जाये। जल कर संकलन के लिए स्व सहायता समूह के साथ अनुबंध किये जा सकते हैं। पम्प आपरेटर को जल कर संकलन से अलग रखना उचित होगा, क्योंकि उसके पास पहले से ही बहुत काम है। इस दौरान माधवन ने निकली मुख्य चुनौतियों को जल निगम के प्रबंध निदेशक वीएस चौधरी और पीएचईडी के इंजीनियर इन चीफ केके सोनगरिया के समक्ष रखते हुए कहा कि उक्त सब बिंदुओं पर नीतिगत निर्णय लेने एवं उन्हें गम्भीरता के साथ क्रियान्वित करने की आवश्यकता है। पंचायत प्रतिनिधियों, जल सहेलियों, जल समिति के सदस्यों ने नल जल योजना के संचालन एवं रखरखाव, जल कर संकलन में आ रही चुनौतियों से विभागीय प्रतिनिधियों को अवगत कराया साथ ही उनके द्वारा किये गए सफल प्रयासों को भी कार्यक्रम के दौरान साझा किया।

संक्षिप्त समाचार

रिहा बंधकों से पुतिन ने की मुलाकात

क्रेमलिन। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार शाम को मॉस्को के क्रेमलिन में हमास ने जिन बंधकों को रिहा किया उन से मुलाकात की। इन तीनों रिहा हुए बंधकों से पुतिन ने बातचीत की। पुतिन ने रिहा की गई बंधक साशा ट्रूफ़ानोव से मुलाकात की, साथ ही उनकी मां एलेना ट्रूफ़ानोवा और साथी सपिर कोहेन, जो दोनों भी पूर्व बंदी हैं से बातचीत की। पुतिन ने इस मुलाकात के दौरान पूर्व बंधकों को बताया, यह फैक्ट कि आप मुक्त होने में कामयाब रहे, यह इस वजह से है कि रूस के फिलिस्तीनी लोगों, उसके प्रतिनिधियों और कई तरह के संगठनों के साथ स्थिर और लॉन्ग टर्म संबंध हैं। पुतिन ने कहा, हमें हमारे साथ सहयोग करने और इस मानवीय कार्य को अंजाम देने के लिए हमास के प्रति आभार व्यक्त करने की जरूरत है। पुतिन ने सभी बंधकों के रिहा होने की कामना की। रूसी राष्ट्रपति ने कहा, सभी लोग जो अभी भी उन्हीं परिस्थितियों में हैं, जिनमें आप थे, जल्द हा हो जाए।

ट्रंप से मिलने पहुंची पीएम मेलोनी, टैरिफ पर चर्चा

मॉस्को। यूरोपीय संघ (ईयू) के व्यापार वार्ताकारों को उम्मीद है कि इतालवी प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी की वाशिंगटन यात्रा और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनकी बैठक अमेरिकी टैरिफ मांगों पर मंजूरी मिल सकती है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्लॉक के वार्ताकारों ने कथित तौर पर शिकायत की है कि उन्हें अमेरिकी मांगों के बारे में जानकारी नहीं दी गई है और अब उन्हें उम्मीद है कि मेलोनी की यात्रा से स्थित स्पष्ट हो जाएगी। साथ ही नाटो में इटली के पूर्व राजदूत स्टेफानो स्टेफनिनी का मानना है कि इटली की पीएम मेलोनी को यूरोपीय संघ के मध्यस्थों पर इसका लाभ मिल सकता है, क्योंकि वह निर्णायकों से बात कर रही हैं और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनके मधुर संबंध हैं। ६ यूरोपीय संघ देशों के अनाम राजनयिकों ने बताया कि पारस्परिक टैरिफ पर इटली के नरम रुख की कुछ सदस्य देशों द्वारा आलोचना की जाती है, लेकिन उन्होंने बताया कि ट्रंप के साथ मेलोनी के मधुर संबंध फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

61 साल की उम्र में शादी रचाएंगे भाजपा नेता घोष

कोलकाता। आखिरकार बंगाल भाजपा के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष 61वें वर्ष में शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। पूर्व लोकसभा सदस्य और पूर्व विधायक घोष शुक्रवार को अपने न्यू टाउन स्थित आवास पर दुल्हन रिंकू मजूमदार के साथ सात फेरे लेंगे। रिंकू भाजपा की दक्षिण कोलकताा की सक्रिय नेता और कार्यकर्ता हैं और दोनों की पहली मुलाकात पार्टी के कार्य के दौरान ही हुआ था। दिलीप के करीबी लोगों के अनुसार, पिछले लोकसभा चुनाव हार गए थे तो वे काफी उदास थे, तो रिंकू ही पहली व्यक्ति थीं जिन्होंने उन्हें प्रस्ताव दिया था कि वे साथ मिलकर परिवार शुरू करना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि अब उनके साथ कोई नहीं है। वह दिलीप के साथ रहना चाहती है। अब तक कुवांरा रहे दिलीप ने पहले तो मना कर दिया था, लेकिन बाद में अपनी मां के आग्रह पर विचार कर सहमत हो गए। क्योंकि, छह महीने पहले भी उन्होंने शादी के बंधन में बंधने के बारे में नहीं सोचा था।

सुप्रीम कोर्ट ने आयोग से 3 सप्ताह में मांगा जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 1961 के चुनाव नियमों में हुए हालिया संशोधनों को चुनौती देने वाली कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश और अन्य की याचिकाओं पर जवाब देने के लिए गुरुवार को चुनाव आयोग को तीन सप्ताह का समय और दिया। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने रमेश की याचिका पर 15 जनवरी को केंद्र और चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। श्यामलाल पाल और कार्यकर्ता अंजलि भारद्वाज की भी दो ऐसी ही याचिकाएं लंबित हैं। आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मनिंदर सिंह ने जवाब दाखिल करने के लिए तीन और सप्ताह का समय मांगा। पीठ ने अनुरोध स्वीकार करते हुए सुनवाई के लिए 21 जुलाई की तारीख तय की। याचिका कर्ताओं ने कहा है कि 1961 की चुनाव संचालन नियमावली में संशोधन बेहद चतुराई से किया गया है। मतदाता की पहचान उजागर होने का दावा करते हुए मतदान के सीसीटीवी फुटेज तक पहुंच पर रोक लगा दी गई है। सरकार ने चुनाव नियमों में बदलाव करते हुए सीसीटीवी कैमरा और वेबकास्टिंग फुटेज के अलावा उम्मीदवारों की वीडियो रिकार्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रानिक दस्तावेज की सार्वजनिक जांच पर रोक लगा दी है, ताकि उनका दुरुपयोग रोका जा सके।

महागठबंधन में तेजस्वी को चुना नेता को-ऑर्डिनेशन कमेटी के अध्यक्ष बने

सीट से कैंपेनिंग तक सब तय करेंगे, सीएम फेस पर कांग्रेस ने नहीं खोले पत्ते

पटना, जेएनएन। पटना में गुरुवार को महागठबंधन की 3 घंटे चली बैठक के बाद आरजेडी नेता तेजस्वी यादव को कोऑर्डिनेशन कमेटी का अध्यक्ष चुन लिया गया है। इससे ये साफ है कि महागठबंधन की तरफ से तेजस्वी ही सीएम फेस होंगे। कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने सीएम फेस पर सीधे तो कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन यह जरूर स्पष्ट कर दिया कि तेजस्वी ही महागठबंधन को लीड करेंगे। सीएम फेस पर कोई कंफ्यूजन नहीं है। उन्होंने कहा कि एनडीए में सीएम फेस को लेकर भारी कंफ्यूजन है। वहीं, सीएम फेस पर तेजस्वी से सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा, सभी बातों पर सहमति बन चुकी है, थोड़े इंतजार का मजा लीजिए, एक ही दिन में सब बता दें क्या। पशुपति पारस के महागठबंधन में शामिल होने के सवाल पर तेजस्वी ने कहा, आने वाली बैठक में इस बारे में निर्णय लिया जाएगा।

बैठक में आरजेडी, कांग्रेस, वीआईपी के साथ लेफ्ट की तीनों पार्टियां यानी सीपीएम, सीपीआई और माले तीनों के नेता शामिल थे। राज्य से लेकर प्रखंड स्तर पर कोऑर्डिनेशन कमेटी बनाने का निर्णय लिया गया है। ये कमेटियां समय-समय पर आपस में बैठक कर काम करेंगे और अपने एजेंडे को एकजुटता से आगे बढाएंगी।

5 करोड़ से ज्यादा लोग पलायन को मजबूर

बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेजस्वी ने कहा, हमने गरीब, नौजवान, महिलाओं, युवाओं के मुद्दों पर बात की। पलायन पर चर्चा की। बिहार के लोगों में बहुत गुस्सा है। 20 साल से यहां खटारा सरकार है। केंद्र की ही रिपोर्ट बताती है कि, बिहार में सबसे ज्यादा गरीबी है। 2 करोड़ से ज्यादा लोग पलायन कर चुके हैं, ये तो रजिस्टर्ड हैं। नॉन रजिस्ट्रेशन वाले 4 से 5 करोड़ लोग पलायन करने वाले हैं। बेरोजगारी, पलायन, अपराध में बिहार नंबर-1 है। गोपालगंज में लड़की को किडनैप करके गैंगरेप किया जाता है। सीएम के गृह जिला नालंदा में दुष्कर्म कर पैरों में कीलें ठोंक दी जाती हैं। पुलिस को भगाया जा रहा है। अपराधी बेलगाम हैं।

को-ऑर्डिनेशन कमेटी के 4 मुख्य काम

- सीट शेयरिंग पर निर्णय लेगी।
- चुनावी एजेंडा तय करेगी।
- चुनाव प्रचार की रणनीति बनाएगी।
- कॉमन मिनिमम प्रोग्राम बनाएगी।

सरकार पर बोला हमला

बिहार में कानून नाम की कोई चीज नहीं है। लॉ एंड ऑर्डर का क्रिमिनल डिसऑर्डर हो चुका है। इसके दोषी सिर्फ सीएम नीतीश नहीं हैं। उन्हें क्या कहें वो तो अचेत अवस्था में हैं लेकिन नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह बार-बार बिहार आते हैं, उनको जवाब देना चाहिए। अमित शाह के पास गृह मंत्रालय है। ये लोग मुद्दों पर बात नहीं करते। मोदी 11 साल से प्रधानमंत्री हैं, इन्होंने बिहार को क्या दिया। केवल ठगने का काम किया है। लोगों ने भरोसा करके सबसे ज्यादा सांसद दिए। दर्जनभर मंत्री यहां से हैं, मंत्री अपनी एक उपलब्धि बता दें। 20 साल से डबल इंजन की सरकार का नेतृत्व मोदी-नीतीश कर रहे हैं। इनका एक काम बताएं। प्रति व्यक्ति आय में बिहार सबसे पीछे है। किसानों की आय में सबसे पीछे है। निवेश में सबसे पीछे है। इन लोगों ने कोई काम नहीं किया। महागठबंधन की बैठक में आरजेडी की ओर से तेजस्वी यादव, संजय यादव, अब्दुल बारी सिद्दीकी शामिल हुए।

ये दल हुए शामिल

कांग्रेस की तरफ से बिहार कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, प्रभारी कृष्णा अल्लावरू, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा बैठक में मौजूद रहे। वीआईपी से पार्टी अध्यक्ष मुकेश सहनी, देव ज्योति, सीपीआई से केडी यादव, सीपीआई—एम से अजय कुमार, सीपीआई—एमएल से राज्य सचिव कुणाल भी मीटिंग में शामिल होने पहुंचे थे। इधर, बैठक से पहले पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने सीमांचल से कांग्रेस को अधिक सीट देने की मांग की है।

पाक आर्मी चीफ के बयान पर भारत का करारा जवाब

पाकिस्तान को हर हाल में खाली करना पड़ेगा पीओके

इस्लामाबाद, जेएनएन। भारत ने गुरुवार को कहा कि पीओके भारत का अभिन्न अंग है। इस पर पाकिस्तान का अवैध रूप से कब्जा है। पाकिस्तान को पीओके हर हाल में खाली करना पड़ेगा। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ के कश्मीर और टू नेशन थ्योरी वाले बयान पर यह प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। उनके टू नेशन थ्योरी वाले बयान पर जायसवाल ने कहा कि यह थ्योरी 1971 में बांग्लादेश की आजादी के बाद ही खारिज हो चुकी थी। पाकिस्तान के आर्मी चीफ मुनीर ने बुधवार को कश्मीर को पाकिस्तान के गले की नस बताया था।

मुनीर ने कश्मीर को बताया था 'गले की नस'

मुनीर ने कश्मीर को पाकिस्तान की 'गले की नस' बताया था। उन्होंने कहा, हमारा रुख बिल्कुल साफ है। कश्मीर हमारी गले की नस था, है और रहेगा। हम इसे कभी नहीं भूलेंगे। हम अपने कश्मीरी भाइयों को उनके वीरतापूर्ण संघर्ष में अकेले नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कश्मीर को गाजा से जोड़ते हुए कहा, पाकिस्तानियों का दिल गाजा के मुसलमानों के साथ धड़कता है।

जनरल मुनीर बोले- हमारी सोच हिंदुओं से अलग

पाकिस्तान आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर ने कहा है कि पाकिस्तान की नींव कलमे (इस्लाम धर्म का मूल मंत्र) पर रखी गई है। हम हर मामले में हिंदुओं से अलग हैं। हमारा धर्म अलग है, हमारे रीति-रिवाज अलग हैं। हमारी संस्कृति और सोच अलग है। यही टू-नेशन थ्योरी की नींव थी। इस्लामाबाद में पहले ओवरसीज पाकिस्तानी सम्मेलन में जनरल मुनीर ने कहा था कि पाकिस्तान की कहानी अपने बच्चों को आपको जरूर सुनानी है। हमारे पूर्वजों ने सोचा कि हम हिंदुओं से अलग हैं। हमारी सोच, हमारी महत्वाकांक्षाएं अलग हैं। इसी वजह से हम दो देश हैं, एक देश नहीं हैं। इस देश के लिए हमारे पूर्वजों ने बलिदान दिया है। हम जानते हैं कि इसकी रक्षा कैसे करनी है। जनरल मुनीर ने कहा, आज तक सिर्फ दो रियासतों की बुनियाद कलमे पर पड़ी। पहली रियासत-ए-तैयबा, क्योंकि तैयबा को हमारे नबी (मोहम्मद साहब) ने नाम दिया था। आज उसे मदीना कहते हैं। वहीं, दूसरी रियासत 1300 साल बाद अल्लाह ने पाकिस्तान बनाई।

बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाले में कोर्ट ने दी रियायत

दिसंबर तक पढ़ा सकेंगे टीचर

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले में अपनी नौकरी गंवाने वाले बेदाग सहायक शिक्षकों को अपने पद पर बने रहने की अनुमति दी है। देश की सर्वोच्च अदालत ने छात्रों की पढ़ाई बाधित नहीं हो इस वजह से उन्हें अपने पद पर बने रहने की इजाजत दी है। हालांकि, राज्य सरकार को कड़ी शर्तों के तहत 31 मई 2025 तक नई भर्ती की प्रक्रिया शुरू करनी होगी और 31 दिसंबर 2025 तक यह प्रक्रिया पूरी करनी होगी। यह आदेश भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने बेदाग अध्यापकों द्वारा शैक्षणिक वर्ष के अंत तक या नई भर्ती प्रक्रिया पूरी होने तक सेवा में बने रहने के लिए दायर आवेदन पर पारित किया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह आदेश केवल कक्षा 9-10 और 11-12 के सहायक शिक्षकों पर लागू होगा। यह भी कहा गया कि यह आदेश भविष्य में उन्हें कोई विशेष अधिकार नहीं देगा और नई नियुक्ति में उन्हें कोई अतिरिक्त लाभ नहीं मिलेगा।

ममता सरकार को सख्त निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने प. बंगाल सरकार के स्कूल सेवा आयोग और प्राथमिक शिक्षा बोर्ड को निर्देश दिया है कि वे 31 मई तक नई भर्ती का विज्ञापन जारी कर हलफनामा कोर्ट में दाखिल करें। 3 अप्रैल को कोर्ट ने 2016 की शिक्षक भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह रद्द कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि यह प्रक्रिया घोटाले, हेराफेरी से पूरी तरह दूषित थी, जिसे सुधारना संभव नहीं है। कोर्ट ने सभी चयनित शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मियों को सेवा से हटाने का आदेश दिया था।

पीडीए की आड़ में दलितों का शोषण कर रही सपा

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने गुरुवार को सपा पर निशाना साधते हुए पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) अभियान की आड़ में राजनीतिक लाभ के लिए दलितों का शोषण करने का आरोप लगाया। बसपा नेता ने एक्स पर एक के बाद एक पोस्ट में कहा, विदित है कि अन्य पार्टियों की तरह आए दिन सपा द्वारा भी पार्टी के खासकर दलित लोगों को आगे कर तनाव व हिंसा का माहौल पैदा करने वाले मामले सामने आ रहे हैं। इनकी अति विवादित बयानबाजी, आरोप-प्रत्यारोप और कार्यक्रम आदि का जो दौर चल रहा है,यह घोर संकीर्ण स्वार्थ की राजनीति है। सपा भी दलितों के वोटों के स्वार्थ के लिए किसी हद तक जा सकती है। दलितों के साथ अन्य पिछड़ों,मुस्लिम समाज को भी किसी भी बहकावे में नहीं आकर राजनीतिक हथकंडों का शिकार होने से बचना चाहिए।

वजन घटाने की नई ओरफॉरग्लिप्रोन गोली क्लीनिकल परीक्षण में पास

मोटापे, डायबिटीज पर एक साथ वॉर करेगी नई दवा

नई दिल्ली, जेएनएन। दुनियाभर में मोटापे और मधुमेह की समस्या से जूझ रहे लोगों के लिए एक नई आशा की किरण सामने आई है। नई दैनिक गोली ओरफॉरग्लिप्रोन के क्लीनिकल परीक्षण में यह देखा गया कि यह न केवल वजन कम करती है, बल्कि टाइप-2 मधुमेह से जूझ रहे लोगों में रक्त शर्करा के स्तर को भी काफी घटाती है। यह गोली उन दवाओं की नई श्रृंखला का हिस्सा है जो मोटापे और डायबिटीज की संयुक्त समस्या से एकसाथ लड़ सकती हैं।

क्या है ओरफॉरग्लिप्रोन ? : यह एक ग्लूकागन-लाइक पेप्टाइड-1 (जीएलपी-1) प्रकार की औषधि है, जो शरीर में इंसुलिन स्राव को बढ़ाने, भूख को नियंत्रित करने और वजन घटाने में सहायक है। इससे पहले ऐसी औषधियां इंजेक्शन के रूप में दी जाती थीं, जैसे ओजेम्पिक, वेगोवी। ओरफॉरग्लिप्रोन पहली ऐसी दवा है जो गोली के रूप में दिन में केवल एक बार ली जा सकती है। इस तीसरे चरण के क्लीनिकल परीक्षण में अमेरिका, चीन, भारत, जापान और मेक्सिको के 559 प्रतिभागियों को शामिल किया गया। ये सभी प्रतिभागी मोटापे के शिकार और टाइप-2 मधुमेह से पीड़ित थे। परीक्षण 40 सप्ताह तक चला और इसमें अलग-अलग मात्रा में ओरफॉरग्लिप्रोन दी गई। इसमें 3, 12 और 36 मिलीग्राम की दवा दी गई। सबसे अधिक खुराक (36 मिलीग्राम) लेने वाले प्रतिभागियों का औसत वजन 7.3 किलोग्राम (16 पाउंड) कम हुआ। उनके रक्त शर्करा के स्तर में भी औसतन 1.5 फीसदी की गिरावट आई। कम खुराक लेने वालों में भी सुधार दर्ज किया गया। 3 मिलीग्राम लेने वालों का वजन औसतन 4.5 फीसदी और 12 मिलीग्राम लेने वालों का 5.8 फीसदी तक घटा।

तीन चरणों में होगी यमुना की सफाई

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली में यमुना की साफ-सफाई का काम और तेजी से होगा। गुरुवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने यमुना की सफाई को लेकर एक समीक्षा बैठक की। इसमें मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी शामिल हुईं। मोदी ने यमुना की सफाई को लेकर 3 महीने, डेढ़ साल और 3 साल की योजना बनाकर काम करने के निर्देश दिए। सफाई की रियल टाइम निगरानी का निर्देश दिया। पेयजल की समस्या दूर करने पानी की बर्बादी रोकने पर भी जोर दिया है। यमुना की सफाई के लिए व्यापक अर्बन रिवर मैनेजमेंट प्लान को तैयार किए जाने की योजना है। इसे राजधानी के मास्टर प्लान से जोड़ा जाएगा। पीएम ने यमुना को जनांदोलन का स्वरूप देने और जनता की भागीदारी को बढ़ावा देने पर बल दिया। मोदी ने छठ पूजा में यमुना किनारे नागरिकों को बेहतर अनुभव देने के लिए ठोस प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। बैठक में यमुना को साफ करने की योजना पर विस्तार से बात हुई।

नए अध्यक्ष को लेकर मोदी शाह और राजनाथ में मंथन

नई दिल्ली, जेएनएन। भाजपा के अध्यक्ष पद के चुनाव से पहले संगठनात्मक चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में उनके निवास पर एक अहम बैठक हुई, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा के महासचिव बीएल संतोष शामिल रहे। पार्टी अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया एक हफ्ते में शुरू होने की उम्मीद है। सूत्रों के अनुसार बैठक में विगत बुधवार को कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, बंगाल और मध्य प्रदेश के अध्यक्षों के नामों पर विचार किया गया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव भी फरवरी, 2025 तक ही पूरा हो जाना था, लेकिन हरियाणा समेत कुछ राज्यों में चुनाव के चलते इसमें देरी हो गई। पार्टी सूत्रों का कहना है कि 20 अप्रैल के बाद भाजपा अध्यक्ष को चुनने की प्रक्रिया कभी भी शुरू कर दी जाएगी। अगले दो-तीन दिनों में आधा दर्जन प्रदेश अध्यक्षों के नामों की घोषणा कर दी जाएगी।

2020 से जेपी नड्डा ने संभाल रखा है अध्यक्ष पद : जनवरी, 2020 से जेपी नड्डा ने अध्यक्ष पद संभाला हुआ है, लेकिन अब उनका स्थान लेने वाले नेता की तलाश जोरशोर से जारी है। भाजपा के संविधान के अनुसार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यकाल तीन साल के लिए ही होता है, लेकिन नड्डा को विस्तार मिलता आ रहा था। माना जाता है कि भाजपा को एक युवा पार्टी अध्यक्ष की तलाश है।

वीडियो वायरल पर भड़की राव की बहन प्रीतिका

नई दिल्ली, जेएनएन। बॉलीवुड अभिनेत्री अमृता राव की बहन प्रीतिका राव कुछ टीवी सीरियल्स में काम कर चुकी हैं। प्रीतिका ने करियर की शुरुआथ मॉडलिंग से की थी। फिर उन्होंने साल 2010 में आई फिल्म चिक्कू बुक्कू से तमिल इंडस्ट्री में कदम रखा। तमिल और कन्नड़ इंडस्ट्री में काम करने के बाद प्रीतिका ने 2013 में छोटे पर्दे पर एंट्री ली। वो सीरियल बेइंतहां, फिर लव का है इंतजार और लाल इश्क जैसे शोज में नजर आईं। बेइंतहां से प्रीतिका को काफी ज्यादा पहचान मिली। वहीं इस सीरियल में उनका नाम को-स्टार हर्षद अरोड़ा के साथ जोड़ा गया। हाल ही में एक यूजर ने हर्षद अरोड़ा के साथ उनके रोमांटिक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिसे एक्ट्रेस ने जमकर लताड़ लगाई। यूजर को सबक सिखाते हुए उन्होंने हर्षद को वूमनाइजर भी कहा। दरअसल, रेडिट पर प्रीतिका की इंस्टाग्राम यूजर के साथ चैट का कथित स्क्रीनशॉट सामने आया। स्क्रीनशॉट में अभिनेत्री को हर्षद के साथ चुनिंदा वीडियो शेयर करने के लिए यूजर की फटकार लगाते हुए देखा जा सकता है। इसके साथ ही उन्होंने हर्षद के बारे में कई बाते बोलीं।

जमकर लगाई लताड़

प्रीतिका ने कथित तौर पर यूजर को मैसेज किया, शर्म आनी चाहिए! इन वीडियो को पेज पर डालने के लिए, जबकि मैंने आपसे बार-बार अनुरोध किया है कि आप मेरे वीडियो को ऐसे आदमी के साथ पोस्ट न करें जो इंडस्ट्री में मिलने वाली हर महिला के साथ सोता है! उन्होंने नोट भी लिखा, आप मेरी आत्मा की इच्छा के विरुद्ध कुछ कर रहे हैं! कर्मा आपका है! इसका सामना करें! बेइंतहां में प्रीतिका के साथ शिवांगी जोशी, सुचित्रा पिल्लई, नावेद असलम और अन्य ने भी प्रमुख भूमिकाएं निभाईं। यह शो बहुत हिट रहा और प्रशंसकों को प्रीतिका और हर्षद के बीच की केमिस्ट्री बहुत पसंद आई।

सबसे लंबी रेल सुरंग टनल-8 का कार्य पूरा

ऋषिकेश/कर्णप्रयाग। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग ब्रॉड गेज रेल परियोजना के तहत 14.57 किमी लंबी सौड-जनासू सुरंग का पहला ब्रेकथ्रू सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया। यह ऐतिहासिक पल केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी की उपस्थिति में जनासू छोर पर संपन्न हुआ। इस उपलब्धि को 'शक्ति' नामक टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) द्वारा अंजाम दिया गया, जिसने मुख्य सुरंग की अंतिम चट्टान को भेदते हुए सुरंग को पार कर लिया। एक अन्य टीबीएम 'शिवा' के जरिए समानांतर सुरंग का कार्य जारी है, और इसका ब्रेकथ्रू जुलाई 2025 तक होने की उम्मीद है।

जैसे ही सुरंग की अंतिम परत टूटी, मौके पर मौजूद इंजीनियरों, अधिकारियों और मजदूरों में खुशी की लहर दौड़ गई। सभी ने वंदे मातरम के जयघोष के साथ एक-दूसरे को गले लगाकर यह गौरवपूर्ण पल मनाया।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्वयं स्थल का दौरा कर कार्य की प्रगति की समीक्षा की और निर्माण टीम को उनके परिश्रम, संकल्प और कठिन भूगोल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सराहा।

सौड-जनासू सुरंग इस महत्वाकांक्षी 125 किमी लंबी ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो देवप्रयाग, श्रीनगर, रुद्रप्रयाग, गौचर और कर्णप्रयाग जैसे पाँच जिलों को जोड़कर उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में कनेक्टिविटी को नई दिशा देने का कार्य करेगी। इस रेल मार्ग का 83प्रतिशत से अधिक हिस्सा सुरंगों से होकर गुजरता है, जिससे इसका निर्माण तकनीकी रूप से अत्यंत चुनौतीपूर्ण है। यह ब्रेकथ्रू न केवल इंजीनियरिंग की उत्कृष्टता का प्रतीक है, बल्कि यह सरकार की दूरस्थ क्षेत्रों तक मजबूत आधारभूत संरचना और कनेक्टिविटी पहुंचाने की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

खुलासा | वैज्ञानिकों के पास अब तक का सबसे पुख्ता प्रमाण, एक्सोप्लैनेट पृथ्वी से 8.5 गुना बड़ा

पृथ्वी से 120 प्रकाश वर्ष दूर मिले जीवन के संकेत

नई दिल्ली, जेएनएन। अंतरिक्ष में छुपे रहस्यों को खोजने को लेकर वैज्ञानिकों में हमेशा होड़ रही है। अब सौरमंडल के बाहर जीवन की तलाश कर रहे विज्ञानियों को बड़ी कामयाबी मिली हैं। शोधकर्ताओं ने कहा है कि सौरमंडल के बाहर के एक ग्रह पर डाइमिथाइल सल्फाइड और डाइमिथाइल डाइसल्फाइड के निशान मिले हैं, जो धरती पर समुद्री जीवों द्वारा जैव रासायनिक प्रक्रिया के तहत बनते हैं। यह सौरमंडल के बाहर जीवन का अब तक का सबसे ठोस साक्ष्य है। हालांकि, इस संबंध में और अधिक डाटा जुटाने की जरूरत है। के2-18 बी नाम का एक्सोप्लैनेट पृथ्वी से 8.5 गुना बड़ा है। यह एक्सोप्लैनेट पृथ्वी से 120 प्रकाश वर्ष दूर है।

यह के2-18 तारे की परिक्रमा करता है। अध्ययन में ब्रिटेन के कैंब्रिज विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में नासा के जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप से मिले डाटा का विश्लेषण किया गया गया है। इस एक्सोप्लैनेट पर डाईमिथाइल सल्फाइड और डाईमिथाइल डाइसल्फाइड के निशान पाए गए, जो पृथ्वी पर समुद्री फाइटोप्लांकटन जैसे सूक्ष्मजीव जैव रासायनिक प्रक्रिया के तहत उत्पादित करते हैं। यह अध्ययन एस्ट्रोफिजिकल जर्नल लेटर्स में प्रकाशित हुआ है।

इसकी स्वतंत्र समीक्षा की जानी है। एस्ट्रोफिजिकल जर्नल लेटर्स में प्रकाशित 2023 के अध्ययन में, टीम ने के2-18 के वायुमंडल में कार्बन युक्त गैसों-मीथेन और कार्बन डाईऑक्साइड के साक्ष्य जुटाए थे। इस पर हाइड्रोजन भी प्रचुर मात्रा में मिला था। मधुसूदन ने कहा, हमें नहीं पता था कि पिछली बार जो संकेत हमने देखा था, वह (डाईमिथाइल सल्फाइड) के कारण था या नहीं, लेकिन इसका संकेत मात्र ही हमारे लिए इतना रोमांचक था कि हमने एक अन्य उपकरण का उपयोग करके जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप से इसे दोबारा देखा। इस बार हमने पहले से भिन्न उपकरण का उपयोग किया है तथा प्रकाश की तरंगदैर्घ्य की रेंज भी अलग है।

बाजार पर नजर

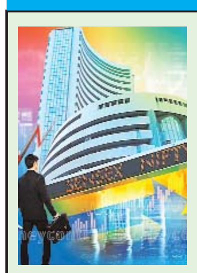

शेयर बाजार में आज

+1509 78,000

Nifty 50 Top Gainers

Scrip	High	%Gain
Eternal	236.14	4.29%
ICICI Bank	1,408.90	3.71%
Bharti Airtel	1,897.70	3.65%
Sun Pharma	1,758.00	3.45%
Bajaj Finserv	2,039.70	3.36%

Nifty 50 Top Losers

Scrip	Close	%Loss
Wipro	247.65	-4.34%
Hero Motocorp	3,781.90	-0.27%
JSW Steel	1,009.40	-0.22%
Tech Mahindra	1,308.70	-0.15%
Coal India	399.25	-0.10%

फोरेक्स रेट

	मुद्रा	बिक्री
$	डॉलर	85.37
€	यूरो	97.106
¥	येन	05.98
£	पौंड	113.06

विदेशी निवेश से बाजार में उत्साह, सेंसेक्स 1509 और निफ्टी 414 अंक ऊपर चढ़ा

मुंबई, जेएनएन। स्थानीय शेयर बाजार में बृहस्पतिवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में तेजी का सिलसिला जारी रहा और बीएसई सेंसेक्स 1,509 अंक चढ़ गया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में 414 अंक की बढ़त रही। अमेरिका और जापान के बीच व्यापार वार्ता के सफल होने की उम्मीद के बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों के घरेलू शेयर बाजार में निवेश के बाद निवेशक उत्साहित नजर आयें। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,508.91 अंक यानी 1.96 प्रतिशत उछलकर 78,000 अंक के स्तर को फिर से प्राप्त करते हुए 78,553.20 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,572.48 अंक तक चढ़ गया था। बीएसई में 2,427 शेयर बढ़त में रहे, जबकि 1,522 में गिरावट दर्ज की गयी। 157 के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 414.45 अंक यानी 1.77 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,851.65 अंक पर बंद हुआ। चार दिन की तेजी में सेंसेक्स 4,706.05 अंक यानी 6.37 प्रतिशत चढ़ा है, जबकि निफ्टी 1,452.5 अंक यानी 6.48 प्रतिशत की बढ़त में रहा। लेमन मार्केट्स डेस्क के विश्लेषक सतीश चंद्र अलूरी ने कहा, मानक सूचकांकों ने बृहस्पतिवार को तेज बढ़त दर्ज की और लगातार चार सत्रों की तेजी से सप्ताह का अंत उच्च बढ़त पर किया। मझोली और छोटी कंपनियों के शेयर भी बढ़त के साथ बंद हुए।

नुकसान में खुले बाजार में तेजी वापस लौटी

उन्होंने कहा, अमेरिकी सूचकांकों में बुधवार की तेज गिरावट के बाद कमजोर वैश्विक संकेतों के कारण बाजार नुकसान में खुले। शुरुआती झटकों के बाद, बाजार में तेजी वापस लौटी और अंत में यह अच्छी बढ़त के साथ बंद हुआ। इसका कारण निवेशकों की नजर अब कंपनियों के तिमाही परिणाम जैसे घरेलू कारकों पर है। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में इटर्नल लि. (पूर्व में जोमैटो) आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, सन फार्मा, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, टेक महिंद्रा और मारुति के शेयर नुकसान में रहे। मझोली कंपनियों से जुड़ा बीएसई मिडकैप सूचकांक 0.56 प्रतिशत चढ़ा जबकि छोटी कंपनियों से संबंधित स्मॉलकैप सूचकांक 0.52 प्रतिशत के लाभ में रहा।

विदेशी निवेशकों ने 3936 करोड़ शेयर खरीदे

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 3,936.42 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। मंगलवार को एफआईआई ने 6,065.78 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे थे। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख रहा। अमेरिकी बाजार में बुधवार को गिरावट रही थी। अमेरिका और जापान फिलहाल जवाबी शुल्क पर बातचीत कर रहे हैं। इसका मकसद द्विपक्षीय व्यापार समझौता करना है। निवेशक सकारात्मक परिणाम की उम्मीद कर रहे हैं। जियोजीत इनवेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, वित्तीय कंपनियों की अगुवाई में बड़ी कंपनियों (लार्ज कैप) के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिली। बचत जमा पर ब्याज दर में बदलाव से मार्जिन में सुधार की उम्मीद से वित्तीय कंपनियों के शेयर बढ़त में रहे। इसके अलावा, एफआईआई की लिवाली आने से भी धारणा सकारात्मक बनी है। हालांकि, तेजी के इस रुख के बने रहने को लेकर अनिश्चितता है। उन्होंने कहा, हालांकि, अमेरिका-जापान के बीच व्यापार वार्ता का सकारात्मक परिणाम आने की उम्मीद और चीन तथा अमेरिका के बीच व्यापार तनाव से बाधा कम होने से घरेलू बाजार में धारणा मजबूत हुई है। इसके अलावा मुद्रास्फीति में कमी और इसके संतोषजनक स्तर पर आने से भी बाजार पर सकारात्मक प्रभाव हुआ है। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.94 प्रतिशत बढ़कर 66.47 डॉलर प्रति बैरल रहा।

तमिलनाडु सरकार ने मंदिरों का सोना पिघलाकर 17 करोड़ कमाए

सोने को एसबीआई की योजना में किया निवेश

चेन्नई, जेएनएन। तमिलनाडु के 21 मंदिरों में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए 1,000 किलोग्राम से अधिक सोने के सामान को पिघलाकर 24 कैरेट की छड़ों में बदल दिया गया और बैंकों में जमा कर दिया गया। सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि सोने की छड़ों के इस निवेश से उसे सालाना 17.81 करोड़ रुपये का ब्याज मिल रहा है।

मंदिरों में चढ़ाए गए सोने के ऐसे सामान, जिनका इस्तेमाल नहीं किया गया था, उन्हें मुंबई स्थित सरकारी टकसाल में पिघलाकर 24 कैरेट की छड़ों में बदल दिया गया और स्वर्ण निवेश योजना के तहत भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) में निवेश कर दिया गया। हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ निधि विभाग के मंत्री पी के शेखर बाबू द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत नीति लेख में कहा गया, निवेश से अर्जित ब्याज का उपयोग संबंधित मंदिरों के विकास के लिए किया जाता है।

योजना के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए राज्य के तीनों क्षेत्रों के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की अध्यक्षता में तीन समितियां गठित की गई हैं। सोने की छड़ों के 31 मार्च तक के निवेश का ब्योरा देते हुए लेख में कहा गया, प्रदेश के 21 मंदिरों से प्राप्त 10,74,123.488 ग्राम शुद्ध सोने पर प्रति वर्ष 17.81 करोड़ रुपये का ब्याज प्राप्त हुआ, जो निवेश के समय सोने के मूल्य के अनुसार निर्धारित किया गया।

मंदिरों में से, तिरुचिरापल्ली जिले के समयपुरम में अरुलमिगु मरिअम्मन मंदिर ने निवेश योजना के लिए सबसे अधिक 4,24,266.491 ग्राम (लगभग 424.26 किलोग्राम) सोना दिया। मानव संसाधन एवं संवर्द्धन विभाग के नियंत्रण में मंदिरों में 'अप्रयुक्त एवं अनुपयोगी' चांदी की वस्तुओं को सरकार द्वारा अनुमोदित निजी चांदी प्रगलन कंपनियों द्वारा मंदिर परिसर में तीन न्यायाधीशों की अध्यक्षता वाली क्षेत्रीय समितियों की उपस्थिति में शुद्ध चांदी की सिल्लियों में पिघलाने की अनुमति दी गई है।

बयान के अनुसार, तदनुसार, वर्तमान में मंदिरों में बिना उपयोग की चांदी की वस्तुओं को पिघलाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुब्रह्मण्य बोले

3 साल में जर्मनी और जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ देंगे हम

नयी दिल्ली, जेएनएन। नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बी. वी. आर. सुब्रह्मण्यम ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अगले तीन साल में जर्मनी और जापान को पीछे छोड़ देगी और 2047 तक यह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकती है। सुब्रह्मण्यम ने यहां एक कार्यम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत दुनिया के लिए शिक्षा का केंद्र बन सकता है, क्योंकि अन्य सभी चीजों से परे लोकतंत्र इसकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा,फिलहाल भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अगले वर्ष के अंत तक हम चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। उसके बाद वाले साल में हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो जाएंगे। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था का आकार वर्तमान में 4,300 अरब अमेरिकी डॉलर है। उन्होंने कहा, हम तीन वर्ष में जर्मनी और जापान को पीछे छोड़ देंगे। 2047 तक हम दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (30,000 अरब अमेरिकी डॉलर) बन सकते हैं। सुब्रह्मण्यम ने विधि और लेखा कंपनियों सहित सभी भारतीय फर्मों से विश्व में अग्रणी बनने की आकांक्षा रखने का आग्रह किया। नीति आयोग के सीईओ ने कहा कि मध्यम आय वाले देशों की समस्याएं, कम आय वाले देशों की समस्याओं से बेहद अलग हैं। उन्होंने कहा, यह गरीबों को भोजन देने या लोगों को कपड़े उपलब्ध कराने के बारे में नहीं है। यह इस बारे में है कि आप ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था कैसे बनें। सुब्रह्मण्यम ने कहा कि दुनिया ने कभी ऐसी स्थिति नहीं देखीजहां जनसंख्या घटेगी। उन्होंने दावा किया कि जापान 15,000 भारतीय नर्सों तथा जर्मनी 20,000 स्वास्थ्यकर्मियों की सेवाएं ले रहा है, क्योंकि उनके पास ऐसे पेशेवर लोग नहीं हैं। वहां पारिवारिक व्यवस्थाएं ध्वस्त हो गई हैं। सुब्रह्मण्यम ने कहा,भारत विश्व भर में कामकाजी आयु वर्ग के लोगों का एक स्थिर आपूर्तिकर्ता होगाज्यह हमारी सबसे बड़ी ताकत होगी।

विप्रो का शेयर 4 प्रतिशत गिरा

मुंबं, जेएनएन। वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में उम्मीद के मुताबिक नतीजे नहीं होने के चलते आईटी सर्विस कंपनी विप्रो के शेयर में गुरुवार, 4.14 प्रतिशत की गिरावट रही। दिन के कारोबार में इसमें 6 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई। जनवरी-मार्च तिमाही में कन्सॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 26 प्रतिशत बढ़कर 3,570 करोड़ रुपए रहा। पिछले साल की समान तिमाही में ये 2,835 करोड़ रुपए रहा था। रेवेन्यू 1.33 प्रतिशत बढ़कर 22,504 करोड़ रुपए रहा विप्रो का रेवेन्यू सालाना आधार पर 1.33 प्रतिशत बढ़कर 22,504 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 22,208 करोड़ रुपए रहा था। वहीं तिमाही आधार पर कंपनी का नेट प्रॉफिट 6.44 प्रतिशत बढ़ा है।

बिना अनुमति चल रहे अस्पताल में बीएएमएस डॉक्टर कर रहा था एलोपैथिक इलाज, सील

एसडीएम ने कार्रवाई के लिए थाने में की शिकायत

जागरण, जबलपुर। बिना अनुमति चल रहे एक हॉस्पिटल में बीएएमएस डॉक्टर एलोपैथिक पद्धति से इलाज करते पाया गया। जिला प्रशासन ने गुरुवार को अस्पताल को सील कर दिया है। कार्रवाई बिलहरी क्षेत्र में फर्जी डिग्री और बिना अनुमति के संचालित हो रहे एक अस्पताल पर की गई। रांझी एसडीएम आरएस मरावी ने गरुड़ दल के साथ मौके पर छापा मारा। यहां डॉक्टर दिव्यांश सुलखिया द्वारा संचालित 'सुलखिया हॉस्पिटल' का रजिस्ट्रेशन नहीं था और अनुमति के बिना ही मरीजों का इलाज चल रहा था। दल ने मौके से एलोपैथिक दवाइयां और इलाज के सबूत मिलने के बाद अस्पताल को तत्काल सील कर दिया। एसडीएम आरएस मरावी ने बताया कि जांच के दौरान अस्पताल में 10 बेड, नर्सिंग स्टाफ और इलाजरत मरीज मिले। डॉक्टर दिव्यांश खुद मरीजों को एलोपैथिक दवाएं दे रहे थे। पूछताछ में

उन्होंने बीएएमएस (आयुर्वेद) की डिग्री होना बताया, लेकिन एलोपैथी पद्धति से इलाज कर रहे थे। इसके बाद जब दस्तावेज मांगे गए तो अस्पताल के संचालन से जुड़ी कोई अनुमति या रजिस्ट्रेशन उपलब्ध नहीं करा सके। मौके पर मौजूद टीम को वहां भर्ती मरीज मिले। मरीजों ने बताया कि वे लंबे समय से यहां इलाज करा रहे हैं, लेकिन उन्हें कभी यह जानकारी नहीं मिली कि डॉक्टर एलोपैथी की विधिवत योग्यता नहीं रखते। जांच में अस्पताल के अंदर डॉक्टर का केबिन, पलंग, दवाइयां, और स्टाफ सक्रिय रूप से काम करता मिला, जब टीम ने पूछताछ शुरू की तो डॉक्टर संतोषजनक जवाब नहीं दे सके।

रिमांड खत्म होने के बाद कोर्ट में पेश आरोपी डॉ. बोला-मेरी सर्जरी का सक्सेस रेट 92 प्रतिशत

दमोह के फर्जी डॉक्टर की रिमांड एक दिन बढ़ी

जागरण, दमोह। मिशन अस्पताल में 7 हृदय रोगियों की मौत के मामले में फर्जी डॉक्टर नरेंद्र यादव उर्फ एन जॉन केम को रिमांड पूरी होने पर गुरुवार को कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस ने आरोपी की एक और दिन की रिमांड मांगी, जिसे न्यायालय ने मंजूर कर लिया। पुलिस रिमांड पूरी होने पर जैसे ही आरोपी डॉक्टर को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया वहां उसने अपना पक्ष रखा। आरोपी डॉक्टर ने न्यायाधीश को बताया कि उसने जितनी भी सर्जरी की हैं, उसमें उसका सक्सेस रेट 92 प्रतिशत है, जो एक सर्जन के लिए बेहतर प्रतिशत है। मिशन अस्पताल में सिर्फ पांच मौत हुई हैं, उसने ये भी बताया कि उसकी एमबीबीएस की डिग्री असली है, उसका रजिस्ट्रेशन भी है और उसने अपना नाम बदलने के लिए जो सरकारी प्रक्रिया होती है उसके सभी मापदंडों को पूरा किया है। **अभी कुछ पूछताछ बाकी:** दमोह पुलिस ने आरोपी डॉक्टर को 7 अप्रैल को प्रयागराज से गिरफ्तार किया था, उसी रात उसे दमोह लाया गया। 8 अप्रैल को उसे न्यायालय में पेश किया। पुलिस ने पहले 5 दिन की रिमांड मांगी, जो मंजूर हुई। फिर 13 अप्रैल को 4 दिन की रिमांड भी मिली। सीएसपी अभिषेक तिवारी ने बताया कि जांच में कुछ पूछताछ अभी बाकी है। कुछ दस्तावेज भी एकत्रित करने हैं, इसलिए एक दिन की अतिरिक्त रिमांड मांगी गई। मालूम हो कि विगत दिवस मिशन अस्पताल को सीएमएचओ ने तत्काल प्रभाव से बंद करने का आदेश जारी किया था। सीएमएचओ मुकेश जैन ने बताया कि अस्पताल को लाइसेंस रिन्यूअल के लिए आवश्यक दस्तावेज जमा करने का एक सप्ताह का समय दिया था, लेकिन अस्पताल प्रबंधन ने मांगे गए दस्तावेजों को ऑनलाइन जमा नहीं किया। अस्पताल का पंजीयन 31 मार्च 2025 तक वैध था। सीएमएचओ के आदेश के अनुसार अस्पताल में मौजूद मरीजों को 3 दिन के भीतर जिला अस्पताल में शिफ्ट करना होगा।

पीएनबी सियागंज शाखा को उड़ाने की धमकी

जागरण, इंदौर। प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की सियागंज शाखा को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। जीजी टावर स्थित ब्रांच को ई-मेल के जरिए धमकी दी गई थी। इसमें लिखा था कि 2 बजे बैंक को बम से उड़ा दिया जाएगा। सूचना मिलने के बाद पुलिस, बम निरोधक दस्ता और स्नीफर डॉग टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद सभी को बैंक से बाहर निकाल दिया और हर जगह बारिकी से जांच की। इस दौरान कोई भी विस्फोटक या संदिग्ध सामान बरामद नहीं हुआ है। पुलिस ने बैंक के आस-पास सुरक्षा बढ़ा दी है। इसके साथ ही इस बात की जांच की जा रही है कि धमकी वाला ई-मेल कहां से आया है और किसने भेजा है और इसके पीछे उसका क्या मकसद था। मालूम हो कि बीते दिन छत्तीसगढ़ के कवर्धा कलेक्ट्रेट कार्यालय को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिला था। इसके बाद यहां अफरा-तफरी मच गई थी।जांच में मेल को कश्मीर से भेजा जाना पाया गया। धमकी भरा मेल आते ही कलेक्टर व एसपी कलेक्ट्रेट पहुंच गए। वहां हाई अलर्ट घोषित कर कर्मचारियों को बाहर निकाला गया। आम लोगों की आवाजाही रोक दी गई। बम स्क्वॉड और स्निफर डाग की सहायता से परिसर को खंगाला, लेकिन यहां कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। पुलिस अब साइबर सेल की मदद से मेल भेजने वालों की तलाश में जुटी है।

बुंदेलखंड एक्सप्रेस रेलवे ट्रैक पर फंसी जीप से टकराई, 35 मिनिट खड़ी रही

जागरण, टीकमगढ़। झांसी जिले में आने वाले मगरपुर गांव के पास बुंदेलखंड एक्सप्रेस ट्रेन रेलवे ट्रैक पर फंसी जीप (बोलेरो) से टकरा गई। इससे ट्रेन में सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया। हादसे के कारण ट्रेन को करीब 35 मिनट रोकना पड़ा। जानकारी अनुसार ग्वालियर से प्रयागराज की ओर जाने वाली बुंदेलखंड एक्सप्रेस ट्रेन उप्र के मगरपुर ट्रैक के समीप पहुंची थी। ट्रेन गुजरने के पहले से ही यहां रेलवे ट्रैक पर एक जीप फंसी हुई थी। ट्रैक पर जीप फंसी देखकर लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक भी लगाए, लेकिन जीप इंजन की चपेट में आ गई। इससे जीप के परखच्चे उड़ गए। हालांकि, घटना में किसी व्यक्ति को कोई चोटें नहीं पहुंची है।

ट्रेन को आते देख गाड़ी छोड़कर भागे

दरअसल, बुधवार और गुरुवार की दरम्यानी रात करीब एक बजे मगरपुर रेलवे स्टेशन के ट्रैक से एक जीप निकलने के दौरान फंस गई थी। जीप के फंसे होने के बाद उसे निकालने के लिए उसमें सवार लोग काफी प्रयास करते रहे। लेकिन वह जीप रेलवे ट्रैक से नहीं निकल सकी। इसी दौरान ग्वालियर से प्रयागराज जाने वाली बुंदेलखंड एक्सप्रेस आ गई। ट्रेन को आता देखकर वाहन चालक और सवार वहां से भाग खड़े हुए। इसी बीच ट्रेन के लोको पायलट को वाहन फंसा हुआ दिखने पर उसने इमरजेंसी ब्रेक लगाए, लेकिन वाहन फिर भी टकरा गया।

चालक और मालिक को ढूंढ रही पुलिस

घटना की सूचना के बाद मौके पर आरपीएफ-जीआरपी के अधिकारी पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद वाहन को निकाला गया। इस दौरान करीब 35 मिनट ट्रेन लेट हुई। साथ ही अब पुलिस वाहन चालक और मालिक की तलाश में जुट गई है। रेलवे के पीआरओ मनोज कुमार सिंह के अनुसार शादी समारोह से लौटने के संबंध में कुछ सामग्री वाहन में मिली है। इससे स्पष्ट होता है कि शादी समारोह से वाहन लौटा है। लेकिन वाहन किसका है, यह पता लगाया जा रहा है।

झोपड़ी में आग लगने से पांच साल की मासूम जिंदा जली

जागरण, ग्वालियर। एक झोपड़ी में आग लगने से 5 साल की मासूम बच्ची जिंदा जल गई। हादसे के दौरान बच्ची अकेली थी। जब फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची झोपड़ी पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। घटना डबरा में भितरवार की आदिवासी कॉलोनी गाजना में बुधवार देर रात को हुई। अरविंद आदिवासी 5 साल की सुहानी को झोपड़ी में छोड़कर ईंट के भट्टे पर गया था। अरविंद और उसकी पत्नी ईंट भट्टे पर काम करते हैं, उस दिन पत्नी और छोटी बेटी भट्टे पर थे। अरविंद उन्हें लेने गया, उसी दौरान झोपड़ी में आग लग गई। सूचना पर एसडीओपी जितेंद्र नगाइच, थाना प्रभारी बेलगड़ा अजय सिकरवार और तहसीलदार भीतरवार धीरज सिंह परिहार मौके पर पहुंचे। भितरवार से फायर ब्रिगेड भी आई, लेकिन झोपड़ी जल चुकी थी। ।

भाजपा विधायक ऊषा ठाकुर की वोट बेचने वालों को अनोखी नसीहत

मेरी भगवान से सीधी बातचीत, जो लोकतंत्र बेचेगा वह अगले जन्म में कुत्ता-बिल्ली बनेगा

जागरण, महू। अपने विवादित बयानों के पहचानी जाने वाली भाजपा विधायक ऊषा ठाकुर ने दावा किया है कि उनकी भगवान से सीधी बातचीत होती है। साथ ही उन्होंने वोट बेचने वालों को नसीहत दी कि जो भी लोकतंत्र को बेचेगा, वह अगले जन्म में ऊंट, भेड़, कुत्ता-बिल्ली बनेगा।

महू से भाजपा विधायक ठाकुर ने विधानसभा क्षेत्र के हासलपुर में एक भूमिपूजन कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने लोकतंत्र की रक्षा पर जोर देते हुए कहा कि कुछ हजार के लिए वोट बेचना देश के साथ गद्दारी है। जब हम वोट डालने जाते हैं, तो अकेले होते हैं। किसी ने कुछ ले दे भी लिया तो ले लो, लेकिन वोट डालते समय ईमान मत गवाओ, वोट तो भाजपा को ही देना, जो राष्ट्र, धर्म, संस्कृति की सेवा करती है। भाजपा विधायक ने जोर देते हुए कहा कि जिसने बेईमानी की, वह जो पैसे, साड़ी, दारू लेकर तटस्थ हुए। सब अपनी डायरी में लिख लेना। पक्का वे अगले जन्म में ऊंट-भेड़-बकरी, कुत्ते-बिल्ली बनने वाले हैं क्योंकि इन्होंने लोकतंत्र बेचा है।

अपना वोट बेचना शर्मनाक

महू विधायक ने वोट बेचने वालों को भाजपा सरकारों की योजनाओं का हवाला भी दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार लाड़ली बहना और केंद्र सरकार किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं से लोगों के खातों में हजारों रुपये भेज रही है। बावजूद इसके 1500 या 5000 रुपये में वोट बेचना शर्मनाक है। उन्होंने जल संरक्षण को महत्व देते हुए लोगों से कहाकि जैसे अपने बच्चों का ध्यान रखते हैं, उसी तरह पानी का भी ध्यान रखें। उसे बर्बाद ना करे। टोंटी खुली पड़ी रहती है और पानी सड़कों पर बहता है।

ऑर्डिनेंस फैक्ट्री को बम से उड़ाने की धमकी

जागरण, इटारसी। रक्षा मंत्रालय के आयुध निर्माणी परिसर में गुरुवार को आए एक धमकी भरे मेल से हड़कंप मच गया। प्रबंधन ने पुलिस अधीक्षक एवं अन्य अधिकारियों को इसकी सूचना देने के साथ ही सारे कर्मचारियों को ऐहतियात के तौर पर बाहर निकाल दिया। इसके साथ ही परिसर के चप्पे-चप्पे की जांच की जा रही है। यह सर्चिंग अगले दो दिन तक चलती रहेगी। ईमेल गुरूवार दोपहर को मिला था। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को सूचना मिलते ही पुलिस स्टाफ, बम स्क्वाड, स्वान दल को लेकर जांच के लिए आयुध निर्माणी परिसर में पहुंचा। हालांकि जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया है। जनसंपर्क अधिकारी ने कहा कि मेल पर आई सूचना गलत थी, लेकिन एहतियात के तौर सुरक्षा बढ़ा दी है।

दहशत मचाने वाली बाघिन को मगधी इंक्लोजर में छोड़ा

जागरण, उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के धमोखर बफर परिक्षेत्र में एक बाघिन ने दहशत मचा रखी थी। पिपरिया बीट क्षेत्र में बाघिन के हमले में एक नाबालिग की मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। इसके बाद वन विभाग ने तत्परता दिखाते हुए बाघिन को सुरक्षित रूप से रेस्क्यू किया। अब बाघिन को मगधी परिक्षेत्र के विशेष रूप से बनाए गए इंक्लोजर में स्थानांतरित किया है। यहां बाघिन की निगरानी और देखभाल के पुख्ता इंतजाम हैं। इंक्लोजर में 20 से अधिक प्रशिक्षित वन्यजीव कर्मियों को तैनात किया है, जो बारीकी से उसकी गतिविधियों पर नजर रखे हैं। धमोखर परिक्षेत्र के अधिकारी विजय श्रीवास्तव ने बताया कि बाघिन पूरी तरह स्वस्थ है।

अमेजन ने मध्य प्रदेश में होम, किचन और आउटडोर बिजनेस में की जबरदस्त वृद्धि

भोपाल। अमेजन.इन ने क्यू1-25 में भोपाल और मध्य प्रदेश में घर, रसोई और आउटडोर व्यवसाय में 20% साल-दर-साल वृद्धि दर्ज की। स्मार्ट होम डिवाइस, फिटनेस और सुरक्षा उत्पादों, रसोई उपकरणों, डीआईवाई उपकरणों, ऑटोमोटिव सामान और बागवानी उपकरणों की बढ़ती मांग के कारण यह वृद्धि हुई। मंच पर नए ग्राहकों की संख्या में भी 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई। एक दिलचस्प रुझान यह था कि कैंपिंग उत्पादों की मांग में भारी उछाल देखा गया, मध्य प्रदेश में इस श्रेणी में 80 प्रतिशत और भोपाल में 145 प्रतिशत की वृद्धि हुई। टेंट की बिक्री में 570प्रतिशत की साल-दर-साल वृद्धि देखी गई। इसके अतिरिक्त, आईपीएल सीजन में क्रिकेट से संबंधित वस्तुओं की मांग में भी उछाल देखा गया, शहर में बिक्री 40 फीसदी साल-दर-साल बढ़ी। अमेजन प्राइम सदस्य अब 10 हजार रुपये या उससे अधिक मूल्य के घरेलू और रसोई उपकरणों की खरीद पर 1,200 रुपये तक की छूट और एक हजार रुपये या उससे अधिक मूल्य के रसोई के आवश्यक सामानों पर 150 रुपये की फ्लैट छूट का लाभ उठा सकते हैं। भोपाल में आज आयोजित एक दिवसीय कार्यक्रम के दौरान अमेज़न.इन को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिसमें फर्नीचर, घरेलू आवश्यक वस्तुएं, रसोई और उपकरण, गृह सज्जा और लाइटिंग, खेल और फिटनेस, इलेक्ट्रिक वाहन, ऑटो सहायक उपकरण, आउटडोर और बागवानी जैसी श्रेणियों के उत्पाद प्रदर्शित किए गए।

जल गंगा संवर्धन अभियानः बिछिया नदी के उद्गम स्थल पर पंचायत मंत्री ने की पूजा-अर्चना

बिछिया नदी के उद्गम स्थल को जीवंत बनाये रखने में ग्रामवासी सहभागी बनें : पंचायत मंत्री

ग्रामीणों से किया जन संवाद, ग्रामसभा में हुए सम्मिलित

देवतालाब विधायक ने तालाबों के आस्तित्व पर जताई चिंता, बोले सिर्फ 850 ही बचे

रीवा। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने मऊगंज जिले के खैरा ग्राम में बिछिया नदी के उद्गम स्थल में पूजा-अर्चना की। उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में नदी के उद्गम स्थल में पुष्प अर्पित कर दुग्ध अभिषेक किया।

जन भागीदारी से जल संचयन के संकल्प के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम में मंत्री प्रहलाद पटेल ने ग्रामीणजनों से संवाद करते हुए ग्रामसभा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में मंत्री श्री पटेल ने कहा कि बिछिया नदी के उद्गम स्थल में फैंसिंग कराकर वर्षाकाल में पौधारोपण करें। उन्होंने कहा कि खैरा की पुण्य भूमि नदी का उद्गम स्थल है। यहाँ के निवासियों को भू जल स्तर बनाये रखने के लिए इसे हरा-भरा बनाना होगा। पौधारोपण से आने वाली पीढ़ी का भविष्य संवरेगा। भू जल स्तर में आ रही कमी व जल संकट को चुनौती के तौर पर स्वीकार करते हुए इससे निपटने के लिए समवेत होने का उन्होंने आहवान किया।

मिलने वाली राशि से पंचायतों में कराए जाएं कार्य

ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल ने कहा कि इस वर्ष तीन माह तक जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। जल संरक्षण व संवर्धन के कार्य प्राथमिकता से कराए जाकर वृक्षारोपण की तैयारी व पुराने जल स्त्रोतों के संरक्षण व पुर्नरुद्धार के कार्य इस दौरान किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी पंचायतों में भवन बनाने, सामुदायिक भवन निर्माण व जनपद पंचायतों के भवन निर्माण के कार्य कराए जाएंगे। श्री पटेल ने कहा कि पंचायतों के कार्य की प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए। विभिन्न मदों से प्राप्त होने वाली राशि से पंचायतों में आवश्यकतानुसार कार्य कराए जाएं तथा आवास प्लस की सूची में पात्र हितग्राहियों के नाम शामिल कराएं।

अब सिर्फ 850 तालाब ही बचे, जो चिंतनीय है : गिरीश गौतम

इस अवसर पर विधायक देवतालाब गिरीश गौतम ने कहा कि जल को सहेजने व प्राकृतिक जल संरचनाओं के संरक्षण का कार्य बेहतर ढंग से किया जाए। रीवा व मऊगंज जिले में गत वर्षों में 2167 तालाब थे जो अब मात्र 850 रह गए हैं। हमें इस बात की चिंता करनी होगी और जल संरक्षण में सभी को भागीदारी निभानी होगी। उन्होंने कहा कि प्राचीनकाल में जब जल संकट नहीं था तब भी हमारे पूर्वज भू जल स्तर बनाए रखने के लिए तालाबों का निर्माण करते थे। जल संरक्षण व संवर्धन में सामाजिक चेतना आवश्यक है। सभी को इस कार्य में सहभागी बनना होगा। उन्होंने भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए पानी बचाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर ने आश्वस्त किया कि जल संरक्षण व संवर्धन के कार्य पूरी तत्परता से कराए जाएंगे। ग्रीष्म काल में तैयारी कर वर्षा काल में पौधारोपण का कार्य किया जाएगा। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, जनपद अध्यक्ष नीलम सिंह, स्वामी योगानंद जी, जिला भाजपा अध्यक्ष डॉ राजेन्द्र मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य देवेन्द्र शुक्ला, पूर्व भाजपा अध्यक्ष रीवा डॉ अजय सिंह, सरपंच दुअसिया पटेल, डीआईजी श्री राजेश सिंह चंदेल, कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन, एसपी दिलीप सोनी सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

पारिवारिक उद्यम बन चुकी है कांग्रेस पार्टी : डॉ राजेंद्र

मऊगंज। मऊगंज भाजपा जिला अध्यक्ष डॉक्टर राजेंद्र मिश्रा ने कहा कि नेशनल हेराल्ड प्रकरण महज एक आर्थिक घोटाला नहीं, बल्कि यह नैतिक पतन, सार्वजनिक संपत्ति की लूट और वंशवाद की पराकाष्ठा का ज्वलंत उदाहरण है। यह वही कांग्रेस पार्टी है, जिसने स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा दान की गई संपत्तियों को एक परिवार की निजी जागीर में बदल दिया। गांधी परिवार ने संस्थाओं को जनता की सेवा के लिए नहीं, बल्कि उन्हें एक रियल एस्टेट कंपनी में परिवर्तित कर निजी लाभ के लिए इस्तेमाल किया। श्री मिश्रा ने कहा कि श्रीमती सोनिया गांधी और राहुल गांधी के शेयर होल्डर वाली यंग इंडिया कंपनी को केवल 50 लाख के मामूली निवेश पर नेशनल हेराल्ड को संचालित करने वाली एसोसिएट जर्नल (एजेएल) जैसे बहुमूल्य कंपनी की संपत्तियों को कब्जा दिया गया। इस निर्णय से सोनिया गांधी और राहुल गांधी परिवार को दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, भोपाल और पटना जैसे प्रमुख शहरों में स्थित नेशनल हेराल्ड की अचल संपत्तियों का अधिकार प्राप्त हो गया। यह न केवल धोखाधड़ी है, बल्कि कांग्रेस पार्टी का सार्वजनिक संस्थाओं पर सीधा हमला भी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब कोई लोकतांत्रिक पार्टी नहीं रही, वह एक पारिवारिक उद्यम बन चुकी है। कांग्रेस का यह चेहरा 'गांधी विकास मॉडल' जैसा है, जहां पार्टी का पैसा निजी पूंजी बन जाता है।

गौ-तस्करों पर पुलिस ने अभी तक नहीं की कानूनी कार्यवाही : आरोप

मनगवां, नि.प्र.। मनगवां थाना अंतर्गत बीते 16 अप्रैल को देवगांव गांव में गौ तस्करों द्वारा सैकड़ो गौवंशों को बंधक बनाकर शहडोल जिले लेकर जाने की तैयारी में थे जैसे ही इसकी जानकारी बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को प्राप्त हुई पुलिस बल के साथ तत्काल वहां पर पहुंचकर 9 गौ तस्करों को पुलिस के हवाले कर दिया गया। कुछ दिन पूर्व ही तस्करों को देवतालाब में भी गौ भक्त विपिन गुप्ता द्वारा पकड़ा गया था। तस्कर गुढ़ थाना में भी पकड़ाया गया था। जिला सहसंयोजक एवं गौरक्षा प्रमुख रवि यदुवंशी ने बताया कि मनगवां पुलिस ने आश्वासन दिया कि बुधवार को इन गौवंशों को गौशाला भेजा जाएगा लेकिन अगले दिन वहां पर एक भी गाय नहीं मिली जिससे कई प्रश्न चिन्ह खड़े होते हैं।

मऊगंज में केंद्रीय विद्यालय खोले जाने कलेक्टर ने केंद्र सरकार को भेजा प्रस्ताव

मऊगंज की जनसंख्या, शिक्षा के स्तर और भौगोलिक स्थिति को बनाया आधार

मऊगंज ब्यूरो। मऊगंज में केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग लंबे समय से क्षेत्रवासियों द्वारा की जा रही है। हाल ही में, मऊगंज के कलेक्टर संजय कुमार जैन ने इस संबंध में एक प्रस्ताव तैयार कर केंद्र सरकार को भेजा है, जिससे स्थानीय लोगों की उम्मीदें एक बार फिर जागृत हुई हैं।

कलेक्टर का केन्द्रीय विद्यालय का प्रस्ताव उम्मीद की नई किरण

मऊगंज के कलेक्टर ने स्थानीय जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय विद्यालय खोलने का प्रस्ताव तैयार कर केंद्र सरकार को भेजा है। इस प्रस्ताव में मऊगंज की जनसंख्या, शिक्षा के स्तर और भौगोलिक स्थिति को आधार बनाकर विद्यालय की आवश्यकता को रेखांकित किया गया है। प्रस्ताव में यह भी उल्लेख किया गया है कि मऊगंज में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना से क्षेत्र के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त होगी और उन्हें अन्य जिलों में जाकर पढ़ाई करने की आवश्यकता नहीं होगी।

स्थानीय नेताओं और जनप्रतिनिधियों की भूमिका

मऊगंज में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना के लिए स्थानीय नेताओं और जनप्रतिनिधियों की सक्रियता भी महत्वपूर्ण है। क्षेत्र के विधायक और सांसदों से अपेक्षा की जा रही है कि वे इस प्रस्ताव को केंद्र सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करें और मऊगंज को केंद्रीय विद्यालय की सौगात दिलाने में सहयोग करें। कलेक्टर द्वारा भेजे गए प्रस्ताव से मऊगंज के नागरिकों में आशा की नई किरण जगी है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि केंद्र सरकार इस प्रस्ताव पर क्या निर्णय लेती है। यदि मऊगंज में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना होती है, तो यह क्षेत्र के शैक्षिक विकास में एक महत्वपूर्ण कदम होगा और स्थानीय छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। मऊगंज के नागरिकों को अब केंद्र सरकार के निर्णय की प्रतीक्षा है, जो उनके भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

अवैध पैकारी पर नहीं लग रही लगाम धड़ल्ले से बिक रही अवैध शराब : आरोप

जय महाकाल एसोसिएट के नाम जारी हैं अधिकतर दुकान

नौवस्ता, नि.प्र.। रीवा जिले के चोरहटा थाना क्षेत्र के नौवस्ता चौकी अंतर्गत गांव गांव चल रहे नशे के कारोबार शराब की पैकारियां, गांजे की पुड़िया, कफ सिरप कोरेक्स की शीशियों के साथ ही टेबलेट व इंजेक्शन का अवैध व्यवसाय करने वालों के होश उस समय उड़ते दिखे थे, जब सीएसपी डॉ रितु उपाध्याय जन संवाद करने छिजवार गांव आम नागरिकों के बीच पहुंची थी, तब नौवस्ता क्षेत्र के कई गांवों के समाजसेवी व जनप्रतिनिधि सीएसपी के जनसंवाद में उपस्थित रहे, जिन लोगों ने युवाओं में बढ़ते नशे की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाकर अपराधों में नकेल डालने की बातें तो कही लेकिन किसी ने यह नहीं बताया कि छिजवार शराब दुकान जो गांधी चौराहे से महज 50 मीटर की दूरी में संचालित है, उसकी पैकारियां इस अंचल के गांव गांव चल रही है, जिससे हर गांव के अधिकांश युवा नशे के आदी बन चुके हैं, लेकिन छिजवार सरपंच , नौवस्ता सरपंच सहित सभी लोगों ने खुलकर यह कहा कि यहां रीवा व सतना जिले की सीमा का फायदा नशे के कारोबारी उठाते हैं, रामपुर बाघेलान थाना क्षेत्र से अधिकांश नशे की सामग्री नौवस्ता पुलिस चौकी क्षेत्र में बिक्री होती है। सीएसपी ने उपस्थित नागरिकों को अपना व्हाट्सएप नंबर बताते हुए कहा कि आप लोग हमें सीधे जानकारी दें, जिस पर कार्यवाही होगी सूचना जानकारी देने वालों का नाम गुप्त रखा जाएगा।

समाजसेवी राघवेंद्र त्रिपाठी, रामनरेश शर्मा, राजेश दुबे, अविनाश तिवारी, रामप्रकाश सिंह, आदि लोगों ने बताया कि आबकारी विभाग व पुलिस विभाग के संरक्षण में सगौनी मोड़, गढ़वा, मध्येपुर, सोनरा, नरौरा, बैजनाथ, नौबस्ता, सुमेदा, भोलगढ़, कौआढान आदि तमाम गांवों में खुले आम शराब की पैकारियां चल रही हैं, गांवों के आम संभ्रांत नागरिकों का अमन चैन छिन चुका है, यदि पुलिस के नवागत अधिकारी पुलिस महानिरीक्षक , उपमहानिरीक्षक व एडिशनल एसपी कमरों में बैठके लेकर औपचारिकताएं मात्र करेंगे तो गांवों में चल रहे नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश नहीं लगाया जा सकता।

पंचमुखी हनुमान मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के पहले कलश यात्रा निकाली गई

मनगवां, नि.प्र.। मनगवां बस स्टैंड सब्जी मंडी परिसर में नवनिर्मित श्री108पंचमुखी हनुमान मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह भव्य कलश शोभायात्रा निकालकर किया गया। मनगवां के सभी रामभक्तों के साथ महिलाओं ने भी भाग लिया। शोभायात्रा बस स्टैंड सब्जी मंडी से प्रारंभ हुई आचार्य श्रीनिवास ने वैदिक मंत्रों से कलश में जल भराया। नवनिर्मित पंचमुखी हनुमान मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर गुरुवार को गाजे बाजे के साथ कलश शोभायात्रा निकाली गई। कन्याओं और महिलाओं ने सिर पर कलश लेकर शोभायात्रा में सम्मिलित हुई शोभायात्रा गुढ़ रोड वार्ड 13 अमिरिती स्थिति हनुमान मंदिर में पहुंची और केसरी नंदन हनुमान का आवाहन कर शोभायात्रा गुढ़ मोड़ होते हुए निर्मल पेट्रोल पंप, बस स्टैंड मां दुर्गा मंदिर मनगवां पहुंची। प्रभु श्रीराम और वीर हनुमान का पूजा अर्चना कर आवाहन किया। तत्पश्चात शोभायात्रा मनगवां बाजार, प्रयागराज तिराहा होते नदहा मोड़ स्थित हनुमान मंदिर पहुंची और वहां भी पूजा अर्चना कर शोभायात्रा मनगवां नगर होते हुए बस स्टैंड सब्जी मंडी पहुंची और शोभायात्रा का समापन हुआ और प्राण प्रतिष्ठा समारोह प्रारंभ हुआ आचार्य श्रीनिवास ने बताया कि सोमवार को कलश यात्रा, पंचांग पूजन एवं मंडप प्रवेश प्राण प्रतिष्ठा का शुभ मुहूर्त है। प्राण प्रतिष्ठा में हनुमानजी की प्रतिमा का अन्नाभिषेक फलाभिषेक एवं जलाभिषेक हुआ व सोमवार को पंचमुखी हनुमान जी की प्राण प्रतिष्ठा की इसके बाद हवन व प्रसाद वितरण के साथ पूर्णाहुति के साथ खिचडे का भंडारा के साथ प्रसाद वितरित किया गया।इस प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सब्जी मंडी के व्यापारियों में रामचरित गुप्ता (मुन्नू), दिनेश गुप्ता, मुकुंदीलाल गुप्ता, सुशील गुप्ता, विजय गुप्ता, दशरथ गुप्ता, सुखी गुप्ता,राजेश गुप्ता,ललई गुप्ता, उमेश गुप्ता एवं समस्त नगर वासियों के सहयोग से संपन्न हुआ।

जनता की आवाज बनने वाले पत्रकारों का उत्पीड़न नहीं करेंगे बर्दाश्त : मऊगंज विधायक

नईगढ़ी, नि.प्र.। संवाददाता द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार मऊगंज से बीजेपी विधायक प्रदीप पटेल का कहना है कि जनता की आवाज उठाने वाले पत्रकारों का उत्पीड़न वे बर्दाश्त नहीं करेंगे। बीते दिनों एक व्यक्ति को एक नामी कोरेक्स तस्कर का कर्मचारी बताकर उसकी झूंठी शिकायत पर अपराध दर्ज करने के आरोप लगे हैं। साथ ही संवाददाता द्वारा यह भी जानकारी दी गई है कि उक्त व्यक्ति को बगैर किसी सूचना के एसआई जगदीश ठाकुर द्वारा बलपूर्वक घसीट कर कलेक्टोरेट परिसर से उठा ले जाया गया। घटना की जानकारी लगते ही एसपी ऑफिस पहुंचे मऊगंज विधायक प्रदीप पटेल ने कहा बेलगाम गुंडागर्दी पर उतारू नईगढ़ी थाना प्रभारी के खिलाफ कार्यवाई हो, विधायक ने पत्रकारों से कहा कि हर परिस्थितियों में वे पत्रकारों के साथ हैं। साथ ही यह भी बताया गया कि विधायक ने सीएम को पत्र लिखा है। मोहन सरकार में भोपाल के बाद मऊगंज में पत्रकार पर उत्पीड़नात्मक कार्रवाई, फर्जी एफआईआर दर्ज कराने को लेकर पत्रकार लामबंद हुए साथ ही आवाज बुलंद की है। साथ ही विधायक ने यह भी कहा कि खबरों के संकलन से लेकर ग्राउंड जीरो की रिपोर्टिंग में आने वाली प्रशासनिक अड़चनों, सरकार और उनकी योजनाओं की ज़मीनी हक़ीक़त, पुलिस माफिया गठजोड़ के मामलों को दिखाने पर उसे दूर करने सुधारवादी कदम उठाने की बजाए खामियां उजागर करने, अब सच्चाई को सामने लाने वाले पत्रकारों को ही खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

मानसिक रूप से विक्षिप्त बालिका के साथ दुष्कर्म का आरोपी 24 घण्टे के अन्दर गिरफ्तार

मऊगंज ब्यूरो। पुलिस अधीक्षक मऊगंज दिलीप सोनी के निर्देशन में , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मउगंज विक्रम सिंह, एसडीओपी मऊगंज हिमाली पाठक के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी उप-निरीक्षक जगदीश सिंह ठाकुर के कुशल नेतृत्व मे हमराह स्टाफ द्वारा 15 अप्रैल को फरियादी थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज करायी थी कि मैं अपने मायके गयी थी एवं मेरे पति घर से बाहर मजदूरी करने गये थे इसी समय मेरी लड़की घर पर अकेली थी जो मानसिक रुप से विक्षिप्त है। तभी मेरे घर के बगल में मजदूरी करने आये आरोपी द्वारा मेरे घर के अन्दर घुसकर लड़की के साथ बलात्कार किया गया । फरियादिया की रिपोर्ट पर बलात्कार संबंधित धारा में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। विवेचना दौरान आरोपी श्यामलाल साकेत पिता रामगरीब साकेत उम्र 30 वर्ष निवासी डाभी थाना नईगढ़ी जिला मऊगंज को की पता तलाश की गई जो गांव से भागने लगा जिसे नंईगढी पुलिस द्वारा 20 किमी पीछा कर बराव थाना शाहपुर से घेराबंदी कर 17अप्रैल 25 को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय मऊगंज पेश किया गया ।

किरहाई ग्राम पंचायत में दर्जन भर से ज्यादा हैंड पंप खराब

अतरैला नि.प्र.। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खंड सिरमौर उपखंड जवा ग्राम पंचायत किरहाई में पानी का संकट अब जोरो से गहरा रहा है लोग पानी के लिए इधर से उधर भटक रहे हैं । वही अभी गर्मी पूरी तरह से आई नही है तब ये हाल है गर्मी में पानी की कितनी किल्लत होगी इसी बात से अंदाजा लगाया जा सकता है आपको बता दे कि रीवा जिले के प्रभारी मंत्री सहित जिला कलेक्टर ने पीएचई विभाग की बैठक लेकर साफ तौर पर निर्देष दिए थे की एक हफ्ते के अंदर सभी गावों के खराब पड़े हैंडपंप तत्काल सुधार किए जाए लेकिन कलेक्टर का आदेश केवल हवा हवाई दिखाई दे रहा है। अभी तक पीएचई विभाग द्वारा कही भी सक्रियता नहीं दिखाई है। वही ग्राम पंचायत किरहाई के जलैया जोखूलाल पुर्वा वेलदारन टोला किरहाई में एक दर्जन से ज्यादा हैण्ड पम्प खराब पड़े हुए हैं । लोग पानी के लिए किलो मीटर पैदल चल कर पानी ला रहे हैं। ग्राम पंचायत वासियों का कहना है कि कुछ हैण्ड पम्पो में वाटर लेवल बहुत नीचे चला गया हैं और कुछ की राइजिंग पाइप खराब पड़े हैं । वाटर लेवल नीचे होने वाले बोरो में समर्सिबल की भी जरूरत है।

जल संकट में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : त्योंथर विधायक

विधायक ने ली पीएचई व जल निगम के अधिकारियों की बैठक

त्योंथर ब्यूरो। विधायक सिद्धार्थ तिवारी राज ने विश्राम में लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं जल निगम अधिकारियों के साथ विभाग द्वारा क्षेत्र में चल रही पेयजल योजनाओं के संबंध में चार घंटे से अधिक तक मैराथन बैठक ली। इस दौरान उन्होंने त्योंथर ब्लॉक के अंतर्गत स्वीकृत 82 और जवा ब्लॉक के अंतर्गत 6 पंचायतों में चल रहे प्रत्येक कार्यों की बिंदुवार प्रगति जानी। इस दौरान उन्होंने साफ कर दिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के सर्वोच्च प्राथमिकता वाली पेयजल योजना के काम में लापरवाही और देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी अफसरों को समय पर काम पूरा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों की पेयजल संबंधित समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसमें किसी भी तरह की हीलाहवाली करने वाले वालों को कार्यवाही के लिए तैयार रहना चाहिए। विधायक ने अफसरों को चेतावनी दी कि वे अपनी कार्यशैली में सुधार लाएं और योजना के अंतर्गत संचालित कार्यों से प्राथमिकता पूरा कराए। इस दौरान विधायक सिद्धार्थ तिवारी राज ने अधिकारियों के समक्ष ही दूरभाष पर स्थानीय लोगों से बात कर वस्तुस्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि हर घर नल से जल पहुंचाने जो भी बाधाएं आ रही उन्हें शीघ्रातिशीघ्र दूर किया जाए। विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने कहा जल जीवन मिशन का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों की माताओं एवं बहनों को अपने घर के लिए पानी लाने की सदियों पुरानी मेहनत वाली प्रथा से मुक्ति दिलाना,तथा शुद्ध जल उपलब्ध कराना है। उनके स्वास्थ्य, शिक्षा तथा सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाना है। यह मिशन 'जीवन को आसान' बना रहा है और ग्रामीण परिवारों के लिए गौरव एवं सम्मान बढ़ा रहा है ।

ये अधिकारी रहे बैठक में मौजूद

संजय पांडेय ईई, चित्रांशु उपाध्याय पीआईयू जीएम रीवा, प्रवीण सिंह, अंकित पांडेय, रवि प्रकाश सिंह, नितिन वर्मा,रवि प्रकाश सिंह, अमित मिश्रा, अनुभव ताम्रकार एवं देवेंद्र पांडेय उक्त बैठक में मौजूद रहे।

धारणा अधिकार के तहत मऊगंज जिले में 200 से अधिक फाइलें धूल फांक रहीं : आरोप

मऊगंज ब्यूरो। संवाददाता द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिला मऊगंज बनने के बाद धरणा अधिकार के तहत सरकार की महत्वपूर्ण योजना अधर में अटकी हुई है। मऊगंज जिले में धारणा अधिकार के तहत 200 से अधिक प्रकरणों की फाइलें धूल चाट रही है । हितग्राहियों के द्वारा लोकसेवा गांरटी व एमपी ऑनलाइन व आफ लाइन आवेदन किया गया। वे आवेदन मऊगंज कलेक्टर की आईडी में शो नहीं कर रही है। मऊगंज कलेक्टर के पोर्टल में धरणा अधिकार नहीं दिख रहा है। जिसके चलते धारणा अधिकार के तहत मऊगंज जिले के हनुमान खटखरी शाहपुर नईगढी मऊगंज के लोगों को धारणा अधिकार से वंचित होना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में एक तरफ धारणा अधिकार से बड़ी संख्या में लोग वंचित हो रहे हैं तो दूसरी तरफ सरकार को मिलने वाले करोड़ों रुपए की राजस्व आय भी बट्टे खाते में जा पहुंची है। बताया जाता है कि कलेक्टर के प्रस्ताव के बाद रीवा कमिश्नर के यहां से धारणा अधिकार पोर्टल की आईडी अलग होना है लेकिन 2 साल से अधिक समय बीत जाने के बावजूद धरना अधिकार अधिनियम के तहत आईडी अलग नहीं हो पाई और रीवा मऊगंज के बीच धारणाधिकार के फाइलें एक्सरसाइज कर रही हैं।

नए कलेक्टर से हैं लोगों को उम्मीदें

मध्य प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी धारणाधिकार योजना का लाभ तो मऊगंज जिले में मिलना पूरी तरह से बंद है। यहां का पोर्टल में धारणा अधिकार नहीं दिख रहा है जिसको लेकर बड़ी संख्या में हितग्राही पूर्व में कलेक्टर से मिलकर शिकायत भी कर चुके हैं समझा जाता है कि नए कलेक्टर संजय जैन के द्वारा सरकार की महत्वाकांक्षी धरना अधिकार योजना के संबंध में खोज खबर करते हुए आवश्यक निर्देश जारी करके पोर्टल चालू कर जाएगें। जिससे कि मऊगंज जिले के लोगों को धारणा अधिकार का लाभ मिल सकेगा वहीं करोड़ों रुपए की राजस्व राशि सरकार को मिलेगी।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
दिल्ली	06	05	01	10	0.744
गुजरात	06	04	02	08	1.081
बेंगलुरु	06	04	02	08	0.672
पंजाब	06	04	02	08	0.172
लखनऊ	07	04	03	08	0.086
कोलकाता	07	03	04	06	0.547
मुंबई	07	03	04	06	0.239
राजस्थान	07	02	05	04	-0.714
हैदराबाद	07	02	05	04	-1.217
चेन्नई	07	02	05	04	-1.276

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

निकोलस (लखनऊ)	357
साई सुदर्शन (गुजरात)	329
मिचेल मार्श (लखनऊ)	295
सूर्यकुमार यादव(मुंबई)	265

पर्पल कैप (गेंदबाज)

नूर अहमद (चेन्नई)	12
कुलदीप यादव (दिल्ली)	11
खलील अहमद (चेन्नई)	11
हार्दिक पंड्या (मुंबई)	11

बाउंड्री मीटर

578 छक्के
1014 चौके
63 अर्धशतक

अभिषेक शर्मा ने 2025 में टी-20 में 500 रन बनाने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। उन्होंने इस साल 12 पारियों में 511 रन बनाए हैं। तिलक वर्मा इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं, उन्होंने 10 पारियों में 343 रन बनाए हैं।

मैच 33 : मुंबई ने हैदराबाद को चार विकेट से हराकर दर्ज की तीसरी जीत, सनराइजर्स की 5वीं हार

चेज करते हुए मुंबई की वानखेड़े पर 29वीं जीत अब तक घर के बाहर नहीं जीत सकी हैदराबाद

प्लेयर ऑफ द मैच, विल जैक्स, 36 रन व 2 विकेट

जेएनएन, मुंबई

मुंबई इंडियंस ने विल जैक्स के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद को आईपीएल के 32वें मैच में चार विकेट से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। यह मुंबई की सात मैचों में तीसरी जीत है। वहीं, सनराइजर्स को सात मैचों में पांचवीं हार का सामना करना पड़ा है। हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 162 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने 18.1 ओवर में छह विकेट पर 166 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की वानखेड़े में 29वीं जीत है। वहीं, हैदराबाद इस सीजन में किसी और वेन्यू पर अब तक एक भी मुकाबला नहीं जीत पाई है। इससे पहले उन्हें दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ विशाखापत्तनम में मात मिली थी। उसके बाद गत विजेता कोलकाता ने उन्हें ईडेन गार्डंस में हराया था।

बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सनराइजर्स के बल्लेबाज मुश्किल पिच पर 20 ओवर में पांच विकेट पर 162 रन ही बना सके। पांच बार की विजेता मुंबई इंडियंस ने 18.1 ओवर में छह विकेट पर 166 रन बनाकर सत्र की तीसरी जीत हासिल की। मुंबई को रोहित शर्मा (26 रन) और रेयान रिकलटन ने अच्छी शुरूआत कराते हुए 23 गेंद में 32 रन जोड़ दिए। रोहित के आउट होने के बाद जैक्स ने रिकलटन का अच्छा साथ निभाया। पर रिकलटन 31 रन बनाकर आउट हो गए। जैक्स और सूर्यकुमार यादव (26 रन) ने तीसरे विकेट के लिए 29 गेंद में 52 रन की भागीदारी की। कप्तान हार्दिक पंड्या नौ गेंद में तीन चौके और एक छक्के से 21 रन पर पहुंचे। उनके आउट होने के बाद तिलक वर्मा के नाबाद 21 रन से टीम लक्ष्य तक पहुंची। वानखेड़े स्टेडियम की पिच पर सनराइजर्स के बल्लेबाजों को विकेट के अनुकूल ढलने में संघर्ष करना पड़ा। टीम ने आखिरी पांच ओवरों में 57 रन बनाकर अंत में स्कोर में इजाफा किया। हैदराबाद ने 16.4 ओवर में पारी का पहला छक्का जड़ा जो कि आईपीएल 2022 की शुरुआत से पहली बार ऐसा हुआ था कि किसी टीम को पहले बल्लेबाजी करते हुए पहला छक्का जड़ने के लिए इतना लंबा इंतजार करना पड़ा।

स्कोर बोर्ड

सनराइजर्स हैदराबाद : 162/5 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
अभिषेक का. बावा बो. हार्दिक	40	28	7	0
हेड का. सैंटनर बो. जैक्स	28	29	3	0
इशान स्टं. रिकलटन बो. जैक्स	2	3	0	0
नीतीश का. तिलक बो. बोल्ट	19	21	1	0
हेनरिक क्लासेन बो. बुमराह	37	28	3	2
अनिकेत वर्मा नाबाद	18	8	0	2
पेट कमिंस नाबाद	8	4	0	1

अतिरिक्त : 10, **कुल :** 20 ओवर में पांच विकेट पर 162 रन, **विकेट पतन :** 1-59, 2-68, 3-82, 4-113, 5-136, **गेंदबाजी :** दीपक चाहर 4-0-47-0, ट्रेंट बोल्ट 4-0-29-1, बुमराह 4-0-21-1, विल जैक्स 3-0-14-2, हार्दिक पंड्या 4-0-42-1, मिचेल सैंटनर 1-0-8-0.

मुंबई इंडियंस : 166/6 (18.1 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
रिकलटन का. हेड बो. हर्षल	31	23	5	0
रोहित का. हेड बो. कमिंस	26	16	0	3
जैक्स का. जीशान बो. कमिंस	36	26	3	2
सूर्यकुमार का. जीशान बो. कमिंस	26	15	2	2
तिलक वर्मा नाबाद	21	9	3	1
हार्दिक का. किशन बो. मलिंगा	21	9	3	1
नमन धीर पगबाधा बो. मलिंगा	0	3	0	0
मिचेल सैंटनर नाबाद	0	1	0	0

अतिरिक्त : 5, कुल : 18.1 ओवर में छह विकेट पर 166 रन, **विकेट पतन :** 1-32, 2-69, 3-121, 4-128, 5-162, 6-162, **गेंदबाजी :** शमी 3-0-28-0, कमिंस 4-0-26-3, इशान मलिंगा 4-0-36-2, जीशान अंसारी 3.1-0-35-0, हर्षल पटेल 3-0-31-1, राहुल चाहर 1-0-9-0.

गत चैंपियन रियल मैड्रिड को हराकर आर्सेनल 16 साल बाद चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में

जेएनएन, मैड्रिड। आर्सेनल ने बुधवार को गत चैंपियन रियल मैड्रिड को क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण में 2-1 से हराकर 2009 के बाद पहली बार चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। आर्सेनल ने पिछले सप्ताह लंदन में खेले गए क्वार्टर फाइनल के पहले चरण में 3-0 से जीत हासिल की थी और इस तरह से उसने रियल मैड्रिड को कुल मिलाकर 5-1 से करारी शिकस्त दी। आर्सेनल ने इस तरह से पहली बार यूरोप की शीर्ष क्लब प्रतियोगिता जीतने की संभावना बरकरार रखी। सेमीफाइनल में उसका मुकाबला पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) से होगा। दूसरा सेमीफाइनल बार्सिलोना और इंटर मिलान के बीच खेला जाएगा। आर्सेनल और रियल मैड्रिड में से कोई भी पहले हाफ में गोल नहीं कर पाया। बुकायो साका पेनल्टी पर गोल करने से चूक गए, लेकिन उन्होंने 65वें मिनट में मिकेल मेरिनो के पास पर गोल करके आर्सेनल को बढ़त दिलाई। विनीसियस जूनियर ने इसके तुरंत बाद रियल मैड्रिड की तरफ से बराबरी का गोल दागा। आर्सेनल की तरफ से दूसरा गोल गेब्रियाल मार्टिनेली ने इंजरी टाइम में किया। रियल मैड्रिड के स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे को चोटिल होने के कारण 75 मिनट के बाद मैदान छोड़ना पड़ा था।

15 बार का यूरोपीय चैंपियन रियल मैड्रिड इस बार किसी तरह की ऐतिहासिक वापसी नहीं कर पाया। अपने घरेलू मैदान सैंटियागो बर्नब्यू स्टेडियम में उसके खिलाड़ी कोई जादू नहीं दिखा पाए।

2020 के बाद यह पहला अवसर है, जबकि रियल मैड्रिड सेमीफाइनल में जगह नहीं बना पाया। इस तरह से वह पिछले चार सत्र में तीसरी बार चैंपियंस लीग का चैंपियन बनने से भी चूक गया।

बायर्न म्यूनिख बाहर, इंटर मिलान अंतिम चार में

मिलान। बायर्न म्यूनिख के पूर्व डिफेंडर बेंजामिन पावर्ड ने अपने पुराने क्लब के खिलाफ गोल करके इंटर मिलान को जर्मन टीम के खिलाफ क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण में 2-2 से बराबरी दिलाने और चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इंटर मिलान ने क्वार्टर फाइनल का पहला चरण 2-1 से जीता था और इस तरह से उसने 4-3 के कुल स्कोर से जीत दर्ज करके अंतिम चार में जगह सुरक्षित की। फ्रांस के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पावर्ड 2023 में बायर्न को छोड़कर इंटर मिलान से जुड़े थे। यह इंटर के लिए पावर्ड का पहला गोल था। हैरी केन ने दूसरे हाफ की शुरुआत में ही गोल करके बायर्न म्यूनिख को कुल स्कोर में बराबरी दिला दी थी।

34वां मैच : पंजाब का सामना बेंगलुरु से

आरसीबी को घरेलू मैदान पर पहली जीत की तलाश

बेंगलुरु, जेएनएन। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को अगर आईपीएल-2025 में अपने घरेलू मैदान पर पहली जीत दर्ज करनी है, तो उसके बल्लेबाजों को शुक्रवार को होने वाले मैच में पंजाब किंग्स के स्पिन आक्रमण का डटकर सामना करना होगा। आरसीबी और पंजाब के बीच यह मैच शाम 7:30 बजे से बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा। दोनों टीमें फिलहाल अच्छी फॉर्म में चल रही हैं और छह में से चार-चार मुकाबले जीतकर आईपीएल अंक तालिका में क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर काबिज हैं। आरसीबी के बल्लेबाजों को यहां की धीमी पिच पर गुजरात के साई किशोर तथा दिल्ली के कुलदीप यादव और विप्रज निगम के सामने संघर्ष करना पड़ा था तथा युजवेंद्र चहल और ग्लेन मैक्सवेल उसकी इस कमजोरी का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेंगे।

हेड टू हेड

पंजाब और आरसीबी के बीच 33 मुकाबले हुए हैं, जिसमें पंजाब को 17, जबकि आरसीबी को 16 में जीत हासिल हुई है। चिन्नास्वामी स्टेडियम, बेंगलुरु में पलड़ा मेजबान आरसीबी की ओर झुका है। 12 मैचों में आरसीबी यहां पर 7-5 से आगे हैं।

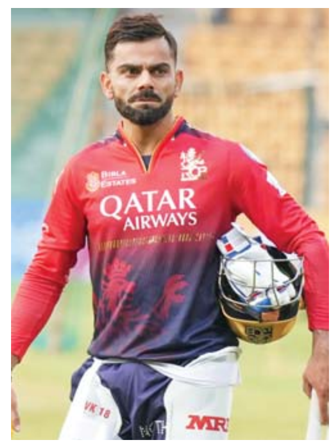

कोहली बनाम पंजाब

कोहली का पंजाब के खिलाफ रिकॉर्ड शानदार रहा है और उन्होंने इस टीम के खिलाफ पिछली तीन पारियों में तीन अर्धशतक लगाए हैं। उन्होंने पंजाब के खिलाफ पिछली 10 पारियों में आठ बार 20 रन के आंकड़े को पार किया है। 32 पारियों में 35.5 की औसत और 134 के स्ट्राइक रेट से 1030 रन बनाए हैं, जिसमें पांच अर्धशतक और एक शतक शामिल है। इसमें से भी दो अर्धशतक और एक शतक बेंगलुरु के चिन्नास्वामी के मैदान पर आए हैं।

मैदान से हटकर

पुजारा जिद्दी, उन्हें मूर्खतापूर्ण लतीफे सुनाना पसंद : पत्नी पूजा

अपनी तरह के अनूठे संस्मरण में भारत के अनुभवी क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा की पत्नी पूजा ने क्रिकेटर की पत्नी के रूप में अपने जीवन के अनुभव कलमबद्ध किए हैं, जिनमें मैदान के भीतर और बाहर के उतार चढ़ावों और क्रिकेट के दीवाने देश में अपार अपेक्षाओं के बारे में बेबाक ढंग से लिखा है। हार्परकोलिंस इंडिया द्वारा प्रकाशित यह किताब द डायरी ऑफ अ क्रिकेटर्स वाइफ : अ वेरी अनयूजुअल मेमोयर को पूजा और नमिता काला ने लिखा है, जिसका विमोचन 29 अप्रैल को होगा। पूजा ने कहा, चेतेश्वर पुजारा जिद्दी, लेकिन सहयोग करने वाले इंसान है जो ज्यादा बोलते नहीं, लेकिन उनके पास छिपाने के लिए भी कुछ नहीं है। वह आध्यात्मिक हैं, लेकिन पाखंडी नहीं और उन्हें मूर्खतापूर्ण लतीफे सुनाना पसंद है। राजकोट की गलियों से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट तक उनका सफर अनूठा रहा है और मुझे इसे करीब से देखने का मौका मिला है। उन्होंने कहा, मेरा विश्वास है कि चेतेश्वर पुजारा की कहानी में सभी के लिए कुछ न कुछ है और यही वजह है कि मैने यह किताब लिखी। जीवन में कभी क्रिकेट नहीं देखने वाली पूजा पाबारी ने 2013 में चेतेश्वर पुजारा से शादी की और उसके बाद से एक क्रिकेटर के दैनंदिनी जीवन का उन्हें अनुभव मिला। उसके बाद कुछ साल उन्होंने खेल की बारीकियों को समझा और अपने शाकाहारी पति के लिए पोषक खुराक बनाने की जिम्मेदारी भी ले ली। किताब में चेतेश्वर के माता-पिता के बलिदानों का भी जिक्र है। (जेएनएन)।

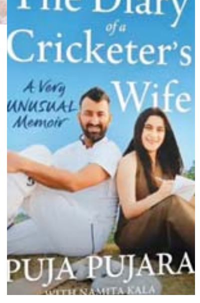

एक क्रिकेटर की पत्नी की डायरी

चंबल ने भोपाल को 91 रन से हराया

भोपाल, खेप्र। चंबल डिविजन ने एसएम खान अंडर-18 टूर्नामेंट में भोपाल को 91 रन से शिकस्त दी। फेथ क्रिकेट मैदान-1 पर चंबल 48.5 ओवर में 243 रन पर ऑलआउट हो गई। करन तोमर ने 70 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। प्रबल ने 33 और शिखर ने 32 रन का योगदान दिया। भोपाल के नीरज ने चार विकेट झटके, जबकि आदित्य राज तोमर को तीन सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भोपाल की टीम 43.4 ओवर में 152 रन पर सिमट गई। प्रतीक शुक्ला ने सर्वाधिक 32 और संकल्प ने 23 रन का योगदान दिया। चंबल के उदय यादव और रियान को तीन-तीन विकेट मिले।

भारतीय टीम के सहायक कोच नायर का कॉन्ट्रैक्ट आठ महीने में ही समाप्त

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच अभिषेक नायर को सहयोगी स्टाफ के एक हाई-प्रोफाइल सदस्य के साथ अनबन की अटकलों के बीच सिर्फ आठ महीने बाद ही पद से हटा दिया गया है, हालांकि इसका कारण न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैचों में हार को बताया जा रहा है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों की मानें तो नायर को सहयोगी स्टाफ से हटाने के फैसले के बारे में पहले ही सूचित कर दिया गया है। बीसीसीआई सूत्र ने बताया, भारत की टेस्ट क्रिकेट में हाल की हार (न्यूजीलैंड और

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ) के बाद सहयोगी स्टाफ को लेकर मंथन चल रहा था, लेकिन बीसीसीआई में यह भी महसूस हो रहा है कि सहयोगी स्टाफ के एक महत्वपूर्ण सदस्य और एक वरिष्ठ स्टार खिलाड़ी के बीच की लड़ाई में नायर बलि का बकरा बन गए। फील्डिंग कोच टी दिलीप और स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग कोच सोहम देसाई का भी अपने-अपने पदों पर तीन साल से अधिक समय पूरा करने के बाद बाहर होना तय है, क्योंकि बीसीसीआई की नई एसओपी ने सहयोगी स्टाफ का कार्यकाल तीन साल तक सीमित कर दिया है। भारत के पहले स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग कोच एड्रियन ले रॉक्स के दूसरे कार्यकाल के लिए लौटने की संभावना है। विश्व कप 2003 के दौरान तत्कालीन सौरव गांगुली की अगुआई वाली भारतीय टीम में एक नई फिटनेस संस्कृति की शुरुआत करने के लिए दक्षिण अफ्रीका के इस कोच को बहुत श्रेय दिया जाता है।

नीरज ने गोल्ड के साथ की सत्र की शुरुआत

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में पॉट इनविटेशनल ट्रैक प्रतियोगिता जीतकर अपने सत्र की शानदार शुरुआत की। चोपड़ा ने बुधवार को वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर चैलेंजर प्रतियोगिता में 84.52 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर छह खिलाड़ियों के बीच चले मुकाबले में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारतीय स्टार चोपड़ा दक्षिण अफ्रीका के 25 वर्षीय डौव स्मिट से आगे रहे, जिनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 82.44 मीटर था। चोपड़ा का प्रदर्शन हालांकि उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 89.94 मीटर से कम था, जबकि स्मिट अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 83.29 मीटर के करीब पहुंच गए। केवल दो खिलाड़ियों चोपड़ा और स्मिट ने ही प्रतियोगिता में 80 मीटर की

दूरी पार की। दक्षिण अफ्रीका के एक अन्य खिलाड़ी डंकन रॉबर्टसन 71.22 मीटर के प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा अपने नए कोच चेक गणराज्य के जान जेलेजनी की निगरानी में पोटचेफस्टूम में अभ्यास कर रहे हैं। जेलेजनी तीन बार के ओलंपिक चैंपियन और विश्व रिकॉर्ड धारक हैं।

अविनाश साबले सत्र की पहली डायमंड लीग में भाग लेंगे

नई दिल्ली, जेएनएन। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी 3000 मीटर स्टीपलचेस खिलाड़ी अविनाश साबले चीन के शियामेन में 26 अप्रैल को होने वाली सत्र की पहली डायमंड लीग में भाग लेंगे, जिसमें मौजूदा ओलंपिक और विश्व चैंपियन मोरक्को के सूफियाने अल बक्काली भी खेलेंगे। पेरिस ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता कीनिया के अब्राहम किबिवोत भी इसमें नजर आएंगे, जिन्होंने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में साबले को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। साबले पिछले साल सितंबर में डायमंड लीग फाइनल के बाद पहली बार खेल रहे हैं।

एलएनसीटी और सिस्टेक कबड्डी में चैंपियन

भोपाल, खेप्र। एलएनसीटी की पुरुष टीम ने 8वें इंजीनियर्स ओलंपिक के तहत आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में खिताब अपने नाम किया। एलएनसीटी कैंपस में खेले जा रहे कबड्डी के फाइनल में उसने प्रेस्टीज को 21-16 से हराया। सिस्टेक की महिला वर्ग ने एलएनसीटी को फाइनल में 20-18 से हराया। ओलंपिक के चौथे दिन कबड्डी के अलावा बास्केटबॉल, क्रिकेट, आर्म रेसलिंग के फाइनल मुकाबले खेले गए। बास्केटबॉल में एलएनसीटी के लड़कों ने एसआईआरटी को 58-57 से हराया। वहीं सेंट थॉमस स्कूल की लड़कियों ने एसटीएस स्कूल को 43-17 से हराकर खिताब जीता। क्रिकेट के फाइनल में एलएनसीटी यूनाइटेड ने रियांश इलेवन को 9 विकेट से हराया। रियांश 52 रन पर सिमट गई। एलएनसीटी यूनाइटेड के आजम ने चार विकेट हासिल किया। जवाब में एलएनसीटी ने अमन (26) और अनिवेश (20) की पारियों से 5.2 ओवर में एक विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

भोपाल की सौम्या का शतक बेकार संस्कृति के सैंकड़े से जीती शहडोल

भोपाल, खेप्र। सौम्या तिवारी के शतक के बावजूद भोपाल टीम को जेएस आंनद इंटर डिविजनल लिमिटेड ओवर क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल-2 में शहडोल से पांच विकेट से हार मिली। वहीं पहले सेमीफाइनल में ग्वालियर ने इंदौर को पांच विकेट से शिकस्त दी।

भोपाल टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.4 ओवर में 204 रन पर ऑलआउट हो गई। सौम्या तिवारी ने 109 गेंद में 15 चौकों की मदद से 100 रन बनाए। नैनी राजपूत ने 24 रन का योगदान दिया। शहडोल की शिवानी शुक्ला ने चार और मुस्कान मिश्रा ने तीन विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी शहडोल ने 42.3 ओवर में पांच विकेट खोकर आसानी से मुकाबला जीत लिया। संस्कृति गुप्ता ने 99 गेंद में 103 रन की शतकीय पारी खेली। उजाला ने 42 रन बनाए।

मुस्तफा ने झटके 6 विकेट, सेंट माइकल 261 रन से जीती

भोपाल, खेप्र। प्लेयर ऑफ द मैच मोहम्मद मुस्तफा की घातक गेंदबाजी की बदौलत गुरुवार को सेंट माइकल क्रिकेट अकादमी ने छठवें साद अंसारी मेमोरियल अंडर-14 क्रिकेट टूर्नामेंट में शिवाय अकादमी को 261 रन से करारी शिकस्त दी। ऑल सेंट ग्राउंड पर सेंट माइकल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 295 रन का बड़ा स्कोर बनाया। अविनाश (70) और हिमांशु सिंह गुर्जर (52) ने अर्धशतक जड़ा। मानवेंद्र ने 48 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी शिवाय क्रिकेट अकादमी 34 रनों पर ढेर हो गई। मोहम्मद मुस्तफा ने 10 रन देकर 6 विकेट झटके। जुल्फिकार और शफी को 2-2 विकेट मिले।

टी-20 : डॉक्टर्स एकादश व आईईसीसी की आसान जीत

भोपाल, खेप्र। डॉक्टर्स एकादश और आईईसीसी-आईआईएसईआरबी ने द्वितीय वैभव चांदेकर स्मृति विभागीय डे नाइट टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में अपने-अपने मुकाबले जीते। नेहरू नगर मैदान पर डॉक्टर्स एकादश 19.1 ओवर में 164 रन पर ऑलआउट हो गई। महेंद्र कुमार ने 83 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। परम ने 26 और डॉ. सूर्यनाथ योगी ने 12 रन का योगदान दिया। सदय एकादश के अमन रघुवंशी ने 4 विकेट झटके। जवाब में सदय एकादश 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 146 रन बना पाई। आदित्य गौर ने 43 और विशाल पाटिल ने 34 रन बनाए। डॉक्टर्स एकादश के डॉ. तनवीर अल्ताफ ने 3 और परम ने 2 विकेट लिए। दूसरे मुकाबले में एमपीईबी थंडर्स ने निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 122 रन बनाए। कप्तान संदीप

मुजाल्दा और अमित मिश्रा ने एक समान 26-26 रन बनाए। आईईसीसी के आदित्य सिंह ने दो विकेट लिए। जवाब में आईईसीसी ने 17.3 ओवर में तीन विकेट खोकर जरूरी रन बना लिए। अथर्व खडेलवाल ने 47 और अंकित बामने ने 39 रन बनाए।

पूर्व सांसद कंकर मुंजारे आज गड़रा जाएंगे

रीवा। पूर्व सांसद कंकर मुंजारे दो दिवसीय दौरे पर रीवा पहुंच चुके हैं। आज 18 अप्रैल को पूर्व सांसद गड़रा नरसंहार कांड के पीड़ितों से पहुंचकर मुलाकात करेंगे और उनके हालात जानेंगे। श्री मुंजारे ने कहा कि मऊगंज के गड़रा गांव की यह घटना बहुत ही भयावह घटना है। पूरी तरह से सरकार एवं जिला प्रशासन की लापरवाही से घटना घटित हुई है। मौके पर पहुंचकर घटना का सही जायजा लेकर प्रदेश सरकार के समक्ष मामले को रखेंगे।

एक ही रात मे 627 वारंटियों की हुई गिरफ्तारी

रीवा। रीवा रेंज के आईजी गौरव राजपूत के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन द्वारा चलाया गया 'कांबिंग गश्त अभियान' अत्यंत सफल रहा। इस विशेष अभियान में पुलिस ने रेंजभर में 627 वारंटियों को गिरफ्तार कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अभियान का उद्देश्य न केवल वारंटियों की धरपकड़ था, बल्कि असामाजिक तत्वों, गुंडों और अपराधियों पर कड़ी निगरानी रखना भी था।

एसजीएमएच में टेलीमेडिसिन विभाग की आज होगी शुरुआत

रीवा। संजय गांधी अस्पताल में फिर से टेलीमेडिसिन विभाग की शुरुआत होने जा रही है। ओपीडी के प्रथम तल पर टेलीमेडिसिन कक्ष बनाया गया है। इसका शुभारंभ डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ला शुक्रवार को करेंगे। टेलीमेडिसिन विभाग के शुरू होने से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं में इजाफा होगा। टेलीमेडिसिन के जरिए मेडिकल कॉलेज के स्पेशलिस्ट डॉक्टरों का परामर्श तहसीलों में खुले सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में भर्ती होने वाले मरीजों के इलाज में मिल सकेगा।

युवा संगम कार्यक्रम 21 अप्रैल को आईटीआई में

रीवा। जिले के शासकीय आईटीआई रीवा में 21 अप्रैल को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक युवा संगम कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। युवा संगम कार्यक्रम के तहत आयोजित रोजगार मेले में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में 10 कंपनियों एवं नियोजकों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों में युवक एवं युवतियों की आयु सीमा 18 से 50 वर्ष के बीच होनी चाहिए। वेतन एवं भत्ते 8500 रुपए से 25 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है। वेतन एवं भत्ता विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग देय होगा। युवाओ को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा।

औषधीय खेती का दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

रीवा। कलेक्टर प्रतिभा पाल के मार्गदर्शन में कृषि विज्ञान केन्द्र रीवा में औषधीय खेती का दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। मध्यप्रदेश राज्य औषधि पादप बोर्ड के तत्वाधान में देवारण्य योजना के तहत एक जिला एक औषधि पादप हरिद्रा अर्थात हल्दी की खेती का प्रशिक्षण दिया गया।

AIIMS दिल्ली से गोल्ड मेडलिस्ट एवं महाकौशल के वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट
डॉ. अखिलेश दुबे
एम.बी.बी.एस., एम.डी.डी.एम. (कार्डियो) (गोल्ड मेडलिस्ट)
FESC, FSCAI (USA)
हृदय रोग विशेषज्ञ
20 अप्रैल 2025 रविवार को रीवा में उपलब्ध है
Call Now: 7024352872, 9630263896
कृष्णा ऑडिटोरियम के पास, सिविल लाइन मोड सिरमौर चौराहा, रीवा

चर्म, सौन्दर्य, एलर्जी एवं स्कीन केयर
डॉ. सिद्धार्थ तिवारी
MBBS, MD (Dermatology & STD)
परामर्श शुल्क मात्र 300/-
मिलने का समय प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे सायं 4 से 7 बजे (रविवार अवकाश)
चर्म, सौन्दर्य, नाखून, बाल, कुष्ठ, गुप्त (यौन) एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
परामर्श- दाद, खाज, खुजली, मुंहासे, मस्से, अपरस, सोरायसिस, सफेद दाग, एक्जिमा, गंजापन, त्वचा की एलर्जी, नाखुनों का खराब होना, चेहरे पे दाग धब्बे, झाइयाँ, (Glow & Fairness), सेहुंआ, फोड़े, फुन्सी, गुप्त एवं यौन समस्या आदि।
कामता मेडिकल
ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.)
9399312433, 9981287311

REWA INTERNATIONAL PUBLIC SCHOOL
Affiliated to CBSE New Delhi
IMMEDIATE HIRING
PRT English - 2 Post
TGT English - 2 Post
Computer - 1 Post
Dance (Female) - 1 Post
Music - 1 Post
PGT Commerce - 1 Post
Call: 9806154224, 8120154224
Add.: Ward 15, Gadariya, Ratahara, Rewa (M.P.)
Email: ripsrewaschool@gmail.com

लाइफ केयर हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर
आयुष्मान एवं कैशलेस द्वारा मुफ्त इलाज
कम खर्च, दर्द, निशान, रक्तस्राव
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी
• गॉलब्लॉडर • अपेंडिक्स • सभी प्रकार के हार्निया • ओवेरियन सिस्ट • डायग्नोस्टिक लैप्रोस्कोपी • हिस्ट्रैक्टमी • रेक्टप्रोलैप्स • स्यूडोपेन कियारिक सिस्ट • पेट संबंधित सभी प्रकार के ऑपरेशन
संपर्क करें जनता कॉलेज रोड, अनन्तपुर रीवा (म.प्र.)
07662-356125, 8435896118

डॉ. निशा डायलिसिस सेंटर
पता- अग्रवाल नर्सिंग होम, खुटेही, रीवा
24/7 Our Services
Dialysis (डायलिसिस)
रजिस्ट्रेशन के लिए संपर्क करें 9174566996, 7771009417
नवीनतम मशीन द्वारा हीमो डायलेसिस
Hepatitis C (HCV) मरीजों के लिए अलग से समर्पित मशीन
अन्य सुविधाएं:
• 24x7 मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. ईशान गोयल
• 24x7 स्त्री रोग विशेषज्ञ
• वेंटिलेटर एवं Bipap
• 24x7 मेडिकल स्टोर

कामता मल्टी स्पेशलिटी क्लीनिक एन्ड डायग्नोस्टिक, रीवा में पंजी.नं. CL/6814/FEB/2018
ब्रेन, स्पाइन एवं न्यूरो रोग परामर्श OPD
डॉ. सचिन सिंह
ब्रेन, स्पाइन एवं न्यूरो रोग सुपर स्पेशलिस्ट
20 अप्रैल, रविवार (प्रत्येक माह के पहले व तीसरे रविवार को सुबह 10 बजे 2 बजे तक)
MS.,MCh (न्यूरो) PGI नई दिल्ली, राष्ट्रपति पदक से सम्मानित निर्देशक लाइफ लाइन हॉस्पिटल प्रयागराज
लकवा, मिर्गी, फॉलिस, बेहोशी व चक्कर आना, सिर दर्द (माइग्रेन), अंगो में कंपन, झुनझुनी-सुन्नता, मांसपेशियों में कमजोरी, मस्तिष्क ज्वर, ब्रेन हेमरेज, नसों व स्नायु रोग अन्य दिमागी रोगों की जांच, सायटिका, सर्वाइकल स्पोंडीलाइटिस, रीढ़ की हड्डी की चोट/दर्द, गर्दन, कमर, पीठ का दर्द एवं कमजोरी आदि रोगों का इलाज व परामर्श
कामता मेडिकल
ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.)
कृपया रजिस्ट्रेशन पूर्व में करायें, 80 मरीज तक इसके बाद अगली बार का समय दिया जायेगा।
मो.: 9399312433, 9981287311

भोपाल के हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ रीवा में
20 अप्रैल रविवार, रीवा में नियमित OPD प्रत्येक रविवार को
समयः सुबह 10 से दोपहर 02 बजे तक
डॉ. पवन कुमार मिश्रा
एमबीबीएस, डीएनबी (आर्थोपेडिक) आर्थोपेडिक सर्जन, चिरायु मेडिकल कालेज भोपाल
ट्रामा, आर्थोस्कोपिक एण्ड ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जन
• घुटने, कूल्हे, कंधे, कमर, गर्दन एवं पीठ का दर्द • सर्वाइकल स्पोंडोलाइटिस • गठियाबात • जोड़ों के घिसने एवं टेढ़ेपन का ईलाज • घुटने व कुल्हे का अत्याधुनिक तकनीक से जोड़ प्रत्यारोपण • घुटने के लिगामेंट इंजुरी का अत्याधुनिक ईलाज • ट्रामा एवं फ्रेक्चर • अर्थराइटिस, हड्डियों की कमजोरी
कामता मेडिकल
ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.)
9399312433, 9981287311

मिनर्वा आई.व्ही.एफ. (टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर)
(निः संतान दंपत्तियों के लिए)
कम खर्च बेहतर इलाज
सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ट्यूब बेबी सुविधा
उपलब्ध सुविधाएँ
• IUI, IVF, ICSI
• फ्रोजन एंब्रिया ट्रांसफर साइकिल (FET)
• एग फ्रीजिंग
• एंब्रियो फ्रीजिंग
• स्पर्म फ्रीजिंग
डॉ. ज्योति ओझा मिश्रा
स्त्री एवं प्रसूति रोग
निःसंतानता रोग एवं टेस्टट्यूब बेबी विशेषज्ञ
MBBS, MD (ऑब्स & गायनी)
फैलोशिप इन रिप्रोडक्टिव मेडिसिन एण्ड लैप्रोस्कोपिक सर्जरी
मध्यप्रदेश की प्रथम एवं अत्याधुनिक ICSI मशीन द्वारा इलाज उपलब्ध
टोल फ्री : 18008892250, मो.: 8878819362, 9303733830
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैण्ड, रीवा

कॉस्मेटिक स्किन एंड प्लास्टिक सर्जरी क्लीनिक
डॉ. सौरभ सक्सेना
एम.बी.बी.एस., एम.एस. (सर्जरी), MCH (प्लास्टि सर्जरी)
07662.352194, 9827268788, 9825935433 (एमरजेन्सी नंबर)
फेस रिजूवनेशन
• स्किन टैन, तिल, मस्से का उपचार
• टैटू रिमूवल, खाज-खुजली
• Micronidiling, MNRF थेरेपी (झुरियां, फाइन लाइन, मुंहासे के दाग के लिए)
• सफेद दाग का इलाज
• फिलर ट्रीटमेन्ट
• लेजर द्वारा नॉन सर्जिकल एवं सर्जिकल उपचार
• त्वचा संबंधी सभी विकृतियों का उपचार
लेजर ट्रीटमेन्ट
• दाग, धब्बे, मुहासे, स्ट्रेच मार्क चोट, सर्जरी के दाग का उपचार
• हेयर लेजर रिमूवल (अनचाहे बाल) केमिकल पीलिंग से (झाइयाँ, पिगमेन्टेशन का उपचार)
• कार्बन पीलिंग
• Prp थैरेपी, GFC थैरेपी द्वारा चेहरे के दाग, हेयर ट्रीटमेंट, फेस रिजुवनेशन
• मेडिफेशियल, वैंपायर फेसियल
• हेयर ग्रोथ ट्रीटमेन्ट
• स्किन व्हाइटनिंग एण्ड ग्लो ट्रीटमेन्ट
समयः 4:00 PM से 7:30PM सोमवार से शनिवार, रविवार 12 PM- 02:00PM
पता-साक्षी मेडिकोज के बगल में, LIC क्र.-1 के नीचे, सिरमौर चौराहा, रीवा (म.प्र.)

DTE - काउंसिलिंग कोड 608
श्री रामकृष्ण कॉलेज ऑफ फार्मेसी
पीसीआई/9649 द्वारा अनुमोदित, आरजीपीवी भोपाल द्वारा संबद्ध
डी. फार्मा
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें-
पता- ग्राम देवरा, गुरुकुल स्कूल के पास, चोरहटा, रीवा (म.प्र.)
मो.: 9584324641, 6262084843, 7470944611

LOVED IN 100 COUNTRIES
BAJAJ
THE WORLD'S FAVOURITE INDIAN
2 CRORE pulsar CELEBRATION
SPECIAL CELEBRATION PRICES SAVE UP TO ₹5 555/-*
भारत की नंबर 1 स्पोर्ट्स मोटरसाइकिल, पल्सर ने 2 करोड़ मोटरसाइकिल की बिक्री का कारनामा कर दिखाया है और अब हम इसका जश्न मना रहे हैं! अपने ग्राहकों का आभार व्यक्त करने के लिए हम पेश कर रहे हैं ऐसे स्पेशल दाम जो पहले कभी न देखे गए. **तो आइए और पल्सरमेनियाक्स की गैंग में शामिल हो जाइए.**
Ogilvy HIN
डाउन-पेमेंट शुरू ₹5 108/-*

	125 NEON	125 CARBON FIBRE	NS 125 BASE	N160 TWIN DISC	N160 USD
बचत	₹2 310/-	₹2 000/-			₹5 594/-
स्पेशल क़ीमत (बचत के बाद)	₹83 494/-	₹92 013/-	₹99 994/-	₹1 23 720/-	₹1 37 952/-

*एक्स-शोरूम क़ीमत
pulsar DEFINITELY DARING
72198 21111 | BAJAJ SECURE • AMC • ROAD SIDE ASSISTANCE
*नियम और शर्तें लागू. *एक्स-शोरूम क़ीमत दर्शाए गए पल्सर वैरिएंट्स के लिए है. क़ीमत संशोधन बनाम दर्शाए गए पल्सर वैरिएंट्स की एक्स-शोरूम क़ीमत 31 मार्च 2025 के अनुसार. *पल्सर 125 नियॉन के लिए डाउन-पेमेंट मार्जिन मनी है। मार्जिन मनी में DCC शुल्क, प्रोसेसिंग फीस, अन्य शुल्क शामिल नहीं हैं और यह क्रेडिट मापदंडों की पूर्ति पर आधारित है. बजाज ऑटो के पास बिना पूर्व सूचना के किसी भी या सभी ऑफ़र्स को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है. स्टंट्स, एक्सपर्ट्स द्वारा प्रोफ़ेशनल सुपरविज़न के तहत, आम जनता या आम रास्तों से हट कर नियंत्रित और बंद सीमित वातावरण में किए गए हैं. कृपया इन स्टंट्स की नकल करने का प्रयास न करें और हर समय ट्रैफ़िक तथा सुरक्षा नियमों का पालन करें. एएमसी विशेष मॉडल्स और विशेष राज्यों में ही उपलब्ध है. अधिक जानकारी के लिए बजाज डीलर से संपर्क करें. रोड साइड सहायता अन्य पक्षों द्वारा उपलब्ध कराई जाती है और वह उनके नियम और शर्तों के अधीन होती है.
Authorised Dealers for Bajaj Auto Ltd.: Balaghat: SAI BAJAJ 9425822517 • Chatarpur: TIKARIYA BAJAJ 7470901984• Satna: FOUZDAR BAJAJ 223925, 8109073002, AA Autorider: 9098500556 9098500557 Rewa UPPAL BAJAJ 07662-408300, 9301991092, 9424822015 • Seoni FRONTIER A S BAJAJ 9302893612• Sidhi JL Motors 9303942425 6269279293• Shahdol: JAYSHREE BAJAJ 7879858023 • Singroli: Waidhan JAISWAL BAJAJ 7354131415 • Tikamgarh: TIKARIYA BAJAJ 7999169461. Authorised Service Centre : Amanganj 9893548076, Anuppur 9826688221, Badamalehra 9425142655, Barghat 9303455660, Baihar 9555367761, Bijuri 8827988201, Birsinghpur Pali 6264386139, Chhapara 9713908909, Dhanpuri 7489650025, Gadimalehra 9425813772, Gunour 9977430543, 9977430543 Jaisingh Nagar 9425472262, Jawa 9229666311, 9229841089 Kharagpur 9893140200, Kirnapur 9009464748 Kotma 9329404241, Lakhnadon 9303396981, Loundi 9826226345, Maihar 8982435888, 8770913699 Manpur 9993009143, Nowgong 9425404025, Nowrozabad 7697487999, Palera 9993748907, Palari 9165621818, Prathvipur 9893640577, Raj Milan 9977650255, Ramnagar 8871600496 Rampur Baghelan 9425839938, Singroli 9425161696, Umaria 9302281902, Waraseoni 9425822517. Niwas 9755432031, Papaundh 9754290155, Keswahi 9669691764, Nagod 8818808182, Hanumana 9893918391, Rampunaikin 8461961616, Bahri 9340485487, 9589121525 Bargawan 8450081056, 9301456998 Mauganj 8349224040 Unchehara 9981751821, Pawai 9981763204, Adegaon 9926964389 Chakghat 9893634134 Majhauli (Sidhi) 9755088493 Mada 7089153247 Madwas 7869015572 Panna 9424332185.

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com